राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | पटना के सभी 26 अंचलों की रैंकिंग सुधारें मेरिट ...

नीतीश कुमार ने जदयू जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार की... | 12

वर्ष : 14 | अंक : 96 | पटना, बुधवार, 15 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 35.0°C

न्यूनतम तापमान 22.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	55%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,42,900

चांदी 2,97,600

सेंसेक्स 77,054

निफ्टी 24,052

संक्षिप्त खबरें

पहलगाम आतंकी हमला: हाफिज सईद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

जम्मू। पहलगाम आतंकी हमले की चल रही जांच से संबंधित एक मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमले के मामले में सईद के खिलाफ दो दिन पहले पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। इसके बाद अब एनआईए अदालत के विशेष न्यायाधीश ने गैर-जमानती वारंट जारी किया है। जम्मू में एनआईए की विशेष अदालत में दायर पूरक आरोपपत्र में 76 वर्षीय सईद पर व्यक्तिगत रूप से और प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैबा और उसके सहयोगी मोर्चे, द रेजिस्टेंस फ्रंट के प्रमुख के रूप में आरोप लगाए गए हैं।

ईरान-अमेरिका संघर्ष में अबतक 13 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच में जारी संघर्ष के चलते अब तक 13 भारतीयों की मौत हो चुकी है। जबकि तीन भारतीय लापता है। सूत्रों ने आज इसकी जानकारी। कल ही ईरान के हमले में एक भारतीय की मौत हुई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मंगलवार को पत्रकार वार्ता में एक बार फिर भारतीयों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर भारत की तरफ से बारीकी से नजर रखी जा रही है। हम होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन और व्यापार प्रवाह की निरंतर मांग करते हैं। यह विश्वभर के लोगों की ऊर्जा और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय दो जहाजों, एमटी अल बहिया और एमटी मोम्बासा पर हुए हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की थी। दोनों जहाजों पर सवार 46 सदस्यीय चालक दल में से 30 भारतीय नाविक थे। एमटी अल बहिया पर सवार 12 भारतीय नागरिकों में से एक की दुखद मृत्यु हो गई और एक घायल है।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम का किया शुभारंभ, अधिकारियों को दिये निर्देश

समस्याओं के निष्पादन से जनता संतुष्ट हो तभी सहयोग कार्यक्रम का लक्ष्य होगा पूरा : सम्राट

6 मुख्य बिंदु :-

- राज्य सरकार जनसेवा के संकल्प के साथ कर रही है काम
- आमजन से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें अधिकारी
- राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में कुल 129 आवेदन दर्ज हुए

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम हॉल में राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री सचिवालय के आवेदन प्राप्ति केन्द्र का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया साथ ही देशरत्न मार्ग से मुख्यमंत्री सचिवालय के आवेदन प्राप्ति केन्द्र तक सहयोग पथ का भी उद्घाटन किया। मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय सहयोग शिविर में कुल 129 आवेदन दर्ज किए गए। इनमें 100 आवेदक उपस्थित हुए, जिनके मामलों का निष्पादन किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन का सरकार पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। जो भी अधिकारी या कर्मी आवेदन के निष्पादन में सहयोग नहीं करते हैं, कार्य में शिथिलता बरतते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करें।

बैठक के दौरान जहानाबाद के एनके सिंह, मुजफ्फरपुर के राजीव कुमार, बेगूसराय की प्रतिमा कुमारी, शेखपुरा के प्रिंस कुमार, सीवान की अनिता देवी, अररिया की आरती देवी, भागीपुर के गौरव कुमार, पश्चिम चंपारण के शुभम कुमार तथा जहानाबाद की गुंजन कुमारी सहित कई लाभार्थियों ने अपनी समस्याओं के समाधान पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

आवेदन में दस्तावेजों की कमी हो तो उसे सीधे अस्वीकृत न किया जाए: मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी हो तो उसे सीधे अस्वीकृत न किया जाए। संबंधित आवेदक को नोटिस देकर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने का अवसर दिया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति तकनीकी कारणों से सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद नई सड़कों के निर्माण का कार्य पूरा करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। सभी पदाधिकारी आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक एवं संवेदनशील व्यवहार करें तथा उनकी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

30 दिन के अंदर समस्याओं का हो समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों का उद्देश्य है कि सहयोग शिविर के माध्यम से लोगों को 30 दिन के अंदर उनकी समस्याओं का समाधान मिले। मेरे पास कोई आवेदन आ रहा है, इसका मतलब है कि उसका निष्पादन उचित ढंग से नहीं हुआ है। सीओ, बीडीओ लेवल पर जो भी आवेदनों का निष्पादन होता है उस पर एसडीओ, डीसीएलआर एवं जिलाधिकारी नजर रखें। प्रमंडलीय आयुक्त भी दिये गये निर्णयों की समीक्षा करें। विभागों के सचिव भी निर्णयों की समीक्षा करते रहें।

शिकायतों का निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। सहयोग शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ है और जिन आवेदकों को अब भी अपने आवेदन के निर्णय पर आपत्ति है, उनके लिए राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम की व्यवस्था की गई है, ताकि उनकी शिकायतों का पुनः परीक्षण कर न्यायसंगत निर्णय लिया जा सके।

सहयोग शिविर के माध्यम से 90 प्रतिशत समस्याओं का समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहयोग शिविर के माध्यम से 90 प्रतिशत समस्याओं का समाधान किया गया है। इसके लिये जिलाधिकारी सहित सभी संबद्ध पदाधिकारी एवं कर्मियों को बधाई देते हैं और उम्मीद करते हैं कि पूरी तन्मयता और संवेदनशीलता के साथ समय-सीमा के अंदर जनता की समस्याओं का निष्पादन करते रहेंगे। समस्याओं के निष्पादन से जनता संतुष्ट हो तभी हमलोगों का सहयोग कार्यक्रम का लक्ष्य पूर्ण होगा। राज्य सरकार जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य स्तरीय सहयोग शिविर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे जनता का विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा।

वीबी-जी राम जी: वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1307 करोड़ रुपये जारी

- ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा, ग्रामीण क्षेत्र को मिलेगी रफ्तार

प्रात : किरण

पटना। ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) योजना में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मजदूरी मद में 1307 करोड़ 53 रुपये की मंजूरी और व्यय की स्वीकृति मिली है। यह स्वीकृति बिहार सरकार ने दी है। मंत्री श्री कुमार ने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वीबी-जी राम जी योजना- 2025 के तहत वीबी-जी राम जी योजना-2026 का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, ऐसे लोगों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों की विस्तारित सांविधिक मजदूरी रोजगार गारंटी प्रदान करना है। यह योजना राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों पर लागू होगी। इसका मुख्य लक्ष्य विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण विकास के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और आजीविका सुरक्षा प्रदान करना है। योजनान्तर्गत केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के बीच लागत-साझेदारी का अनुपात 60:40 है। उन्होंने कहा कि योजना कार्यान्वयन के लिए 924 करोड़ 20 लाख रुपये की राशि को एसएनए स्पर्श के तहत स्वीकृत दी गई है। विभागीय मंत्री ने कहा कि विकास पुरुष के उपाधि से नवाजे गए बिहार के माननीय पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद नीतीश कुमार के बिहार विकास पथ के दृढ संकल्प को अनवरत जारी रखते हुए राज्य के गरीब जनता, मजदूरों के हित में पैसों की कमी नहीं होने दी जाएगी। मजदूरों को राज्य के अन्दर ही रोजगार मुहैया कराने के लिए बिहार सरकार दृढ संकल्पित है।

बांकीपुर से मेरा रिश्ता राजनीति का नहीं, परिवार का है : नितिन

- भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एनडीए के घटक दलों के साथ चुनावी रणनीति पर किया मंथन

प्रात : किरण

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से उनका रिश्ता केवल जनप्रतिनिधि का नहीं, बल्कि परिवार का है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता और भाजपा कार्यकताओं ने उन्हें राजनीति में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है और अब पार्टी ने जिस विश्वास के साथ युवा कार्यकर्ता नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है, उसी विश्वास के साथ बांकीपुर की जनता उन्हें भी भरपूर आशीर्वाद देगी।

उन्होंने कहा कि एक कार्यकर्ता, विधायक और जनप्रतिनिधि के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे हर परिस्थिति में अपने क्षेत्र और अपने लोगों के साथ खड़े रहें। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां एक साधारण कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर नेतृत्व की जिम्मेदारी तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने एक मंडल अध्यक्ष जैसे जमीनी कार्यकर्ता नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाकर कार्यकताओं के सम्मान और संगठन की कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहता हूं कि बांकीपुर की जनता और यहां के कार्यकताओं ने ही मुझे काम करना सिखाया है। आज मैं जिस स्थान पर हूं, वहां तक पहुंचाने का श्रेय भी इसी क्षेत्र की जनता के स्नेह और आशीर्वाद को जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नीरज कुमार सिन्हा भी उसी सेवा भाव और समर्पण के साथ बांकीपुर की जनता के बीच काम करेंगे। उन्होंने कहा कि नीरज किसी बड़े राजनीतिक परिवार से नहीं, बल्कि जनसंघ काल से भाजपा की विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ता परिवार से आते हैं और वर्षों से क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बांकीपुर में सड़क, पेयजल, बिजली, पार्क, सामुदायिक भवन और अन्य आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है। मंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान भी उन्होंने लोगों की मूलभूत समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि वेंडिंग जोन, कम्युनिटी टॉयलेट और स्वच्छता जैसी योजनाओं पर लगातार कार्य हो रहा है। पटना नगर निगम द्वारा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना का सफल टेंडर शहर को स्वच्छ और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चारा घोटाला: लालू यादव को बड़ी राहत, जमानत रद्द करने की सीबीआई की याचिका खारिज

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी कानूनी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने देवघर चारा घोटाला मामले में सीबीआई द्वारा दायर उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उनकी जमानत रद्द करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामला काफी पुराना है और इस स्तर पर जमानत में हस्तक्षेप करने का कोई ठोस आधार नजर नहीं आता है। अदालत ने झारखंड हाई कोर्ट के पूर्व आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। सीबीआई की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने दलील दी थी कि लालू यादव को सजा की अवधि के आधार पर गलत तरीके से जमानत दी गई थी। उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले को कानूनी रूप से अनुचित बताया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई के तर्कों को दरकिनार करते हुए कहा कि मामले को बीते हुए सात साल का लंबा समय हो चुका है। साल 2018 में दायर की गई इस अपील पर लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने अब इसे खारिज करना ही न्यायोचित समझा है।

झारखंड हाई कोर्ट को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश

लालू यादव को जमानत देने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट को इस बहुचर्चित चारा घोटाला मामले की मुख्य सुनवाई में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए हैं। शीर्ष अदालत चाहती है कि लंबे समय से लंबित पड़े इस मामले का जल्द से जल्द कानूनी रूप से अंतिम निपटारा हो सके। यह निर्देश मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दिया गया है ताकि न्याय प्रक्रिया को और अधिक समय तक लटकाया न जाए। अब सारा ध्यान झारखंड हाई कोर्ट की आगामी कार्यवाही पर केंद्रित है।

रैण्डमाइज्ड कंप्यूटर सिस्टम से 3,268 राजस्व कर्मचारियों का हुआ स्थानांतरण

प्रात : किरण

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने कंप्यूटरकृत प्रणाली का प्रयोग कर पारदर्शी तरीके से स्थानांतरण किया है। इस नई व्यवस्था के माध्यम से 3 हजार 268 राजस्व कर्मचारियों का रैण्डमाइज्ड कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से स्थानांतरण किया गया। इस स्थानांतरण प्रक्रिया का अनुमोदन विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कंप्यूटर का बटन क्लिक करके किया। इस मौके पर माननीय मंत्री डॉ जायसवाल ने कहा कि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों और रैण्डमाइज्ड कंप्यूटरीकृत प्रणाली के आधार पर संपन्न हुई, जिससे स्थानांतरण में मानवीय हस्तक्षेप की संभावना समाप्त हो गई और पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनी रही। मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि स्थानांतरण प्रक्रिया में सरकार के स्तर से निर्धारित सभी प्राथमिकताओं का पूरी तरह पालन किया गया। सबसे पहले दूरी के आधार पर, उसके बाद महिला कर्मचारियों, पति-पत्नी (स्पाउस ग्राउंड), गंभीर बीमारी, दिव्यांगता तथा पुनः दूरी के आधार पर प्राप्त मामलों का निष्पादन किया गया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील परिस्थितियों में कार्यरत कर्मचारियों की जरूरतों को प्राथमिकता देना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित इस नई व्यवस्था से स्थानांतरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और भरोसेमंद बनी है तथा भविष्य में भी विभाग इसी प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करेगा।

रक्षा मंत्री ने कारगिल दिवस से पहले 'शौर्य विजय यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस से पहले मंगलवार को यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक तक 13 दिन की शौर्य विजय यात्रा, एक यादगार मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान में 28 मोटरसाइकिल सवार शामिल होंगे, जिनमें सेना के सेवारत, सेवानिवृत्त जवान और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं।

ये मोटरसाइकिल सवार 1999 के कारगिल युद्ध में जीत दिलाने वाले भारतीय बहादुरों के साहस, संकल्प और सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करने के लिए उत्तरी हिमालय के कठिन रास्तों से होते हुए 1,900 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। इस अभियान का आदर्श वाक्य है एक यात्रा, एक राष्ट्र, एक सलाम। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर उन बहादुर भारतीय सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी जिन्होंने साहस, धैर्य, अनुशासन और बेमिसाल देशभक्ति का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा, जिसका अध्ययन और सम्मान आज भी दुनिया भर की सेनाएं करती हैं।

भारत ने सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य की उम्मीदवारी पेश की

- भारत का दृष्टिकोण संवाद, सहयोग और मतभेदों को पाटने पर आधारित रहेगा : जयशंकर

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थाई सदस्य के रूप में अपनी उम्मीदवारी पेश करते हुए सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध विश्व के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की है और कहा है कि विकासशील देशों की आवाज को सशक्त बनाना तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों में इन देशों की चिंताओं को उचित स्थान देना उसकी प्राथमिकता होगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार सुबह न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सुरक्षा परिषद में वर्ष 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के चुनाव अभियान की आधिकारिक रूप से शुरूआत करते हुए यह बात कही। उन्होंने भारत के शान्ति दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य मानदंडों, विश्वास और सत्यनिष्ठा के माध्यम से दुनिया में समग्र प्रगति सुनिश्चित करना है।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि उन्होंने भारत की दावेदारी को मजबूत तरीके से रखते हुए कहा कि विकासशील देशों की आवाज को सशक्त बनाना और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों में उनकी चिंताओं को उचित स्थान देना भारत की प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को हमारे साझा भविष्य के निर्धारण में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत की प्राथमिकताओं में सुधारों पर आधारित बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाना भी रहेगा जिससे कि वह अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधित्वपूर्ण और प्रभावी बन सके। भारत का दृष्टिकोण संवाद, सहयोग और मतभेदों को पाटने पर आधारित रहेगा। भारत भविष्य के अनुरूप शांति स्थापना व्यवस्था को अधिक सक्षम, प्रौद्योगिकी-संपन्न, यथार्थवादी दायित्वों वाली और अपने मूल उद्देश्यों पर केंद्रित बनाने की दिशा में काम करेगा। महिला, शांति और सुरक्षा कार्यसूची के मार्गदर्शन में हम सदैव महिला शांति सैनिकों की भूमिका का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए समावेशिता, सुरक्षा और जनहित पर आधारित मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही, इसके दुरुपयोग और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए भी हम समान रूप से प्रतिबद्ध हैं।

तनाव | **होर्मुज जलडमरूमध्य बन गया है संघर्ष का मुख्य केंद्र, अंतरिम समझौते पर संकट के बादल**

अमेरिका-ईरान के हमलों से धधक उठा होर्मुज, भारतीय नागरिक की मौत

प्रात : किरण

तेहरान/वाशिंगटन/एजेंसी। अमेरिका ने मंगलवार तड़के ईरान पर हवाई हमले किए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी फिर से लागू करने और होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की घोषणा के कुछ घंटे बाद ये हमले किये गए। अमेरिकी सैन्य हमले के जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया में अमेरिका के सहयोगियों पर हमला कर पलटवार किया। इन कार्रवाइयों से उस अंतरिम समझौते पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, जिसका उद्देश्य संघर्ष को रोकना, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोलना और वाताकारों को युद्ध के स्थाई अंत के लिए तौर-तरीके तय करने का समय देना था। इसके बजाय, क्षेत्र में एक बार फिर संघर्ष भड़क उठा है, जिससे

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरा मंडराने लगा है। यदि जल्द ही कोई कूटनीतिक समाधान नहीं निकाला गया, तो यह स्थिति एक व्यापक युद्ध में बदल सकती है। अब इस संघर्ष का मुख्य केंद्र यह (होर्मुज) जलडमरूमध्य बन गया है, जहां से सामान्य दिनों में दुनिया के कुल व्यापार होने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पांचवां हिस्सा गुजरता था। अंतरिम समझौते का उद्देश्य इस जलमार्ग को फिर से खोलना था, लेकिन ईरान ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कुछ जहाजों पर हमले किए हैं। अमेरिका ने अब बलपूर्वक इस जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की धमकी दी है—लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इसके लिए एक बहुत बड़े नौसैनिक बेड़े की आवश्यकता होगी, और यदि ऐसा नहीं हुआ तो ईरानी धरती पर हजारों अमेरिकी सैनिकों को उतारना पड़ेगा।

परमाणु हथियारों के खिलाफ नो टॉलरेंस नीति : ट्रंप

व्हाइट हाउस में अपनी सख्त नीति को दोहराते हुए ट्रंप ने नो टॉलरेंस का संकल्प लिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि उनके प्रशासन के कार्यकाल में ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। हालांकि, ट्रंप ने बातचीत का एक छोटा दरवाजा खुला रखते हुए कहा कि यदि ईरान अपनी नीतियों में बदलाव करता है, तो एक नए समझौते की संभावना अब भी मौजूद है। तब तक, ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प मेज पर बना रहेगा और अमेरिका अपने रक्षा हितों के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। ट्रंप का मानना है कि ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताएं, नौसेना और वायुसेना अब लगभग समाप्त हो चुकी हैं, जिसके कारण वह परमाणु हथियारों की ओर भागने का प्रयास कर रहा है। ट्रंप ने ईरान के साथ हुई कूटनीतिक विफलताओं के लिए तेहरान को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। राष्ट्रपति ने ईरान के नेतृत्व को अविश्वसनीय बताते हुए कहा कि वे समझौते केवल तोड़ने के लिए करते हैं। उन्होंने कहा कि अंततः होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का नियंत्रण होगा।

होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय क्रू मेंबर की मौत पर भारत सख्त

नई दल्ली,। विदेश मंत्रालय ने ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट के पास हुए हमले में एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत पर गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि भारत ने इस घटना पर ईरान के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसे हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ईरान के उप मिशन प्रमुख को तलब किए जाने के बाद हमने एक आधिकारिक बयान जारी किया था। हमने उनके सामने अपनी गहरी चिंता जताई।

संक्षिप्त खबरें

विधान सभा उप चुनाव से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मियों का प्रशिक्षण प्रारंभ

पटना। विधान सभा चुनाव से जुड़े मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण समाहरणालय, पटना में हुआ जिसमें ई.वी.एम./वी.वी.पैट के संचालन समेत चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण बारीकियों से भी अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण 15 जुलाई तक चलेगा। ये प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर फिर मतदान दल के कर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। मतदान दल के कर्मियों का प्रशिक्षण 16, 17 एवं 18 जुलाई को पटना हाई स्कूल, गर्दनीबाग में होगा। इन कर्मियों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण 23 एवं 24 जुलाई को पटना हाई स्कूल, गर्दनीबाग में ही होगा।29 जुलाई को समाहरणालय में ई.वी.एम. संग्रहण दल का प्रशिक्षण होगा। मतगणना कार्य से जुड़े पदाधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण 29 जुलाई को तथा द्वितीय प्रशिक्षण 2 अगस्त को समाहरणालय मुख्य सभागार में होगा।जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने मतदान एवं मतगणना से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निदेश दिया है कि वे पूरे मनोयोग से चुनाव संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त करें जिससे कि मतदान अथवा मतगणना के समय उन्हें किसी कठिनाई का सामना करना न पड़े।

हत्या के प्रयास व उत्पाद अधिनियम के तीन अभियुक्त गिरफ्तार, नदी थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

फतुहा। पटना जिले के नदी थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, नदी थाना कांड संख्या-271/2026 (हत्या के प्रयास) के अभियुक्त ज्योति देवी (35 वर्ष), पति नीतीश कुमार तथा बगल राय (58 वर्ष), पिता स्व. बच्चू राय, दोनों निवासी ग्राम गढ़ोंचक, थाना नदी, जिला पटना को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, नदी थाना कांड संख्या-113/2021 (उत्पाद अधिनियम) के अभियुक्त चांदन राज (32 वर्ष), पिता विजय साव, निवासी ग्राम जैतीपुर लालगंज, थाना लालगंज, जिला वैशाली को भी पुलिस ने दबोच लिया। नदी थाना पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें न्यायिक कार्रवाई के लिए अग्रेषित किया जा रहा है।

फतुहा व आसपास के इलाकों में आज दो घंटे बिजली रहेगी गुल

फतुहा। 220/132/33 के.वी. ग्रिड फतुहा में अनिवार्य मेंटेनेंस कार्य के कारण बुधवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे ताक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान फतुहा, दनियावां, त्रिवेणी, खुसरूपुर, अल्ट्राटेक, पटवारी और बियाडा 33 के.वी. फीडर सहित इनसे जुड़े सभी 11 के.वी. फीडर बंद रहेंगे। इसके चलते फतुहा (शहरी एवं ग्रामीण), संपूर्ण दनियावां क्षेत्र, बैकथपुर, जगमाल बीघा, मौजिपुर, इंडस्ट्रियल एरिया, बुधुचक, छपाक पार्क क्षेत्र (सुकुलपुर-मुरजपुर ताक), रायपुर बलवा, बरुना, दोस्त मुहम्मदपुर समेत कई इलाकों में करीब दो घंटे बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए पहले से पर्याप्त पानी का भंडारण कर लें। इसकी जानकारी फतुहा विद्युत प्रमंडल के एसडीओ संदीप सौरभ ने दी।

बुजुर्ग के घर से गैस सिलेंडर चोरी पुलिस से न्याय की गुहार

फतुहा। थाना क्षेत्र के बांकीपुर गोरख (वार्ड संख्या-12) में 92 वर्षीय असहाय बुजुर्ग जवाहर महतो के घर से गैस सिलेंडर चोरी होने का मामला सामने आया है।

फतुहा थाने में दिए गए लिखित आवेदन में उन्होंने बताया कि वे वृद्धा पेंशन के सहारे जीवन यापन करते हैं। 25 जून 2026 को तबीयत खराब होने के कारण इलाज के लिए पटना गए थे और 14 जुलाई को घर लौटने पर देखा कि उनका गैस सिलेंडर गायब है।

मतदाता जागरूकता के लिए चलेगा सघन अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

बांकीपुर। उप चुनाव में अधिक से अधिक मतदान के लिये सघन मतदाता जागरूकता अभियान चलाये जायेंगे। स्वीप के वरीय पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त श्री शुभम कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में उक्त निर्णय लिये गये। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी प्रमुख स्थलों पर मतदाता जागरूकता से संबंधित बैनर-पोस्टर लगाये जाये। कार्यक्रम बनाकर मतदाता जागरूकता रैली, कॉलेज के विद्यार्थियों तथा विभिन्न समूहों के बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, जागरूकता रथ, मतदान के लिए शपथ, रंगोली, बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर जाकर वोटर को पर्ची देने के साथ-साथ वोट के लिए जागरूक करने के कार्य भी किये जायेंगे।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिये मतदाताओं की अधिक से अधिक सहभागिता आवश्यक है। इसलिये सभी स्तरों पर मतदाताओं को वोटिंग के लिये प्रेरित करने हेतु विशेष अभियान चलाये जायेंगे। बैठक में डी.पी.ओ. आई.सी.डी.एस., उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जन-संपर्क पदाधिकारी, निदेशक डी.आर.डी.ए. एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

समय पूर्व कर लें बाढ़ से बचाव की सारी तैयारीः डीएम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पिछले वर्षों में हुई बाढ़ की घटनाओं के अनुभवों के आधार पर बाढ़ से बचाव सम्बंधी सारी तैयारी करें। बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, बख्तियारपुर, पटना सिटी, दीघा, खगौल एवं अनिसाबाद के कार्यपालक अभियंताओं , आपदा प्रबंधन विभाग के पदाधिकारी एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के साथ संभावित बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने उक्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित होने वाले अंचलों की सूची बना लें एवं अभी से ही बाढ़ पूर्व एवं बाढ़ के दौरान किये जाने वाले कार्यों को चिन्हित कर लें। बाढ़ नियंत्रण से जुड़े पदाधिकारियों ने जिला पदाधिकारी को बताया कि पटना जिला अन्तर्गत चिन्हित 43 जगहों पर बाढ़ निरोधक कार्य पूरा हो चुका है। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता को निदेश दिया कि वे संयुक्त रूप से सभी स्थलों को निरीक्षण कर लें। यदि आवश्यक लगे तो सुदृढ़ीकरण हेतु अतिरिक्त कार्रवाई भी करायें। उन्होंने कहा कि इन 43 स्थलों के अलावे उन सभी जगहों पर भी नजर रखें जहाँ पूर्व में बाँध टूटा था। इन जगहों पर भी पर्याप्त मात्रा में फ्लड फाईटिंग से संबंधित सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिला अंतर्गत बाढ़ की दृष्टि से 31 अतिसंवेदनशील एवं 181 संवेदनशील स्थलों की सूची तैयार कर ली गई है जहाँ बाढ़ संघर्षात्मक सामग्रियों के रूप में 8 लाख 58 हजार बालू भरे ई.सी. बैग एवं 2083 घान मीटर अतिरिक्त स्थानीय बालू का भंडारण किया जा रहा है। इन स्थलों पर 64093 नायलॉन क्रेट एवं 10682 जियो बैग भी उपलब्ध करा लिया गया हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ संघर्षात्मक समग्रियों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। अभी समय है पर्याप्त संख्या में सामग्रियों को एकत्र कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से कहा कि फ्लड फाईटिंग से जुड़ी सामग्रियों यथा जियो बैग, ई.सी. बैग, बाँस आदि का संग्रहण उस स्थल पर करें, बाँध क्षतिग्रस्त होने पर जहाँ से उनका परिवहन आसान एवं सुगम हो। उन्होंने वाहन, जेनेरेटर अन्य सहायक सामग्रियों एवं मजदूरों की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। जिला पदाधिकारी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से कहा कि अभी से ही झारखंड से आने वाली नदियों पर विशेष नजर रखें। इन नदियों में जल-प्रवाह की स्थिति तथा जहाँनाबाद स्थित उदेरा स्थान बराज में आने वाले जल प्रवाह के आधार पर जिला में बाढ़ से बचाव के आकलन में काफी मदद मिलेगी।

अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन ने बैठक में बताया कि पटना जिला अंतर्गत बाढ़/सुखाड़ को देखते हुए आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर अब तक 140677 लाभुकों की इन्ट्री करा ली गई है जिसमें से 138272 लाभुकों का आधार सत्यापन भी हो चुका है। जिलाधिकारी ने इसमें और तेजी लाने को कहा। जिला स्तर पर 219 पंजीकृत नाव के मालिकों के साथ एकरारनामा हो चुका है। नये पंजीकरण के लिए अंचलवार कैम्प लगाये जा रहे हैं। जिलान्तर्गत 120 शरण स्थल, 204 प्रशिक्षित गोताखोर, 401 आपदा मित्र, 543 लाईफ जैकेट, 5 इन्फलेटेबुल लाईटिंग सिस्टम, पर्याप्त संख्या में पॉलिथीन शीट्स एवं दवाएँ उपलब्ध हैं। पटना.डी.आर.एफ. की एक कंपनी ाटना सिटी में एन.डी.आर.एफ. की दो टीम दीदारगंज बाजार समिति में पटना जिला हेतु सुरक्षित है।

नई शिक्षा नीति में स्वयंसेवक सामजिक समस्याओं का कर रहे है निदानः प्रो रत्ना अमृत

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । ए एन कॉलेज के स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की छात्र छात्राओं के वॉलेंट्रीयरशिप के सफल समापन के उपलक्ष्य में स्वयंसेविता प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन पुस्तकालय सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह स्वयंसेविता पाठ्यक्रम जून माह में प्रेम यूथ फाउंडेशन के माध्यम से निःशुल्क संचालित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं ने प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत कपड़े के थैले तैयार किए तथा स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं विभिन्न सामाजिक विषयों पर जन-जागरूकता अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाई। छात्राओं ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय देते हुए इन सभी गतिविधियों को समर्पण एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो रत्न ा अमृत ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ-2020) के अंतर्गत इस प्रकार के अनुभवात्मक एवं सामुदायिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेविता विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता तथा सेवा-भाव का विकास करती है, जो उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।उन्होंने छात्र छात्राओं को माय भारत पोर्टल में सबों को पंजीकरण करने की भी सलाह दी ताकि वे सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले सकें ।

कार्यक्रम का संचालन प्रो सुशील कुमार सिंह ने किया । उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित भारत का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने छात्र छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत समर्पण और अनुशासन के साथ स्वयंसेवी कार्यों को पूरा किया। विशेष रूप से कुछ छात्र छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट कार्य, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता से प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। प्रो शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि वॉलेंट्रीयरशिप से छात्र छात्राओं को समुदाय से जुड़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है ।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी श्री प्रेम कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ए एन कॉलेज की छात्रछात्राओं ने इस स्वयंसेविता कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा उन्हें सौंपे गए प्रत्येक कार्य को पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और सेवा-भाव के साथ संपन्न किया।

एक मकान से चोर लाखों रुपए के आभूषण व नगद लेकर हुए फरार

दानापुर । रूपसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामजयपाल नगर स्थित मोती अपार्टमेंट के समीप एक सूने मकान में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए करीब 20 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और एक लाख रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। इतना ही नहीं, पहचान छिपाने के लिए चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी उखाड़कर साथ ले गए। सूचना मिलने पर रूपसपुर थाना पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित आकाश दीप ने बताया कि वह मर्चेंट नेवी में कार्यरत हैं। उनकी बहन की तबीयत खराब होने पर माता-पिता 11 जुलाई को गुजरात के बलसाढ़ चले गए थे। सास कीतबीयत खराब होने के कारण वह अपनी पत्न ी के साथ 3 जुलाई को पटना सिटी स्थित ससुराल चले गए थे। 10 जुलाई को एक बार घर आकर साफ-सफाई की और 11 जुलाई को दोबारा ताला बंद कर चले गए।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने कौशल विकास से 9.6 लाख लोगों को किया सशक्त

पटना । विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर एचडीएफसी बैंक की सीएसआर पहल एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने बताया कि उसकी कौशल विकास और आजीविका संवर्धन पहलों से अब तक 9.6 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। इनमें 1.96 लाख से अधिक युवाओं को औपचारिक कौशल प्रशिक्षण तथा 7.6 लाख महिलाओं और किसानों को आजीविका एवं उद्यमिता से जुड़ा सहयोग प्रदान किया गया है। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के तहत स्वास्थ्य सेवा, खुदरा, लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग, आईटी और डिजिटल प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही प्रतिभागियों को डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, सॉफ्ट स्किल्स और रोजगार सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर प्रमुख नुसरत पठान ने कहा, कौशल विकास आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति का प्रभावी माध्यम है। हमारा लक्ष्य उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, उद्यमिता सहायता और रोजगार के अवसरों के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रशिक्षण पूर्णता दर लगभग 85 प्रतिशत रही, जबकि रोजगार प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की औसत मासिक आय करीब 15,000 रुपये रही। वर्तमान में एचडीएफसी बैंक परिवर्तन देश के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 150 से अधिक परियोजनाओं के माध्यम से कौशल विकास, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने पटना में नई शाखा खोली

पटना। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) ने पटना और दरभंगा में दो नई शाखाओं का उद्घाटन कर बिहार में अपने कारोबार की शुरूआत की है। कंपनी का उद्देश्य क्षेत्र के ग्राहकों को हाउसिंग फाइनेंस सेवाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना और घर खरीदने की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है। नई शाखा के माध्यम से एबीएचएफएल किफायती गृह ऋण, प्रीमियम गृह ऋण, निर्माण वित्त तथा संपत्ति के बदले ऋण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। कंपनी के अनुसार, उसकी डिजिटल ऋण प्रक्रिया ग्राहकों को तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवा अनुभव प्रदान करेगी। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ पंकज गाडगिल ने कहा, बिहार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विकास बाजार है। मजबूत मांग और बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए हम अपनी क्षेत्रीय मौजूदगी का विस्तार कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य ग्राहकों के लिए घर खरीदने की पूरी प्रक्रिया को सरल, तेज और परेशानी-मुक्त बनाना है। शाखा के शुभारंभ के अवसर पर कंपनी 14 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष ऑफर के तहत शून्य लॉगिन फीस और 50 लाख रुपये तक के गृह ऋण की मौके पर मंजूरी की सुविधा दे रही है। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को तेज और किफायती हाउसिंग फाइनेंस उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लिफ्ट मांगने वाले ने बाइक सवार का बैग उड़ाया

दनियावां। दनियावां बाईपास पर मंगलवार सुबह लिफ्ट मांगने वाले एक अज्ञात युवक ने बाइक सवार से बैग लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, चंडी निवासी राहुल कुमार पटना से नयका रोड (एसएच-78) स्थित एक पेट्रोल पंप पर बाइक में तेल भरवाने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक करीब 22 वर्षीय अज्ञात युवक ने दनियावां तक जाने के लिए उनसे लिफ्ट मांगी।

राहुल ने उसे अपनी बाइक पर बैठा लिया। दनियावां पहुंचने पर युवक उतरते समय बाइक में टंगा बैग भी लेकर फरार हो गया। बैग में मोबाइल टावर से संबंधित उपकरण रखे थे, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई गई है। घटना के बाद पीड़ित ने दनियावां थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

न्यू एरा पब्लिक स्कूल में दिखा हरियाली सुरक्षा एवं जागरूकता का अनूठा संगम

■ पर्यावरण संरक्षण व सुरक्षा को लेकर जागरुकता हेतु पौधा रोपण अभियान, फायर सेफ्टी ड्रिल व ग्रीन डे समारोह

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम। . पर्यावरण संरक्षण व सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को स्थानीय बाघाकोल स्थित न्यू एरा पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण अभियान, फायर सेफ्टी ड्रिल एवं ग्रीन डे समारोह आयोजित की गई। मौके पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के रेड, ब्लू, ग्रीन एवं येलो हाउस के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर ह्यएक पेड़ झ एक जीवन का संदेश दिया। मौके पर विद्यालय के निदेशक डॉ. अरविंद कुमार, प्राचार्या डॉ. नीना कुमार व उप-प्राचार्या डॉ. प्रिया समेत सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। प्राचार्या डॉ. नीना कुमार ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। प्रत्येक विद्यार्थी यदि एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। वृक्षारोपण अभियान में चौथी से सातवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वहीं आठवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित फायर सेफ्टी ड्रिल में प्रशिक्षित अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी, प्राथमिक सावधानियाँ तथा अग्निशामक यंत्रों के सही एवं प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों ने अभ्यास के दौरान सुरक्षा संबंधी सभी प्रक्रियाओं का अनुशासित ढंग से पालन किया। वहीं नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने ग्रीन डे समारोह में हरी सब्जियों, फलों एवं प्रकृति से जुड़ी विभिन्न वस्तुओं का सुंदर प्रदर्शन किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान मनमोहक प्रस्तुति दी। निदेशक डॉ. अरविंद कुमार ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय चेतना तथा जीवनोपयोगी कौशल का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं और उन्हें एक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

नीट सीबीटी की तैयारी के लिए लॉन्च हुआ भारत का पहला नीट रेडी लैपटॉप

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। एसर, इंटेल और श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की पहल इन्फिनिटी लर्न ने नीट 2027 के कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप को ध्यान में रखते हुए भारत का पहला नीट रेडी लैपटॉप और इंटीग्रेटेड नीट रेडी इकोसिस्टम पेश किया है। इसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल तैयारी के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना है। यह समाधान एसर के एस्पायर सीरीज लैपटॉप, इंटेल प्रोसेसर और इन्फिनिटी लर्न के एआई आधारित नीट प्रिपरेशन इकोसिस्टम को एक साथ जोड़ता है। इसमें इन्फिनिटी लर्न ऐप, एआई मेंटर एआईएनए, लाइव एवं रिकॉर्डेड क्लासेस, स्टडी मटेरियल, चैप्टर-वाइज प्रैक्टिस, मॉक टेस्ट, टेस्ट सीरीज, परफॉर्मेंस एनालिटिक्स तथा नीट सीबीटी सिमुलेशन जैसी सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं, जिससे छात्र परीक्षा जैसे माहौल में अभ्यास कर सकें। सुषमा बोप्पना, सीईओ एवं डायरेक्टर, श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स एवं फाउंडर, इन्फिनिटी लर्न ने कहा, कंप्यूटर आधारित टेस्ट में बदलाव के साथ डिजिटल तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है जितनी शैक्षणिक तैयारी। एसर और इंटेल के साथ यह साझेदारी छात्रों को डिजिटल आत्मविश्वास और बेहतर तैयारी का अवसर देगी।

हरीश कोहली, प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, एसर इंडिया ने कहा, इंटेल और इन्फिनिटी लर्न के साथ हमारा यह सहयोग छात्रों को तकनीक और अध्ययन सामग्री से लैस एक समग्र समाधान उपलब्ध कराता है। संतोष विश्वनाथन, वाइस प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटेल एपीजे रीजन ने कहा, इंटेल पावर्ड पीसी छात्रों को एआई आधारित लर्निंग और डिजिटल शिक्षा के लिए आवश्यक प्रदर्शन और विश्वसनीयता प्रदान करते हैं। यह समाधान फिलहाल केवल फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है, जहां पात्र ग्राहकों के लिए ईएमआई 2,500 रुपए प्रति माह से शुरू होती है। इससे देशभर के मेडिकल अभ्यर्थियों के लिए डिजिटल तैयारी और गुणवत्तापूर्ण नीट तैयारी को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया गया है।

दानापुरअनुमंडलाधिकारी ने अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया

दानापुर। नगर के अंतर्गतअनुमंडलाधिकारी अनिरुद्ध पाण्डेय ने मंगलवार को नगर परिषद दानापुर के कार्यपालक पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश के आलोक में पदभार ग्रहण किए हैं। बता दें कि नप कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार का तबादला नगर पंचायत मनिहारी कर दिया गया है

रक्तांचल सीजन-3 के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे अभिनेता क्रांति प्रकाश और निकितिन धीर

16 जुलाई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होगी वेब सीरीज, इस बार बदले, सत्ता और वर्चस्व की जंग होगी और भी खतरनाक

प्रातः किरण संवाददाता

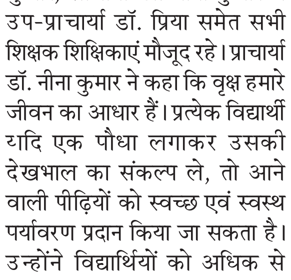

पटना। पूर्वांचल की राजनीति, अपराध और माफिया की दुनिया पर आधारित चर्चित क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज रक्तांचल सीजन-3 के प्रमोशन के सिलसिले में अभिनेता क्रांति प्रकाश झा, निकितिन धीर और निर्देशक रितम श्रीवास्तव पटना पहुंचे। होटल चाणक्या में आयोजित प्रेस वार्ता में कलाकारों ने सीरीज के नए सीजन, अपने किरदारों और बिहार से मिले प्यार को लेकर खुलकर बातचीत की। मीडिया से बातचीत करते हुए कलाकारों ने कहा कि रक्तांचल सिर्फ एक गैंगवार की कहानी नहीं, बल्कि सत्ता, राजनीति, विश्वासघात और बदले की उस मानसिकता की कहानी है, जो समय के साथ और भी खतरनाक होती चली जाती है। तीसरे सीजन में दर्शकों को पहले से कहीं अधिक रोमांच, बड़े ट्विस्ट और दमदार एक्शन देखने को मिलेगा।अभिनेता क्रांति प्रकाश झा ने कहा कि बिहार हमेशा मेरे लिए बेहद खास रहा है। यहां के दर्शकों ने रक्तांचल के दोनों सीजन को भरपूर प्यार दिया। तीसरे सीजन में विजय सिंह का किरदार पहले से ज्यादा परिपक्व, आक्रामक और बदले की आग से भरा हुआ नजर आएगा। हमें पूरा विश्वास है कि यह सीजन दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा। उन्होंने कहा कि पटना आकर प्रमोशन करना उनके लिए घर लौटने जैसा अनुभव है और बिहार के दर्शकों का उत्साह हमेशा उन्हें नई ऊर्जा देता है।अभिनेता निकितिन धीर ने कहा कि वसीम खान का किरदार इस बार पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक और रणनीतिक नजर आएगा। सत्ता की लड़ाई अब सिर्फ ताकत की नहीं, बल्कि दिमाग और राजनीति की भी है। दर्शकों को दोनों किरदारों के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार और पूर्वांचल के दर्शकों का वेब कंटेंट के प्रति बढ़ता जुड़ाव उत्साहित करने वाला है और इसी वजह से टीम यहां आकर सीधे दर्शकों से जुड़ना चाहती थी।सीरीज के निर्देशक रितम श्रीवास्तव ने बताया कि रक्तांचल का तीसरा सीजन सिर्फ कहानी को आगे नहीं बढ़ाता, बल्कि इसके किरदारों और राजनीतिक समीकरणों को भी नई ऊंचाई देता है। हमने कहानी को पहले से अधिक वास्तविक, प्रभावशाली और सिनेमाई बनाने का प्रयास किया है। दर्शकों को हर एपिसोड में नया रोमांच मिलेगा। उन्होंने बताया कि सीरीज की कहानी लेखक सिद्धार्थ मिश्रा ने लिखी है और इसमें बदलते राजनीतिक हालात, नए गठबंधन, विश्वासघात और वर्चस्व की जंग को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। रक्तांचल सीजन-3 का प्रीमियर 16 जुलाई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होगा, जहां दर्शक इसे बिना किसी सब्सक्रिप्शन के मुफ्त में देख सकेंगे।

बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अमृत है स्वर्ण प्राशन, आज पटना में विशेष शिविर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बदलते मौसम में बच्चों को बीमारियों से बचाने और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए आयुर्वेद का स्वर्ण प्राशन एक वरदान साबित हो रहा है। कल, 15 जुलाई (बुधवार) को पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर पटना के शेखपुरा में बच्चों को स्वर्ण प्राशन की खुराक पिलाने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

चिकित्सकों के अनुसार, 6 महीने से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों को हर महीने पुष्य नक्षत्र के दिन स्वर्ण प्राशन की खुराक जरूर दिलवानी चाहिए। यह पूरी तरह सुरक्षित है और

इसका कोई साइड इफेक्ट (दुष्प्रभाव) नहीं होता है।

स्वर्ण प्राशन के मुख्य लाभः

रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धिः बार-बार होने वाले सर्दी, खांसी, और मौसम बदलने पर दम फूलने जैसी दिक्कतों में यह अमृत की तरह काम करता है।

मानसिक विकासः बच्चों की याददाश्त (टीङ्ख१८) और एकाग्रता को बढ़ाने में बेहद मददगार है। शारीरिक विकास व पाचनः यह बच्चों की पाचन शक्ति को सुधारता है, जिससे उनका संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास तेजी से होता है।

शिविर से जुड़ी मुख्य जानकारीः

यदि आप भी अपने बच्चों, रिश्तेदारों या आस-पास के बच्चों को यह सुरक्षा कवच देना चाहते हैं, तो नीचे दिए गए विवरण के अनुसार शिविर का लाभ उठा सकते हैंः

दिनांक और समयः 15 जुलाई (बुधवार), सुबह 10:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक।स्थानः अमृत आयुर्वेद एवं पंचकर्म क्लिनिक, पिलर नंबर 75 के सामने, शेखपुरा, बेली रोड, पटना।संयोजक/निवेदकः वैद्य (प्रोफेसर) दिनेश्वर प्रसाद, निदेशक - अमृत आयुर्वेद फाउंडेशन, शेखपुरा, पटना।हेल्पलाइन नंबरः स्वर्ण प्राशन या शिविर से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए आप मोबाइल नंबर 9470019814 या 977396087 पर संपर्क कर सकते हैं।

पटना के सभी 26 अंचलों की रैंकिंग सुधारें मेरिट पर करें मामलों का निष्पादन : मंत्री

- राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने की पटना जिले के राजस्व कार्यों की समीक्षा, दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना जिले के राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी। कहा कि राजस्व सेवाओं की मौजूदा प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है और इसमें तत्काल सुधार लाना होगा। उन्होंने कहा कि मामलों के निष्पादन में किसी भी प्रकार का पसंद के आधार पर चयन की मानसिकता (पिक एंड चूज) नहीं चलेगी। सभी मामलों का निष्पादन सिर्फ मेरिट के आधार पर किया जाए। किसी की पैरवी या दबाव में आकर गलत कार्य न करें। सभी सेवाओं का निर्धारित अवधि में निष्पादन करें। यह समीक्षा बैठक पटना के शास्त्रीनगर स्थित राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित की गई थी। इसमें पटना जिले के सभी 26 अंचल के अंचल अधिकारी एवं राजस्व अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्री ने कहा कि पटना जिले के सभी 26 अंचलों की रैंकिंग अपेक्षित स्तर पर नहीं है। राजधानी में पदस्थापित अधिकारियों की जिम्मेदारी अधिक है और उन्हें अपनी कार्यशैली में सुधार लाना होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि एक माह बाद पुनः समीक्षा की जाएगी और तब तक सभी अंचलों की रैंकिंग में स्पष्ट सुधार दिखना चाहिए। यदि अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन अंचलों में लंबित मामलों (बैकलॉग) की संख्या अधिक है, वहां अतिरिक्त प्रयास कर लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गरीब और आम लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगने चाहिए। यदि उनका कार्य नियमानुसार है तो तुरंत निष्पादन करें। मंत्री ने अधिकारियों से ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि ईमानदारी से काम करिए। इससे चेहरे पर चमक भी आएगी और आत्मसंतुष्टि भी मिलेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से अभियान बसेरा 2 के टारगेट को हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी राजस्व सेवाओं एवं समयबद्ध कार्यों का निर्धारित अवधि में निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं सचिव श्रीमती सीमा त्रिपाठी ने प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) के माध्यम से अंचलवार प्रगति एवं आंकड़ों की समीक्षा करते हुए उपस्थित अंचल अधिकारियों और राजस्व अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को डेटा में सुधार के लिए मेहनत करने के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय सेवाओं यथा दाखिल झारिज, परिमार्जन प्लस, ई मापी, सरकारी भूमि की पहचान, राजस्व महाअभियान के आवेदनों की स्थिति, जनशिकायत एवं सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों की स्थिति की समीक्षा की गई। लंबित मामलों के निष्पादन तथा राजस्व प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत, अपर सचिव प्रशांत सीएच, अपर सचिव डॉ. महेंद्र पाल, अपर सचिव आजीव वत्सराज, विशेष कार्य पदाधिकारी नवाजिश अनवर, विशेष कार्य पदाधिकारी अनुपम प्रकाश, सहायक निदेशक सह जनसंपर्क पदाधिकारी जूही कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर घर तक पहुंचाएं : नीतीश

- प्रदेश मुख्यालय पहुंचे नीतीश कुमार, कार्यकताओं को दिया बांकीपुर उपचुनाव में जुटने का निर्देश
- प्रदेश कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया तथा कार्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत जायजा लिया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को जदयू प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया तथा कार्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत जायजा लिया। उनके आगमन पर प्रदेश कार्यालय परिसर में उपस्थित नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया।

उन्होंने ने उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं से आत्मीय भेंट की, उनका अभिवादन स्वीकार किया तथा सभी का कुशलक्षेम जाना। पार्टी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम का जायजा लेते हुये उन्होंने उचित दिशा-निदेश देते हुये कार्यकत्राओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सभी कार्यकत्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि पूरी ताकत से बांकीपुर उपचुनाव में जुट जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर एनडीए सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मतदाताओं तक पहुंचाए तथा बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए संगठित होकर कार्य करे। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने और अनुशासित व सकारात्मक तरीके से चुनाव प्रचार करने का निर्देश देते हुये विश्वास जताया कि कार्यकताओं की मेहनत और जनता के समर्थन से बांकीपुर एनडीए प्रत्याशी का प्रदर्शन शानदार होगा।

इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

नितिन नवीन ने किया चुनाव कार्यालय का उद्घाटन, बांकीपुर में एनडीए की जीत का किया दावा

- एनडीए की एकजुटता से विपक्ष पूरी तरह निराश, बांकीपुर में खिलेगा कमल : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने आज बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए एनडीए के चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। किदवईपुरी स्थित ठाकुर प्रसाद कम्युनिटी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा सहित एनडीए के सभी घटक दलों के पटना जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकताओं की उपस्थिति ने बांकीपुर में एनडीए की एकजुटता और चुनावी मजबूती का स्पष्ट संदेश दिया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि चुनाव कार्यालय का उद्घाटन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक विजय का शंखनाद है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व और मार्गदर्शन में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरे उत्साह और समर्पण के साथ चुनाव मैदान में उतर चुका है। संजय सरावगी ने कहा कि बांकीपुर की जनता विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने विश्वास जताया कि एनडीए प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा भारी मतों से विजयी होंगे और बांकीपुर एक बार फिर कमल खिलाकर विकास की राजनीति पर अपनी मुहर लगाएगा। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन ने विधायक के रूप में बांकीपुर में विकास कार्यों की मजबूत नींव रखी। सड़क, नाली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हुए कार्य आज भी जनता के बीच उनकी कार्यशैली की पहचान हैं। यही कारण है कि बांकीपुर के मतदाता भाजपा और एनडीए के प्रति पूर्ण विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। सरावगी ने कहा कि आज उद्घाटन समारोह में एनडीए के सभी सहयोगी दलों के जिला अध्यक्षों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि पूरा गठबंधन पूरी मजबूती और समन्वय के साथ चुनाव लड़ रहा है। यह एकजुटता विपक्ष के लिए स्पष्ट संदेश है कि बांकीपुर में एनडीए की जीत सुनिश्चित है। कार्यक्रम में संगठन महामंत्री भिखुभाई दलसानिया , विधायक संजीव चौरसिया, जीवेश मिश्रा सहित एनडीए के सभी दलों के पटना जिला अध्यक्ष, अनेक वरिष्ठ नेता, भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता : बुलो मंडल

- जनसुनवाई में मंत्री शीला मंडल एवं शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने सुनीं आमजनों की समस्याएँ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार में ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा कि राज्य सरकार के लिए निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दिशा में विभाग निरंतर कार्य कर रहा है तथा आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री उक्त बातें जदयू प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बीते दो दशकों नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विद्युत क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं और आज राज्य के घर-घर तक बिजली पहुंच चुकी है। इससे पहले मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने सूबे के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके विधिसम्मत एवं त्वरित निवारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं विधायक आदित्य कुमार भी उपस्थित रहे।

नीतीश कुमार ने आधी आबादी के उत्थान के लिए अनेक दूरदर्शी कदम उठाए : शीला

इस मौके पर मंत्री शीला मंडल ने कहा कि नीतीश कुमार ने महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अनेक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम उठाए हैं। उनके नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का सकारात्मक परिणाम आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की आधी आबादी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। वर्ष 2005 से पूर्व महिलाओं के लिए घर की चैखट से बाहर निकलना भी दूभर था और चारों ओर भय का वातावरण व्याप्त था, लेकिन आज बिहार में अमन-चैन एवं शांति का वातावरण है।

एलआईसी कर्मचारी कल्याण संघ के महामंत्री अशोक कुमार कांग्रेस में शामिल

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय सदाकत आश्रम में अखिल भारतीय जीवन बीमा निगम के पिछड़ा वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ के महामंत्री अशोक कुमार ने अपने दर्जनों साथियों के साथ बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने अशोक कुमार एवं उनके साथियों का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, संविधान और सभी वर्गों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा पर आधारित है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक एवं कर्मचारी संगठनों से जुड़े लोगों का कांग्रेस के प्रति बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि देश और प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। राजेश राम ने विश्वास व्यक्त किया कि अशोक कुमार और उनके साथियों के पार्टी में शामिल होने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव , प्रेमचंद सिंह , मृणाल अनामय सहित अन्य नेता मौजूद थे।

नीतीश मॉडल की सफलता, पीजीआई रिपोर्ट में बिहार अव्वल : नवल शर्मा

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता नवल शर्मा ने पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कहा कि केंद्र की परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स रिपोर्ट 2025-26 ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था में हुए क्रांतिकारी बदलाव पर आधिकारिक मुहर लगा दी है। बिहार ने लर्निंग आउटकम अर्थात छात्रों के सीखने की क्षमता में 81.9 अंक प्राप्त कर आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे कई बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि माननीय नीतीश कुमार के कार्यकाल के शिक्षा मॉडल और माननीय सम्राट चैधरी सरकार में उसकी निरंतरता का परिणाम है। जिन राज्यों को वर्षों से शिक्षा का मॉडल बताया जाता है उन्हें पछाड़कर बिहार के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। श्री शर्मा ने कहा कि केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में शिक्षा जहाँ बाजार के भरोसे है वहीं बिहार सरकारी विद्यालयों के माध्यम से आगे बढ़ रहा है। यही बिहार मॉडल की विशेषता है जहाँ माननीय नीतीश कुमार ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। यह रिपोर्ट साबित करती है कि बिहार की प्रतिभा किसी राज्य से कम नहीं है, जरूरत सिर्फ अवसर और संसाधन देने की है और श्री नीतीश कुमार ने यह संसाधन मुहैया कराया।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में रेखा गुप्ता की जीत सुनिश्चित है : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में हर तरफ से बदलाव की बयार दिख रही है और महागठबंधन समर्थित राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी रेखा गुप्ता की जीत सुनिश्चित है। क्योंकि पिछले 40 वर्षों से एक ही परिवार और पार्टी के द्वारा बांकीपुर का प्रतिनिधित्व किए जाने के बावजूद विकास के कोई कार्य नहीं हुए हैं ,आज भी बांकीपुर विकास से कोसों दूर है। राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी लालू प्रसाद के विचार और तेजस्वी के कार्यों के साथ सामाजिक समीकरणों को पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही हैं। साथ ही ये आधी आबादी का प्रतिनिधित्व को मजबूती प्रदान करने के दृष्टिगत महागठबंधन ने रेखा गुप्ता को उम्मीदवार बनाया है,जो हर वर्गों के बीच स्वीकार्यता प्राप्त कर रही है। भाजपा बांकीपुर के चुनाव में जिस उम्मीदवार का चयन किया है उसके पास ना कोई सोच है ना विचार है और स्पष्ट रूप से भाजपा का सिर्फ प्रचार है यह दिख रहा है। बकीपुर की जनता यह मन बना चुकी है कि रेखा गुप्ता ही स्थानीय और बकीपुर के सर्वांगीण विकास को लेकर एक रोड मैप के साथ सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता की धारा को मजबूती प्रदान करने के लिए सभी वर्गों को साथ लेकर चलने पर जो राष्ट्रीय जनता दल और तेजस्वी जी का विचार है उसके साथ इस क्षेत्र की जनता खड़ी है।

हर किसान तक समय पर पहुंचेगी सभी कृषि सहायता : विजय

- कृषि मंत्री ने शारदीय (खरीफ) फसलों के प्रगति की समीक्षा की, दिए निदेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शारदीय (खरीफ) मौसम-2026 के अंतर्गत धान रोपनी, धान नर्सरी एवं अन्य फसलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य समय पर प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मंत्री ने राज्य में मानसून की अनुकूल स्थिति का लाभ उठाते हुए किसानों को कृषि कार्यों में हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने बताया कि राज्य में धान नर्सरी का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा अब धान रोपनी का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही, शारदीय (खरीफ) मक्का की बुआई में भी संतोषजनक प्रगति दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग का उद्देश्य केवल लक्ष्य प्राप्त करना नहीं, बल्कि प्रत्येक किसान तक समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

उन्होंने सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेश दिया कि वे नियमित रूप से क्षेत्रीय भ्रमण कर बुआई एवं रोपनी कार्यों की निगरानी करें तथा किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान संभावित बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति पर भी विशेष चर्चा की गई।

माननीय मंत्री ने निदेश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को वैकल्पिक फसल एवं फसल प्रणाली अपनाने के लिए तत्काल तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराया जाए, ताकि प्राकृतिक परिस्थितियों के बावजूद किसानों की आय एवं उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव न्यूनतम हो।

उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे कृषि विभाग के स्तर से जारी वैज्ञानिक सलाह का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी जानकारी या सहायता के लिए अपने प्रखंड कृषि पदाधिकारी अथवा निकटतम कृषि कार्यालय से संपर्क करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी संबंधित विभागों एवं किसानों के सहयोग से शारदीय (खरीफ) मौसम-2026 के निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध रूप से प्राप्त किए जाएंगे और राज्य कृषि उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

पार्ट-टाइम पॉलिटिशियन हैं तेजस्वी, राजनीति उनके बस की बात नहीं : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को नॉन-सीरियस लीडर करार दिया। श्री कुशवाहा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के आचार, विचार और व्यवहार से यह साफ झलकता है कि राजनीति उनके बस की बात नहीं है। वह महज एक पार्ट-टाइम पॉलिटिशियन बनकर रह गए हैं। उनमें न तो अपने कार्यकताओं के प्रति कोई गंभीरता दिखती है, न नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद के प्रति कोई जिम्मेदारी और न ही बिहार की जनता के प्रति कोई प्रतिबद्धता नजर आती है। प्रदेश अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव की राजनीति अब सिर्फ सोशल मीडिया और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के सहारे चल रही है। जो नेता अपनी ही पार्टी के स्थापना दिवस समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करता हो, उसकी राजनीतिक अपरिपक्वता और गैर-गंभीरता स्वतः उजागर हो जाती है। उन्होंने आगे कहा कि चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए तेजस्वी यादव का जीवन हमेशा ऐशो-आराम वाला रहा है। यही वजह है कि उन्होंने न कभी पढ़ाई को महत्व दिया और न ही क्रिकेट के प्रति गंभीर हो सके। अब वह अपने पिता की राजनीतिक विरासत को भी मटियामेट करने पर तुले हैं। श्री कुशवाहा ने कहा कि बिहार के राजनीतिक इतिहास में तेजस्वी यादव जैसा अगंभीर, असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष आज तक नहीं हुआ। यही कारण है कि जनता उन्हें अब सीरियसली नहीं लेती।

नेता प्रतिपक्ष के बजाए, राज्य की स्थिति पर चिंतन करें जदयू नेता : गगन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा जी द्वारा राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव पर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा कि भाजपा और जदयू के नेता जितना चिंतन तेजस्वी और राजद को लेकर करते हैं उसका 10 प्रतिशत भी यदि राज्य के बारे में चिंता करते तो आज बिहार का पूरा सिस्टम इस प्रकार ध्वस्त नहीं होता। एनडीए नेताओं की सारी ऊर्जा तेजस्वी जी एवं लालू परिवार को गाली देने में हीं खर्च हो जाती है। दिनदहाड़े हत्या, लूट, बैंक लूट, डकैती, छेड़खानी और अपहरण जैसी घटनाएं सामान्य बात है। रेक्स रैकेट का विरोध करने वाले का राजधानी के व्यस्ततम जगह से अपहरण कर हत्या कर दी जाती है और चार दिनों में भी पुलिस कुछ नहीं कर पाती है।भ्रष्टाचार इनकी रग रग में शामिल है। ईडी द्वारा भी खुलासा किया गया है कि यहां टेंडर में किस प्रकार कमिशन बड़े पदाधिकारियों को जाता है। बिहार का खजाना खाली है । वेतन के लाले पड़े हुए हैं। वैसे भी लालू, तेजस्वी को गाली देने के सिवा वे और कर भी क्या सकते है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि अजीब विडंबना है कि बीस साल से सत्ता में बैठे लोग अपनी हर विफलता पर विपक्षी दलों से सवाल पूछते हैं और अपनी नाकामियों का ठीकरा बीस साल पहले की सरकार पर फोड़ते रहते हैं।

नवंबर-दिसंबर में इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव का होगा आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। वैशाली के बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप को और बेहतर तरीके से चलाने और इसे विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल बनाने के लिए गठित समिति की पहली बैठक मंगलवार को संपन्न हुई। मुख्य सचिवालय में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने की। इसमें नवंबर-दिसंबर 2026 में इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव आयोजित करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। दुनिया भर से बौद्ध भिक्षु और श्रद्धालु इस कार्यक्रम में वैशाली पहुंचेंगे।

संग्रहालय में बढ़ रही है भीड़: अक्टूबर 2025 से आम लोगों के लिए खोला गया यह परिसर मई 2026 से सशुल्क हो गया है। अभी रोजाना औसतन 2500 पर्यटक यहां घूमने आ रहे हैं। बैठक में विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि पर्यटकों की संख्या और बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

समिति का रजिस्ट्रेशन होगा: बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि समिति का रजिस्ट्रेशन सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत कराया जाएगा। इस काम की जिम्मेदारी संग्रहालय के अपर निदेशक डॉ. विमल तिवारी को सौंपी गई है। बैठक में कला एवं संस्कृति सह भवन निर्माण विभाग के सचिव प्रणव कुमार, वित्त विभाग की सचिव रचना पाटिल, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अनिमेष पाराशर, वैशाली जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह, बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति की सचिव महाश्वेता महारथी, बिहार संग्रहालय निदेशक कृष्ण कुमार, बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप वैशाली के अपर निदेशक डॉ. विमल तिवारी सहित ऊर्जा विभाग, पर्यटन विभाग तथा प्रमंडलीय आयुक्त, तिरहुत के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस वर्ष 12 जिलों में पूरा हो जाएगा खेल भवन सह व्यायामशाला

- वर्तमान में प्रदेश के 25 जिलों में खेल भवन का निर्माण हुआ पूरा, शुरू हो गई है खेल गतिविधियां

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक जिले में खेल भवन सह व्यायामशाला का निर्माण किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य स्थानीय खेल प्रतिभाओं को नई पहचान और बेहतर मंच प्रदान करना है। वर्तमान में प्रदेश के 25 जिलों में खेल भवन पूर्ण रूप से तैयार हो चुके हैं, जबकि 12 जिलों में निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है।

निर्माण कार्य की वर्तमान प्रगति

इन जिलों में कार्य प्रगति पर है। समस्तीपुर में लगभग 95 प्रतिशत, बेगूसराय में 90 प्रतिशत, दरभंगा में 85 प्रतिशत और वैशाली में 65 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेखपुरा, गोपालगंज तथा सुपौल में 40 प्रतिशत और सीतामढ़ी, कैमूर व नालंदा में 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। मुंगेर जिले में निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। बक्सर में भवन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2026 तक सभी जिलों में ये खेल भवन पूर्ण रूप से तैयार हो जाएंगे।

खेल भवन की रूपरेखा

ये खेल भवन दो मंजिला आधुनिक इमारतों के रूप में तैयार किए जा रहे हैं। निचले तल पर व्यायामशाला हॉल, मल्टी जिम, ट्रेडमिल, वेट लिफ्टिंग क्षेत्र, ग्रीन रूम तथा महिला-पुरुष प्रसाधन कक्ष की सुविधा होगी। प्रथम तल पर मिश्रित खेल हॉल बनाया गया है, जहां ताइक्वांडो, कुश्ती, कबड्डी जैसे खेलों का आयोजन किया जा सकेगा। इस तल पर भी ग्रीन रूम और अलग-अलग प्रसाधन कक्ष उपलब्ध होंगे। द्वितीय तल पर जिला खेल अधिकारी का कार्यालय (प्रसाधन कक्ष सहित) और 50 व्यक्तियों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल रहेगा। खेल भवनों को अधिक सुरक्षित और उपयोगी बनाने के लिए आरओ वॉटर प्यूरीफायर, जनरेटर सेट, सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम और साइनबोर्ड जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई

पंचायतों के अपूर्ण आवासों का निरीक्षण के लिए जीरो ऑफिस डे का होगा आयोजन

- ग्रामीण विकास विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम के तहत पदाधिकारी और कर्मचारी करेंगे योजनाओं का भौतिक अनुश्रवण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण क्षेत्र में संचालित योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन और अनुश्रवण की दिशा में ग्रामीण विकास विभाग दो दिवसीय जीरो ऑफिस-डे का आयोजन करेगा।

इसके तहत विभागीय पदाधिकारी और कर्मचारी क्षेत्र में दौरा कर अपूर्ण योजनाओं की जानकारी लेंगे और उसे पूर्ण कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करेंगे। सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव रवि कुमार की ओर से सभी उप विकास आयुक्तों को जारी निदेशों में कहा गया है कि विभाग के स्तर से संचालित योजनाओं में मुख्य रूप से विकसित भारत जी राम जी, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं लोहिया स्वच्छ अभियान बिहार के तहत विभिन्न कार्यों के निष्पादन एवं कार्यों के निरीक्षण के लिए 16 एवं 17 जुलाई को जीरो ऑफिस डे का आयोजन होगा। इस दौरान पदाधिकारी और कर्मचारी कार्यालयों में कार्य निष्पादन की बजाय क्षेत्र में योजनाओं का निरीक्षण एवं अनुश्रवण करेंगे। इस जीरो ऑफिस डे के तहत आवास योजनाओं में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत लंबित कार्यों का निष्पादन किया जाएगा।

इस पत्र में कहा गया है कि वैसे लाभुक जिन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय किश्त का भुगतान किया गया है, उनके द्वारा निर्धारित स्तर तक आवास निर्माण पूर्ण करने के पश्चात ससमय जियो टैगिंग किया जाएगा। साथ ही वैसे लाभुक जिन्होंने सहायता राशि मिलने के बाद भी निर्धारित स्तर तक आवास निर्माण का काम पूरा नहीं किया है, उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अस्थायी रूप से पलायित के रूप में चिन्हित परिवारों को ग्रामीण आवास सहायक/ ग्रामीण आवास पर्यवेक्षक एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करते हुए पलायित लाभुक के संबंध में उचित निर्णय लेंगे।

वैसे लाभुग जो निरीक्षण के दौरान स्थायी रूप से पलायित पाए जाते हैं, उन्हें प्राथमिकता सूची से हटाने के लिए अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी। अस्थायी रूप से पलायित योग्य लाभुकों को आवास स्वीकृति के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

डीएमसीएच में कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन सत्याग्रह छठे दिन भी जारी

दरभंगा। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्था में सुधार एवं 20 सूत्री मांगों की पूर्ति को लेकर बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, विशेष शाखा-डीएमसीएच के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन सामूहिक सत्याग्रह सोमवार को छठे दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने राज्य स्तरीय वरीय प्राध्यापक को नियमित अधीक्षक, योग्य चिकित्सक को नियमित उपाधीक्षक तथा बीएससी नर्सिंग कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य की जांच कर नियमित प्राचार्य की नियुक्ति सहित विभिन्न मांगों को दोहराया। संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा एवं मंत्री अजय कुमार साह ने कहा कि मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था प्रभावित किए बिना लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन उनकी जायज मांगों की अनदेखी कर रहा है तथा कुछ अधिकारियों के मनमाने रवैये से अस्पताल में अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। धरना स्थल पर अमरेंद्र कुमार सिंह एवं सुरेश कुमार साह की संयुक्त अध्यक्षता में सभा आयोजित की गई। सभा में उपस्थित कर्मचारियों ने मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर रामबालक यादव, मो. जमील, प्रकाश कुमार सहनी, अली अहमद, वैद्यनाथ लाल देव, मनोज कुमार राय, मधु महतो, उज्ज्वल कुमार, नवल किशोर साह, प्रमोद राम, गजेंद्र यादव, रीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

जून माह में अपराधियों पर मधुबनी पुलिस का कड़ा शिकंजा, 1,250 अपराधी गिरफ्तार

मधुबनी। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश में जून माह के दौरान जिले में अपराध नियंत्रण, अपराधियों की गिरफ्तारी एवं लंबित कांडों के निष्पादन को लेकर चलाए गए विशेष अभियान के तहत मधुबनी पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अभियान के दौरान विभिन्न आपराधिक कांडों का सफल उद्भेदन करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए, जिससे कई संभावित आपराधिक घटनाओं को समय रहते टाल दिया गया। साथ ही कांडों के निष्पादन में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए 116 प्रतिशत कांडों का निष्पादन किया गया। जून माह में जिले में 1,123 नए कांड दर्ज किए गए, जबकि 1,304 कांडो का निष्पादन किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले 43 अनुसंधानकताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवधि में पुलिस ने कुल 1,250 अपराधियो को गिरफ्तार किया, जिनमे हत्या के मामलों में 26, आर्म्स एक्ट के तहत 22 तथा एनडीपीएस अधिनियम के तहत 23 अभियुक्त शामिल हैं। अभियान के दौरान करीब 3.51 करोड़ रुपये मूल्य के सूखे नशे की बरामदगी भी की गई।आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई में 13 देशी कट्टा एवं पिस्टल, 13 कारतूस बरामद किए गए तथा 13 प्राथमिकी दर्ज की गई।वही एनडीपीएस अधिनियम के तहत 668 किलोग्राम गांजा एवं 71 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई तथा इस संबंध में 18 प्राथमिकी दर्ज की गई। मधुबनी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाती रहेगी।

जयनगर नगर पंचायत को शीघ्र नगर परिषद का दर्जा देने की मांग

मधुबनी। बिहार ग्राम रक्षा दल बिहार प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद राउत ने बिहार सरकार से जयनगर नगर पंचायत को शीघ्र नगर परिषद का दर्जा प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी मधुबनी द्वारा 13 जनवरी 2026 को नगर विकास एवं आवास विभाग को भेजे गए पत्र में जयनगर नगर पंचायत को नगर परिषद में उत्क्रमित करने की अनुशंसा की जा चुकी है। वही राज्य सरकार भी नगर निकायो के पुनर्गठन एवं उन्नयन की प्रक्रिया पर विचार कर रही है। ऐसे में जयनगर को नगर परिषद का दर्जा देने में अब विलंब नही होना चाहिए। राम प्रसाद राउत ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जयनगर उत्तर बिहार का एक प्रमुख व्यापारिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक केंद्र है। लगातार बढ़ती आबादी, शहरी विस्तार और व्यापारिक गतिविधियों के कारण यहां नागरिक सुविधाओं की मांग भी तेजी से बढ़ी है। नगर परिषद का दर्जा मिलने से सड़क, नाला, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य आधारभूत सुविधाओ के विकास को नई गति मिलेगी।उन्होने मुख्यमंत्री, नगर विकास एवं आवास मंत्री, विभागीय अपर मुख्य सचिव एवं संबंधित अधिकारियों से जनहित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि सभी आवश्यक मापदंडो एवं जिलाधिकारी की अनुशंसा के बावजूद यदि निर्णय लंबित रहता है तो क्षेत्र की जनता में निराशा बढ़ेगी।राउत ने कहा कि जयनगर के समग्र विकास और बेहतर शहरी सुविधाओं के लिए नगर परिषद का दर्जा समय की आवश्यकता है।

भारतमाला परियोजना के निर्माण कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण

सर्विस रोड की मांग पर संबंधित विभाग को पत्र लिखने का दिया आश्वासन

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने मंगलवार को भारतमाला परियोजना के तहत उच्चैठ (मधुबनी) से सहरसा तक निमार्णाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग के पैकेज-1, सेक्शन-2 का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि अब तक करीब तीन किलोमीटर सड़क का पक्कीकरण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं निमार्णाधीन चार अंडरपास में से दो का निर्माण पूर्ण हो गया है, जबकि शेष दो अंडरपास पर तेजी से कार्य चल रहा है।जिलाधिकारी ने कहा कि भारतमाला परियोजना क्षेत्र के विकास और बेहतर आवागमन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी कार्य निर्धारित मानको के अनुरूप समय पर पूरे किए जाएं।निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर सर्विस रोड नहीं होने से भविष्य में होने वाली आवागमन की समस्या की ओर जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित किया। लोगों ने बताया कि सर्विस रोड नहीं रहने पर मधुबनी से हरलाखी जाने वाले यात्रियो तथा उच्चैठ भगवती मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को पुराने एवं भीड़भाड़ वाले बाजार मार्ग का ही उपयोग करना पड़ेगा, जिससे उन्हें नई सड़क का पूरा लाभ नहीं मिल सकेगा। स्थानीय लोगों की मांग पर जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने संबंधित विभाग से पत्राचार कर सर्विस रोड की संभावना पर विचार करने का आश्वासन दिया, ताकि आम लोगों की समस्या का यथासंभव समाधान सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान बेनीपट्टी के अनुमंडल पदाधिकारी शारंग पाणि पाण्डेय, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

टीबी मुक्त भारत अभियान में स्क्रीनिंग तेज करने का डीएम का निर्देश

●वर्चुअल समीक्षा बैठक में प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा, लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों को चेतावनी

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने मंगलवार को टीबी मुक्त भारत अभियान की वर्चुअल समीक्षा बैठक में विशेष स्क्रीनिंग अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और बिहार सरकार के टीबी उन्मूलन लक्ष्य को मिशन मोड में पूरा किया जाए तथा संभावित मरीजों की पहचान, जांच और उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में 24 मार्च से 14 जुलाई 2026 तक चलाए गए विशेष टीबी स्क्रीनिंग अभियान की प्रखंडवार एवं दैनिक प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने एक्स-रे, एनएएटी जांच, डिफरेंशियल टीबी केयर, टीपीटी के दर, निक्षय मित्र पहल, पोषण सहायता तथा उपचाराधीन मरीजों की नियमित निगरानी की भी समीक्षा करते हुए सभी पात्र मरीजों को समय पर जांच एवं उपचार उपलब्ध कराने तथा निक्षय पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कम प्रगति वाले प्रखंडों के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने विशेष कार्ययोजना बनाकर अभियान में तेजी लाने और प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य हासिल करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि आशा कार्यकर्ता, एएनएम, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका एवं अन्य क्षेत्रीय कर्मियों के समन्वय से घर-घर स्क्रीनिंग अभियान चलाया जाए, ताकि कोई भी संभावित टीबी मरीज जांच और उपचार से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा जनआंदोलन है। इसलिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डकैती कांड के आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

दरभंगा। बहादुरपुर थाना क्षेत्र के डरहार गांव निवासी डॉ. पवन कुमार मिश्र के घर हुई भीषण डकैती एवं उनकी पुत्रवधू के साथ मारपीट की घटना को लेकर भाजपा दरभंगा (पश्चिमी) के जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी ने वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बहादुरपुर थाना कांड संख्या 208/26 के सभी आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा भारतीय न्याय संहिता सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई की मांग की गई। मुकुंद चौधरी ने कहा कि यह घटना केवल एक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों का पुलिस और कानून व्यवस्था पर विश्वास प्रभावित हो सकता है। साथ ही बहादुरपुर थाना क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्ती और अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की भी मांग की गई। एसएसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जांच समिति गठित कर निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने बहादुरपुर थाना अध्यक्ष को पुलिस गश्ती एवं रात्रि पेट्रोलिंग तेज करने का निर्देश भी दिया। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रवक्ता प्रेम कुमार मिश्र रिंकू तथा डरहार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पप्पू चौधरी भी उपस्थित थे।

उर्दू शोध और आलोचना में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता : प्रो. मुश्ताक अहमद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। सीएम कॉलेज, दरभंगा में उर्दू भाषा एवं साहित्य के छात्रों के लिए उर्दू शोध और आलोचना विषय पर एक विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. मुश्ताक अहमद ने कहा कि उर्दू शोध और आलोचना ने समय की मांग के अनुरूप निरंतर विकास किया है और भारतीय विद्वानों ने अपने समर्पण से इसे उच्च मानकों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि विज्ञान और साहित्य के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं, इसलिए शिक्षकों और छात्रों को पारंपरिक पद्धतियों से आगे बढ़कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए तथा नए और मौलिक शोध विषयों का चयन करना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. आफताब अहमद अफाकी ने कहा कि उर्दू शोध और आलोचना का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है, लेकिन इसे और अधिक व्यापक तथा मानकीकृत बनाने के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल पुस्तकालयों और आधुनिक तकनीक के कारण भाषा और साहित्य का दायरा लगातार बढ़ रहा है तथा विश्वभर के पाठक इससे लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने समकालीन विषयों पर चर्चा आयोजित करने के लिए सीएम कॉलेज की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. आफताब अशरफ, डॉ. नसरीन सुरैया, डॉ. शमशेर अली, डॉ. अबसार आलम, डॉ. ए.के.एम. हादी, फैजान हैदर और डॉ. रूहुल्लाह खान सहित कई शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की शुरूआत मिथिलांचल की सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार मुख्य अतिथि का पाग, शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत से हुई। अंत में प्रधानाचार्य प्रो. मुश्ताक अहमद ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सिक्की पेंटिंग पाकर भावुक हुए मयंक बरबड़े, मिथिला से बताया विशेष जुड़ाव

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। शिक्षाविद् डॉ. शिवकिशोर राय द्वारा सिक्की कला से निर्मित उनकी चित्रकला भेंट किए जाने पर पटना प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त मयंक बरबड़े भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि सिक्की पेंटिंग में अपनी छवि देखकर वे अभिभूत हैं और स्वयं को हमेशा मिथिला के करीब महसूस करते हैं। आयुक्त ने अपने दरभंगा कार्यकाल को याद करते हुए कामेश्वरी प्रिया पुअर होम, श्यामा माई मंदिर सहित अन्य ऐतिहासिक धरोहरों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर डॉ. शिवकिशोर राय ने कमरगामा स्थित हेल्थ सेंटर की स्थापना तथा अब अस्पताल निर्माण की दिशा में आयुक्त के कार्यकाल में हुई पहल के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के राज्य परामर्शदात्री सदस्य उज्ज्वल कुमार ने कहा कि मयंक बरबड़े के कार्यकाल में ही 10वीं उत्तीर्ण दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए कामेश्वरी प्रिया पूअर होम परिसर में अलग से दो कमरों की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर मिथिला की कला, संस्कृति और विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा हुई।

हत्या की साजिश रच रहे तीन बदमाश गिरफ्तार देशी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद

पुलिस की सक्रियता से बड़ी वारदात टली, सुपारी लेकर हत्या की योजना का खुलासा

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। मधुबनी पुलिस ने सक्रिय वाहन जांच अभियान के दौरान बड़ी आपराधिक साजिश का पदार्फाश करते हुए हत्या की योजना बना रहे तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो देशी कट्टा, 11 जिंदा कारतूस, एक लोहे का चाकू, एक मोटरसाइकिल, दो एंड्रॉयड मोबाइल, एक कीपैड मोबाइल तथा चाभी का गुच्छा बरामद किया गया है।वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे सघन वाहन जांच अभियान के तहत 13 जुलाई की शाम झंझारपुर थाना पुलिस थाना चौक से सुखेत जाने वाली सड़क पर बेलारही कट के समीप वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध हथियार, कारतूस और अन्य सामान बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितो की पहचान रोहित कुमार (सिसवार बाजार, फुलपरास), चंदन कुमार कामत (जलसैन डुमरा, रुद्रपुर) तथा आदर्श कुमार (देवनाथपट्टी, घोघरडीहा) के रूप में हुई है।पुलिस पूछताछ में आरोपितो ने खुलासा किया कि उन्हे एक व्यक्ति की हत्या करने के लिए सुपारी दी गई थी। हत्या के एवज में कुछ राशि अग्रिम दी जा चुकी थी तथा वारदात के बाद डेढ़ लाख रुपये देने की बात तय हुई थी। जिस व्यक्ति की हत्या करनी थी, उसका फोटो मोबाइल पर भेजा जाना था। इससे पहले कि वे अपनी योजना को अंजाम दे पाते, पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपित रोहित कुमार के विरुद्ध पहले से हत्या के प्रयास सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि चंदन कुमार कामत पर भी चोरी का मामला दर्ज है। इस संबंध में झंझारपुर थाना में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर तीनो आरोपितो को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है तथा सुपारी देने वाले अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी जारी है।

एसएसबी जयनगर में संदीक्षा सदस्याओं को दिया गया ब्यूटीशियन प्रशिक्षण, कौशल विकास पर जोर

●महिला सशक्तिकरण की दिशा में पहल, प्रतिभागियों की मांग पर प्रशिक्षण अवधि बढ़ाने को मिली सैद्धांतिक स्वीकृति

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी । 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर द्वारा सोमवार को वाहिनी मुख्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में संदीक्षा वार्षिक कार्य योजना-2026 के तहत संदीक्षा महिला सदस्याओं के लिए ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेंट राजेंद्र कुमार, उप कमांडेंट एवं संदीक्षा अधिकारी विमल कुमार तथा उप कमांडेंट अमरनाथ गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि महिलाओं का कौशल विकास और आत्मनिर्भरता परिवार, समाज तथा राष्ट्र के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संदीक्षा के तहत आयोजित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर उसे अपने दैनिक जीवन और आजीविका में उपयोग करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण का संचालन आरक्षी (नाई) (महिला) सोमा दास ने किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को त्वचा एवं बालो की देखभाल, फेशियल, आधारभूत मेकअप, व्यक्तिगत साज-सज्जा तथा दैनिक सौंदर्य देखभाल से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने विभिन्न तकनीकों का अभ्यास कर प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाई।कार्यक्रम में 26 संदीक्षा महिला सदस्याओं और छह महिला कार्मिकों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान 13 प्रतिभागियो ने इसकी उपयोगिता को देखते हुए प्रशिक्षण अवधि सात से दस दिनों तक बढ़ाने का अनुरोध किया। प्रतिभागियो के उत्साह को देखते हुए कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने प्रशिक्षण अवधि बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की, ताकि इच्छुक महिलाओं को अधिक व्यावहारिक प्रशिक्षण और कौशल विकास का अवसर मिल सके। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। एसएसबी जयनगर की यह पहल महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

राज्यस्तरीय मुख्यमंत्री सहयोग शिविर को लेकर मधुबनी तैयार, अधिकांश मामलों का हुआ निष्पादन

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित राज्यस्तरीय मुख्यमंत्री सहयोग शिविर कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों से अद्यतन प्रतिवेदन प्राप्त किया गया। जिला प्रशासन ने बताया कि अधिकांश मामलों का निष्पादन कर दिया गया है, जबकि शेष मामलों में विभागीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई जारी है।

समीक्षा के दौरान ग्रामीण कार्य विभाग ने बताया कि आरसीडी रामपट्टीझपंडौल सड़क से कुसमौल संस्कृत विद्यालय तक लगभग 400 मीटर सड़क निर्माण के लिए सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। विभागीय स्वीकृति और निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

पंचायती राज विभाग ने राजनगर प्रखंड की करहिया पश्चिम पंचायत में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग पूरी कर दी है।

वहीं ऊर्जा विभाग ने बछौनी गांव के अभिषेक को कृषि विद्युत कनेक्शन उपलब्ध करा दिया है। ग्रामीण विकास विभाग ने जयमाल देवी का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास प्लस-2.0 में जोड़ते हुए पात्रता के आधार पर लाभ देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री सहयोग कार्यक्रम से जुड़े मामलों की समीक्षा में यह भी बताया गया कि राजनगर के रामपट्टी निवासी विनोद कुमार की शिकायत पर छह विद्युत पोल तथा लगभग 300 मीटर विद्युत तार लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने मंगरौनी वार्ड संख्या-16 में जलापूर्ति बहाल करने के लिए निविदा प्रकाशित होने तथा एकरारनामा की प्रक्रिया जारी रहने की जानकारी दी।राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अहमदी खातून की सरकारी भूमि के अवैध हस्तांतरण की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है।

वहीं नगर विकास एवं आवास विभाग ने संजय कुमार पोद्दार के प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि का भुगतान 10 जुलाई को कर दिया है।

यदुवर कामत के अतिक्रमण संबंधी मामले में अतिक्रमण वाद दायर किया जा चुका है तथा जलजमाव समाप्त होने के बाद स्थल की मापी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।जिला प्रशासन ने सभी विभागो को निर्देश दिया है कि लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि मुख्यमंत्री सहयोग शिविर के दौरान आवेदकों को उनकी शिकायतों के संबंध में संतोषजनक एवं तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराई जा सके।

बीइंग हेल्पर फाउंडेशन एवंअम लगम बायोटेक की संयुक्त पहल, एनआईटी घाट पर हुआ शुभारंभ

गंगा संरक्षण की मुहिम को मिली नई ताकत, बिहार में शुरू हुआ प्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टम

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। गंगा नदी की स्वच्छता एवं शुद्धता बनाए रखने की दिशा में बिहार में पहली बार एक अनूठी पहल के तहत बीइंग हेल्पर फाउंडेशन एवं अमलगम बायोटेक के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को पटना स्थित एनआईटी घाट पर ह्यप्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टमह्ण का शुभारंभ किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों के माध्यम से गंगा में प्रदूषण को कम करना और स्वच्छता अभियान को नई दिशा देना है। परियोजना के अंतर्गत ब्लू स्ट्रीम के माध्यम से गंगा में मिलने वाले छोटे नालों के बहते पानी का इन-सीटू बायोरिमेडिएशन, ब्लू कम्पोस्ट के तहत पूजा-पाठ में प्रयुक्त फूलों एवं अन्य जैविक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से कम्पोस्ट तैयार करना तथा ब्लू क्लीन के माध्यम से दुर्गंध, मक्खियो एवं मच्छरों के नियंत्रण के लिए जैविक समाधान का प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम में अमलगम बायोटेक की ओर से डिजिटल मार्केटिंग लीड आदर्श पाटीदार (पुणे, महाराष्ट्र) तकनीकी टीम के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होने बायो-एंजाइम आधारित तकनीक, उसकी कार्यप्रणाली तथा पर्यावरण संरक्षण में उसके उपयोग एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बीइंग हेल्पर फाउंडेशन के संस्थापक तथा नमामि गंगे एवं बीयूआईडीसीओ के ब्रांड एंबेसडर शुभम कुमार ने कहा कि गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने के लिए जनभागीदारी के साथ वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल तकनीको को अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होने कहा कि ह्यप्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टमह्ण इसी दिशा में एक प्रभावी एवं दूरगामी पहल है, जिससे गंगा संरक्षण अभियान को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सेवको , पर्यावरण प्रेमियो एवं स्थानीय नागरिको ने भाग लिया और इस अभिनव पहल का स्वागत करते हुए गंगा की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सहयोग का संकल्प लिया।

अधिक प्रभावी है परियोजना आधारित सीखने की प्रक्रिया

विभूतिपुर/समस्तीपुर। गणित और विज्ञान वैसे विषय हैं, जिनमें सीखने की प्रक्रिया सैद्धांतिक कम, व्यावहारिक अधिक होती है। निर्धारित योजना बनाकर जिन विषय-वस्तुओं के प्रति काम किया जाता है,उन के साथ प्रामाणिकता जुड़ी हुई रहती है।ऐसा इसलिए कि बच्चे स्वयं करके सीखते हैं।ये बातें मंगलवार को परियोजना आधारित कार्यशाला के दौरान लेखा सहायक योगेश कुमार ने कहीं। उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा पीबीएल के अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। योगेश कुमार ने कहा कि परियोजना आधारित सीखने की प्रक्रिया छात्र - छात्राओं को इस ओर प्रोत्साहित करती है कि उनमें उनके निर्धारित विषयों को लेकर स्वतः जिज्ञासा जगे और वे उन्हें नैदानिक स्तर पर स्वयं तो सौभालें ही,अगली स्थिति के लिए भी तैयार हों। उन्होंने कहा कि परियोजना आधारित सीखने की प्रक्रिया छात्र - छात्राओं में प्रयोगात्मक संस्कार देती है,उनके कौशलों का विकास करती है और उन्हें अधिक तर्कशील, वैज्ञानिक और विश्वसनीय बनाती है। स्थानीय प्रखंड संसाधन केंद्र में आयोजित इस उन्मुखीकरण कार्यशाला में सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और एक - एक शिक्षक सम्मिलित हुए।दो सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षक राकेश कुमार,पूजा कुमारी , काजल गुप्ता , अर्जुन कुमार, सुनील कुमार, विजेता कुमारी और आमोद कुमार ने परियोजना आधारित सीखने की विभिन्न प्रक्रियाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सलेमापुर में 11 हजार वोल्ट का बिजली तार गिरा, दिनभर बाधित रही विद्युत आपूर्ति

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के मीनापुर प्रखंड के बनघारा फीडर से जुड़े सलेमापुर गांव में मंगलवार को 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन बिजली तार टूटकर गिर गया। यह तार शंभू सहनी के दरवाजे के समीप गिरने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, समय रहते बिजली आपूर्ति बंद कर दिए जाने से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बंद कर दी गई, जिससे पूरे दिन इलाके के लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। बिजली नहीं रहने से घरेलू कार्यों के साथ-साथ पेयजल आपूर्ति और अन्य दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित रहीं। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को घटना की सूचना देकर जल्द से जल्द तार की मरम्मत कर बिजली बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि हाईटेंशन तार टूटकर आबादी वाले क्षेत्र में गिरना गंभीर खतरे का संकेत है। ऐसे में विभाग को नियमित रूप से बिजली लाइनों का निरीक्षण और रखरखाव करना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। बिजली विभाग की टीम के मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य शुरू करने की सूचना है। विभाग का कहना है कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

बीडीओ व सीओ को दी गई भावभीनी विदाई

मनीगाछी(दरभंगा) । प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में मंगलवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रखंड प्रमुख पवन कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह में तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी दुनिया लाल यादव एवं सीओ रविकान्त को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर दोनों पदाधिकारियों को अधिकारियों,जनप्रतिनिधियों,कर्मियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बीडीओ दुनिया लाल यादव एवं सीओ रविकांत ने अपने कार्यकाल के दौरान विकास योजनाओं के क्रियान्वयन,जनसमस्याओं के समाधान तथा प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं हैं।इनके सरल,मिलनसार एवं कार्यकुशल व्यक्तित्व की सभी ने सराहना की।अपने संबोधन में बीडीओ एवं सीओ ने कहा कि मनीगाछी में मिला सहयोग और स्नेह वे हमेशा याद रखेंगे।उन्होंने सभी अधिकारियों,कर्मियों एवं जन प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम भावना के साथ कार्य करने से ही विकास संभव है।इस मौके पर मुखिया संघ के अध्यक्ष अब्दुल मालिक, उपाध्यक्ष शंकर कुमार मिश्र, राजद प्रखंड अध्यक्ष मो अलकामा,आशीष यादव, विमल यादव सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

श्रावणी मेला की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन, श्रद्धालुओं को मिलेगी हर आवश्यक सुविधा : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।श्रावणी मेला के सफल, सुरक्षित एवं सुचारु आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी कुमार गौरव ने समाहरणालय सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक कर मेले की तैयारियों का जायजा लिया तथा सभी विभागों को समयबद्ध ढंग से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मेले के सफल एवं सुचारु संचालन के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना, चिकित्सा शिविर, ट्रैफिक व्यवस्था, विधि-व्यवस्था, पेयजल, बिजली एवं साफ-सफाई जैसी व्यवस्थाओं को समय से पहले सुनिश्चित करने का निर्देश सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिया गया तथा कार्य प्रगति प्रतिवेदन प्रतिदिन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी ने फकुली मोड़ से बाबा गरीब नाथ मंदिर तक श्रद्धालुओं के आने-जाने वाले पूरे मार्ग को सुविधाजनक बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छ पेयजल, अस्थायी शौचालय, विश्राम स्थल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा विद्युत आपूर्ति निर्बाध रखने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने तथा साफ-सफाई एवं नियमित कचरा निष्पादन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रावणी मेला के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए समन्वित रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए श्रावणी मेला 2026 का सफल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करना है।

बेनीबाद के मिश्रौली में बढ़ते जलस्तर का सीओ ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए गायघाट अंचल के अंचल अधिकारी पुष्प राज ने मंगलवार को बेनीबाद थाना क्षेत्र के केवटसा पंचायत के मिश्रौली गांव का निरीक्षण किया। पंचायत समिति प्रतिनिधि महेश्वर कुमार राय की सूचना पर पहुंचे सीओ ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, तटबंधों और संवेदनशील स्थानों का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीओ ने स्थानीय प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग की टीम के साथ तटबंधों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संभावित रिसाव और कटाव वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा समय रहते मरम्मत एवं सुरक्षा कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। सीओ पुष्प राज ने बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सुरक्षित नावों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जरूरत पड़ने पर गोताखोरों की तैनाती करने तथा राहत एवं बचाव दल को पूरी तरह सतर्क रखने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान पंचायत समिति प्रतिनिधि महेश्वर कुमार राय ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति, जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि और संभावित खतरे से अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों में समय रहते आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य में परेशानी न हो। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से तटबंधों की लगातार निगरानी, राहत सामग्री की उपलब्धता और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

213 करोड़ की मरीन ड्राइव पर दूसरे ही दिन दिखी अव्यवस्था, लेक फ्रंट परिसर में सूखते मिले कपड़े

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा 13 जुलाई को 213 करोड़ रुपये की लागत से विकसित सिकंदरपुर लेक फ्रंट (मरीन ड्राइव) का उद्घाटन किए जाने के महज एक दिन बाद ही परियोजना की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। मंगलवार को लेक फ्रंट परिसर के कई हिस्सों में कपड़े सुखाए जाते दिखाई दिए, जिससे रखरखाव और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग गया। उद्घाटन के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा, साफ-सफाई और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए थे। हालांकि, अगले ही दिन परिसर का नजारा बदला हुआ दिखा। कई स्थानों पर लोगों ने कपड़े फैला दिए थे, जिससे लेक फ्रंट की सुंदरता प्रभावित होती नजर आई। सबसे हैरानी की बात यह रही कि मरीन ड्राइव लेक फ्रंट के साइनबोर्ड के सामने भी कपड़े सुखाए जाते देखे गए। यह दृश्य सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से विकसित इस सार्वजनिक परियोजना की नियमित निगरानी, सुरक्षा और रखरखाव सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि इसकी स्वच्छता, सौंदर्य और पहचान लंबे समय तक बनी रहे। लोगों ने प्रशासन से परिसर में निगरानी बढ़ाने और सार्वजनिक संपत्ति के संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

कटरा पीपा पुल के दोनों ओर 5 फीट तक चढ़ा पानी, आवागमन ठप

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब मुजफ्फरपुर जिले की बागमती नदी में साफ दिखाई देने लगा है। बागमती नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण कटरा प्रखंड स्थित पीपा पुल के दोनों ओर करीब पांच फीट तक बाढ़ का पानी चढ़ गया है। इसके चलते पुल से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। हाल के दिनों में प्रशासन ने भी बागमती समेत तिरहुत की प्रमुख नदियों के बढ़ते जलस्तर को लेकर अलर्ट जारी किया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाढ़ का पानी तेजी से फैलने के कारण कई गांवों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से टूटने की कगार पर पहुंच गया है। लोगों को दैनिक जरूरतों के सामान, इलाज और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जलस्तर बढ़ने के कारण पीपा पुल पर पहले ही आवाजाही रोकने की नौबत आ चुकी है और स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। निचले एवं नदी किनारे के बसावटों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित रहने की अपील की गयी है।

खाद्य आपूर्ति मंत्री अशोक चौधरी से मिले कांटी विधायक 10 हजार नया कार्ड उपलब्ध कराने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।राज्य के पूर्व मंत्री व कांटी विधायक अजीत कुमार ने मंगलवार को खाद्य आपूर्ति मंत्री अशोक चौधरी से मिलकर कांटी एवं मड़वन प्रखंड के राशन कार्ड से वंचित 10 हजार गरीब परिवार को नया राशन कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की। मंत्री से मुलाकात के दौरान विधायक श्री कुमार ने उन्हें बताया कि कांटी व मड़वन प्रखंड के हजारों पात्रता रखने वाले लोगों का नाम राशन कार्ड से प्रशासन के द्वारा काट दिया गया, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा की आपूर्ति विभाग के अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिससे क्षेत्र के गरीब लोग काफी परेशान है श्री कुमार के द्वारा खाद्य आपूर्ति मंत्री को सौंप गए ज्ञापन में तत्काल पात्रता रखने वाले वैसे लोग जिनका नाम राशन कार्ड से विलोपित किया गया है, उसे पुनः जुड़वाने के साथ ही कांटी विधानसभा क्षेत्र के कांटी व मड़वन प्रखंड में 10 हजार गरीब परिवार को नया राशन कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की गई है। श्री कुमार के मांग के आलोक में मंत्री अशोक चौधरी ने शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

पशु चिकित्सा पदाधिकारी को दी गई भावभीनी विदाई

मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुमन प्रसाद को मंगलवार को भावभीनी विदाई दी गई। उनके स्थान पर नवपदस्थापित पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आलोक कुमार का स्वागत किया गया। डॉ. आलोक कुमार इससे पहले भी बंदरा में पशु चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं ।कार्यक्रम की अध्यक्षता टीकाकर्मी पिंटू कुमार ने की। इस अवसर पर डॉ. सुमन प्रसाद को अंगवस्त्र, बुके और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने डाक्टर सुमन कुमार के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. सुमन ने पशुपालकों की सेवा में कोई कमी नहीं छोड़ी। टीकाकरण, नसबंदी और आपातकालीन इलाज में उनकी भूमिका काफी सराहनीय रही। डॉ. सुमन प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यहां के लोगों का सहयोग हमेशा याद रहेगा। उन्होंने किसानों से पशुओं की साफ-सफाई और समय पर टीकाकरण कराने की अपील की। डॉ. सुमन ने कहा कि बंदरा क्षेत्र और यहां के लोगों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है, जिसके लिए वे हमेशा ऋणी रहेंगे।

शौच के लिए निकले अर्जुन सहनी को अपराधियों ने उतारा मौत के घाट

मुजफ्फरपुर ।जिले के सरैया थाना क्षेत्र के सुपना गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। अज्ञात अपराधियों ने गांव निवासी अर्जुन सहनी की धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, अर्जुन सहनी रोज की तरह सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने सुनसान स्थान पर उन पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने ताबड़तोड़ वार कर उनकी मौके पर ही हत्या कर दी और फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। सूचना पर सरैया थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य और नमूने एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। सरैया थाना पुलिस ने बताया कि परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। सभी पहलुओं पर जांच जारी है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस सनसनीखेज वारदात के बाद सुपना गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पहली बारिश में ही शहर हुआ पानी-पानी स्मार्ट सिटी के दावों की खुली पोल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मानसून की पहली तेज बारिश ने मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी परियोजना और नगर निगम की तैयारियों की हकीकत उजागर कर दी। महज कुछ घंटों की बारिश में शहर की कई प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं। हालात ऐसे बन गए कि सड़कें झील जैसी नजर आने लगीं और लोगों को घुटनों तक पानी में होकर आवागमन करना पड़ा। नगर निगम हर साल मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च कर नालों की उड़ाही, सड़कों की मरम्मत और जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त करने का दावा करता है। अधिकारियों की ओर से यह भरोसा भी दिया जाता है कि बारिश के दौरान शहरवासियों को जलजमाव की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन पहली ही बारिश ने इन सभी दावों पर सवाल खड़े कर दिए। सबसे खराब स्थिति अघोरिया बाजार से आमगोला रोड जाने वाली मुख्य सड़क की रही, जहां कई फीट तक पानी जमा हो गया। सड़क पर जलभराव के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन रेंगते नजर आए, जबकि राहगीरों को पानी के बीच रास्ता तलाशकर गुजरना पड़ा। कई स्थानों पर लोगों को दुर्घटना की आशंका के बीच सफर करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कुछ घंटों की बारिश में शहर की यह स्थिति है, तो लगातार मूसलाधार बारिश होने पर हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। उनका आरोप है कि हर साल नाला सफाई और सड़क मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने का दावा किया जाता है, लेकिन बारिश शुरू होते ही व्यवस्थाओं की पोल खुल जाती है। शहरवासियों ने स्मार्ट सिटी परियोजना को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि स्मार्ट सिटी बनने की घोषणा के बाद उम्मीद थी कि जलजमाव, टूटी सड़कें और खराब ड्रेनेज जैसी वर्षों पुरानी समस्याओं से राहत मिलेगी, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। लोगों का आरोप है कि स्मार्ट सिटी के नाम पर योजनाओं का प्रचार तो खूब हुआ, लेकिन बुनियादी सुविधाओं में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नालों की सफाई अधिकतर कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाती है और वास्तविक कार्य प्रभावी ढंग से नहीं होता। यही कारण है कि हर मानसून में मुजफ्फरपुर के लोग जलजमाव, ट्रैफिक जाम और बदहाल सड़कों की समस्या से जूझने को मजबूर होते हैं। अब शहरवासियों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पहली ही बारिश में स्मार्ट सिटी की तस्वीर इतनी बदहाल नजर आ रही है, तो पूरे मानसून के दौरान मुजफ्फरपुर की स्थिति कैसी होगी।

टेडी बीयर का झांसा देकर छात्रा से दुष्कर्म मामले में 31 जुलाई को आएगा फैसला

मुजफ्फरपुर। टेडी बीयर दिलाने का झांसा देकर छात्रा का अपहरण करने और उसके साथ दुष्कर्म के चर्चित मामले में अब न्यायिक प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। विशेष पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-3 ने मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुनाने के लिए 31 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। दरियापुर कफेन निवासी आरोपित मुकेश कुमार राय के खिलाफ इसी दिन अदालत अपना निर्णय सुनाएगी। फैसले की तारीख तय होने के बाद पीड़िता के परिजनों और स्थानीय लोगों की निगाहें अब कोर्ट के निर्णय पर टिकी हैं। अभियोजन के अनुसार, यह घटना 31 मई 2025 की है। आरोप है कि मुकेश कुमार राय ने छात्रा को टेडी बीयर दिलाने का लालच देकर अपने झांसे में लिया। उसने छात्रा से रात में उसकी मां के मोबाइल से फोन करने को कहा। फोन आने के बाद आरोपित छात्रा को कार में बैठाकर एनएच-28 स्थित एक सुनसान स्थान पर ले गया, जहां उसके साथ मारपीट की और कथित रूप से दुष्कर्म किया। बताया गया कि देर रात जब आरोपित छात्रा को वापस छोड़ने पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों को उस पर शक हुआ। ग्रामीणों ने उसकी कार को घेर लिया और पथराव किया। आरोप है कि बचने के प्रयास में उसने कार से ग्रामीणों को कुचलने की कोशिश की। इस दौरान कार का शीशा टूट गया और आरोपित वाहन छोड़कर पास के एक घर में छिप गया। इसके बाद छात्रा ने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों ने पहले तुर्की थाना में शिकायत करने का प्रयास किया। बाद में महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच पूरी होने के बाद आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया गया और मामले की सुनवाई विशेष पॉक्सो कोर्ट में चली।

बीईयू की लापरवाही से एमआईटी के रोबोटिक्स व बायोमेडिकल छात्रों का भविष्य अधर में

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी की कथित प्रशासनिक लापरवाही के कारण एमआईटी मुजफ्फरपुर के बायोमेडिकल एवं रोबोटिक्स इंजीनियरिंग विभाग के 2022 बैच के छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है। एनपीटीईएल परीक्षा का परिणाम अब तक विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपडेट नहीं किए जाने से पूरे बैच के छात्रों को परिणाम में ह्यएबीह्न (अनुपस्थित) दिखाया जा रहा है, जबकि छात्रों का दावा है कि उन्होंने परीक्षा में भाग लिया था और उसका परिणाम भी जारी हो चुका है। छात्रों के अनुसार, बीईयू द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के तहत कॉलेज प्रशासन के निर्देश पर सभी विद्यार्थियों ने एनपीटीईएल कोर्स में पंजीकरण कराया और परीक्षा सफलतापूर्वक दी। परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बावजूद विश्वविद्यालय ने उसे अपने पोर्टल पर अपडेट नहीं किया। छात्रों का कहना है कि इस संबंध में एमआईटी प्रशासन ने भी बीईयू को चार बार ई-मेल भेजकर परिणाम अपडेट करने का अनुरोध किया, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है। छात्रों ने आरोप लगाया कि शुरूआत में उन्हें आश्वासन दिया गया था कि आठवें सेमेस्टर में परिणाम पोर्टल पर अपडेट कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब उन पर पूरक परीक्षा का फॉर्म भरने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि गलती उनकी नहीं बल्कि विश्वविद्यालय की है। छात्रों का कहना है कि इस तकनीकी और प्रशासनिक त्रुटि के कारण उन्हें एमटेक में नामांकन, सरकारी एवं निजी क्षेत्र की नौकरियों और अन्य करियर अवसरों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उनके भविष्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले भी बीईयू में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा के परिणाम को लेकर इसी तरह की गड़बड़ी सामने आ चुकी है। उस समय छात्रों के विरोध और लगातार रिमाइंडर भेजे जाने के बाद विश्वविद्यालय ने परिणाम में सुधार किया था। अब एमआईटी के बायोमेडिकल और रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के छात्रों ने भी विश्वविद्यालय से जल्द से जल्द सही परिणाम पोर्टल पर अपडेट करने और उनकी शैक्षणिक एवं रोजगार संबंधी परेशानियों का समाधान करने की मांग की है।

बदहाल सड़कें बनीं उद्योगों के लिए संकट,जलजमाव से पलट रहे मालवाहक वाहन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला मुख्यालय का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बेला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 इन दिनों जर्जर सड़कों और जलजमाव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। औद्योगिक क्षेत्र की मुख्य और संपर्क सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। मानसून की बारिश और नालियों की सफाई नहीं होने के कारण सड़कों पर लगातार घुटने भर गंदा पानी जमा है, जिससे उद्योगों का संचालन प्रभावित हो रहा है। उद्योग क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों का कहना है कि फैक्ट्रियों से तैयार माल लेकर निकलने वाले पिकअप वैन, ट्रैक्टर और भारी मालवाहक वाहनों के लिए सड़कें खतरनाक बन गई हैं। पानी में छिपे गहरे गड्ढों का अंदाजा नहीं लगने से आए दिन वाहन अनियंत्रित होकर पलट रहे हैं। इससे लाखों रुपये का तैयार माल और कच्चा सामान बर्बाद हो रहा है, जिससे उद्योगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय चालकों के अनुसार, जलजमाव के कारण सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती। भारी वाहन जैसे ही गड्ढों में उतरते हैं, उनका संतुलन बिगड़ जाता है और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। वहीं, दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर भी रोजाना इन सड़कों पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। उद्यमियों ने आरोप लगाया कि बेला इंडस्ट्रियल एरिया में नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। लंबे समय तक गंदे पानी के बीच काम करने से फैक्ट्रियों में कार्यरत मजदूरों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। व्यवसायियों ने प्रशासन से अविलंब जर्जर सड़कों की मरम्मत, नालियों की सफाई और जलजमाव की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो बेला इंडस्ट्रियल एरिया के कई उद्योगों के बंद होने की नौबत आ सकती है, जिससे स्थानीय रोजगार और औद्योगिक गतिविधियों पर भी गंभीर असर पड़ेगा।

मुजफ्फरपुर के निशानेबाज स्वराज भारद्वाज ने रचा इतिहास राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में जीते दो स्वर्ण पदक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के युवा निशानेबाज स्वराज भारद्वाज ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए मुजफ्फरपुर और पूरे बिहार का नाम रोशन किया है। स्वराज शूटिंग अकादमी एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रतिभाशाली खिलाड़ी स्वराज भारद्वाज ने 10 से 12 जुलाई 2026 तक उत्तराखंड के देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित 7 वीं बुल्सआई ओपन शूटिंग चौंपियनशिपझ्र2026 में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 13 जुलाई को आयोजित किया गया। स्वराज ने 10 मीटर एयर राइफल क्र्रऋजूनियर पुरुष वर्ग और 10 मीटर एयर राइफल आइएसएसएफ सब-यूथ पुरुष वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों स्पधाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। देशभर से आए प्रतिभाशाली निशानेबाजों के बीच उन्होंने बेहतरीन तकनीकी कौशल, एकाग्रता और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। अकादमी ने इस उपलब्धि को मुजफ्फरपुर और बिहार के लिए गौरव का क्षण बताया है। संस्थान के अनुसार, स्वराज की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासित अभ्यास और उत्कृष्ट मानसिक तैयारी का परिणाम है। यह उपलब्धि अकादमी की गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है। इस सफलता का श्रेय अकादमी के मुख्य कोच एवं प्रशिक्षक अमित घंसेला को भी दिया गया है। उनके मार्गदर्शन, तकनीकी प्रशिक्षण और निरंतर प्रेरणा से अकादमी के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। स्वराज भारद्वाज की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर स्वराज शूटिंग अकादमी एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के सदस्य उज्ज्वल कुमार, चंदा कुमारी, ऋषु आर्या, अमर सिंह, रंजन कुमार, धीरेंद्र भारद्वाज, अरिंजय राज सिंह, सूरज कुमार और अनिरुद्ध सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वराज आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का नाम रोशन करेंगे।

योग गुरु बाबा रामदेव पर सीजीएम कोर्ट में परिवाद दायर, सुनवाई 21 जुलाई को

मुजफ्फरपुर। योग गुरु बाबा रामदेव के खिलाफ मुजफ्फरपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कोर्ट में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए एक परिवाद दायर किया गया है। यह परिवाद मुस्लिम सामाजिक संगठन हक-ए-हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय अध्यक्ष तमन्ना हाशमी ने दायर किया है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि बाबा रामदेव के कथित बयान से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायत में भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 और 302 के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। परिवाद स्वीकार किए जाने के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई है। अदालत में सुनवाई के दौरान परिवादी पक्ष अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य और दलीलें प्रस्तुत करेगा। फिलहाल इस मामले में अदालत की ओर से कोई अंतिम आदेश पारित नहीं किया गया है। आरोपों पर न्यायिक प्रक्रिया जारी है और अदालत में सुनवाई के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

उत्तर बिहार में 15 से 17 जुलाई तक मेघगर्जन और वज्रपात की चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 15 से 19 जुलाई तक के लिए मध्यावधि के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में 15 से 17 जुलाई के बीच मेघगर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज हवा भी चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी और पश्चिम चंपारण जिलों में 15 और 16 जुलाई के आसपास मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे तथा वर्षा के समय घने बादल देखने को मिल सकते हैं। पिछले तीन दिनों के मौसम का आकलन बताते हुए कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अधिकतम औसत तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूर्वानुमान अवधि के दौरान अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 29 से 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि बेगूसराय, वैशाली, शिवहर और पूर्वी चंपारण में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा वाले क्षेत्रों में 21 से 25 दिन की धान की नर्सरी की रोपाई करने की सलाह दी है। साथ ही खेत की अंतिम तैयारी के समय संतुलित मात्रा में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश और जिंक सल्फेट का प्रयोग करने की अनुशंसा की गई है। जहां वर्षा की कमी के कारण धान की खेती संभव नहीं है, वहां किसानों को वैकल्पिक फसल के रूप में तिल की खेती अपनाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा उड़द और अरहर की बुआई भी मौसम के अनुकूल बताई गई है। बीजोपचार कर बुआई करने और संतुलित उर्वरकों के उपयोग की सलाह दी गई है। कृषि मौसम सेवा ने बागवानी करने वाले किसानों को नए बाग और कृषि वानिकी पौधों के रोपण के लिए वर्तमान मौसम को उपयुक्त बताया है। वहीं पशुपालकों को बरसात के मौसम में बकरियों को गीला चारा नहीं खिलाने, नियमित साफ-सफाई रखने, कृमिनाशक दवा देने तथा समय पर टीकाकरण कराने की सलाह दी गई है।

अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा कल 13 परीक्षा केन्द्रों पर,सारी तैयारियां पूरी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा को लेकर मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 15 जुलाई को जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सोमवार को जिलाधिकारी ने पुलिस पदाधिकारियों, दंडाधिकारियों और सभी केंद्राधीक्षकों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक परीक्षार्थी की सघन जांच के बाद ही केंद्र में प्रवेश दिया जाए। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी और दूसरी पाली में भी अभ्यर्थियों की दोबारा जांच के बाद ही प्रवेश मिलेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एग्जाम शुरू होने के एक घंटे पहले तक ही प्रवेश मिलेगा। अगर किसी अभ्यर्थी का प्रवेश पत्र खो गया है, लेकिन उसका नाम उपस्थिति पत्रक में दर्ज है, तो लिखित आवेदन लेकर उसे परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। संबंधित आवेदन केंद्राधीक्षक आयोग को भेजेंगे।आयोग के निर्देशानुसार अभ्यर्थी केवल ई-एडमिट कार्ड, एक वैध फोटो पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो तथा नीले या काले रंग का बॉल पेन ही परीक्षा केंद्र में ले जा सकेंगे। इसके अलावा किसी भी प्रकार की अन्य सामग्री ले जाने की अनमति नहीं होगी।

बारिश के बाद साहेबगंज के दो रेलवे अंडरपास बने तालाब, 20 गांवों का संपर्क प्रभावित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।साहेबगंज नगर परिषद साहेबगंज के वार्ड संख्या 20 स्थित बैद्यनाथपुर चौक के समीप बंगरा घाट पुल जाने वाले मार्ग पर बने रेलवे अंडरपास ,आरयूबी-170 तथा शिवालय मंदिर जाने वाले मार्ग पर स्थित आरयूबी-169 में जलजमाव की गंभीर समस्या एक बार फिर सामने आई है। बीती रात हुई बारिश के बाद दोनों अंडरपास पूरी तरह पानी से भर गए, जिससे आवागमन बुरी तरह बाधित हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन दोनों मार्गों से प्रतिदिन कई सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, बाइक सवार और पैदल यात्री गुजरते हैं। जलजमाव के कारण लोगों को जान जोखिम में डालकर रास्ता पार करना पड़ रहा है। वहीं करीब 20 से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन भी प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या की शिकायत कई बार रेलवे विभाग, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से की गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। लोगों का कहना है कि संबंधित रेलवे के जूनियर इंजीनियर (जेई) न तो फोन उठाते हैं और न ही शिकायतों का जवाब देते हैं। इस मुद्दे को लेकर पहले भी कई बार सड़क जाम और विरोध प्रदर्शन किया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामला शांत करा दिया गया। नगर परिषद साहेबगंज के कार्यपालक पदाधिकारी मो. फिरोज ने बताया कि यह मामला रेलवे विभाग से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद की ओर से कई बार रेलवे विभाग को पत्र भेजा गया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दूसरी ओर स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेलवे विभाग, अंचल प्रशासन और अन्य संबंधित अधिकारी इस गंभीर समस्या के समाधान को लेकर उदासीन बने हुए हैं। लगातार जलजमाव से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
पटना, बुधवार, 15 जुलाई, 2026

सम्पादकीय

नेपाल का दूसरा जेन-जी संकट

असद मिर्जा

शाह की सरकार को यह समझने की जरूरत है कि जेन-जी की मूल मांग कभी भी सिर्फ सिंहदरबार में चेहरे बदलने की नहीं थी– यह ऐसी संस्थाओं की मांग थी जो नागरिकों, विशेष रूप से सबसे गरीबों के साथ, उचित प्रक्रिया के तहत व्यवहार करें। इस कसौटी पर खरा न उतरना नेपाल की अब तक की सबसे युवा सरकार को इस बात का एक उदाहरण बना सकता है। एक सरकार गिराने के दस महीने बाद, नेपाल की जेन-जी अब उसी सरकार के सामने खड़ी है जिसे उसने खुद बनाया। एक क्रूर बेदखली अभियान, एक चालक की आत्मदाह घटना और असहमति पर बढ़ती कार्रवाई यह परख रही है कि क्या बालेन शाह की ह्यनई राजनीतिह्न पुरानी राजनीति से अलग है। नेपाल एक असहज पुनरावृत्ति देख रहा है। के.पी. शर्मा ओली को सत्ता से हटाने वाले युवा विद्रोह के एक साल से भी कम समय बाद, वही पीढ़ी फिर से सड़कों पर है – इस बार उसी नेता के खिलाफ जिसे उसने सत्ता में बिठाने में मदद की थी। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह, वह रैपर-इंजीनियर-से-मेयर बने नेता जो मार्च 2026 में जेन-ड्डी के गुस्से की लहर पर सवार होकर भारी जीत हासिल की, अब अपने कार्यकाल के पहले बड़े जन-विद्रोह का सामना कर रहे हैं। इस बार वजह भ्रष्टाचार या सोशल मीडिया प्रतिबंध नहीं, बल्कि बुलडोजर हैं। क्यों हो रहे हैं ये विरोध प्रदर्शन अप्रैल के अंत से, काठमांडू घाटी में बागमती और अन्य नदी किनारों पर बसी झुग्गी-झोपड़ी और अनियोजित बस्तियों के खिलाफ सरकार के बेदखली अभियान ने 2,600 से अधिक परिवारों– लगभग 15,000 लोगों– के घर ध्वस्त कर दिए हैं। इसे अतिक्रमित सार्वजनिक भूमि वापस लेने की मुहिम के रूप में पेश किया गया था, और शुरूआत में इसे व्यापक समर्थन भी मिला था: यहां तक कि आरएसपी के चुनावी घोषणापत्र में भी उपग्रह मानचित्रण और बायोमेट्रिक सत्यापन के जरिए ह्यवास्तविकह्न भूमिहीन परिवारों को अवसरवादी अतिक्रमणकारियों से अलग करने का वैज्ञानिक तरीका अपनाने का वादा किया गया था। जिस बात ने आक्रोश पैदा किया है, वह नदी किनारों को साफ करने का सिद्धांत नहीं, बल्कि उसका क्रम है– पहले बेदखली, फिर पुनर्वास, अगर हुआ तो। लगभग 325 परिवारों को अस्थायी होल्डिंग सेंटरों में स्थानांतरित किया गया, जिनमें से कई बाद में बाढ़ की चपेट में आ गए, सबसे स्पष्ट रूप से कीर्तिपुर में। इस महीने की शुरूआत में सरकार ने निवासियों को इन आश्रयों को भी खाली करने का आदेश दिया, हालांकि कई ने कहा कि उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। गुस्सा तब चरम पर पहुंच गया जब एक चालक, गणेश नेपाली ने नगर पुलिस के साथ विवाद के बाद खुद को आग लगा ली– यह घटना अब प्रदर्शनकारियों के लिए गरीबों के प्रति राज्य की उदासीनता का प्रतीक बन गई है। संयुक्त राष्ट्रीय स्क्वाटर मोर्चा ने तब से ह्यगरीबों पर अत्याचार बंद करोह्न जैसे नारों वाले बैनरों के तहत मार्च आयोजित किए हैं, जबकि वे युवा कार्यकर्ता जिन्होंने कभी शाह के उभार की सराहना की थी, अब उनके प्रशासन पर भूमिहीनों को एक संवैधानिक दायित्व के बजाय एक असुविधा मानने का आरोप लगा रहे हैं– उनके अनुसार, यह सितंबर 2025 में जेन-जी द्वारा लड़ी गई जवाबदेही और समावेशन की भावना के साथ विश्वासघात है। सरकार की प्रतिक्रिया बालेन शाह के प्रशासन ने इन बेदखलियों को काफी हद तक लंबे समय से लंबित भूमि प्रबंधन के रूप में उचित ठहराया है, और यह दावा किया है कि वास्तविक भूमिहीन परिवारों और मुनाफे के लिए सार्वजनिक या निजी भूमि पर कब्जा करने वाले अतिक्रमणकारियों के बीच अंतर बनाए रखा जा रहा है। लेकिन इसके बाद के घटनाक्रम को संभालने के तरीके ने नीति से भी अधिक आलोचना खींची है। पुलिस ने कई जेन-जी कार्यकताओं को हिरासत में लिया है– जिनमें माजिद अंसारी, सरिस्मा थापा और नेल्सन घतानी शामिल हैं– जब वे बाढ़ के बाद हालात दर्ज करने के लिए कीर्तिपुर होल्डिंग सेंटर पहुंचे थे। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता अबी नारायण काफले का कहना है कि कार्रवाई केवल उन्हीं के खिलाफ की जाती है जो ह्यपुलिस के काम में बाधा डालते हैं, अशांति भड़काते हैं या सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालते हैं,ह्न और वैध विरोध का सम्मान किया जाता है। अधिकार समूह इसे अलग तरह से देखते हैं: महिला मानवाधिकार रक्षक राष्ट्रीय गठबंधन ने जिसे वह अमानवीय व्यवहार और ह्यगैरकानूनी हिरासतह्न कहता है उसकी निंदा की है, जबकि काठमांडू पोस्ट ने पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण असहमति को सुरक्षा खतरे के रूप में मानने के एक व्यापक पैटर्न का दस्तावेजीकरण किया है।

सिकुड़ती बाहरी दुनिया और बदलती सामाजिक व्यवस्था

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

छोटे बच्चों और किशोरों के माता-पिता आजकल मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को लेकर विशेष रूप से चिंतित हैं। आज की पीढ़ी के बच्चे मानो चौबीसों घंटे मोबाइल फोन से चिपके रहते हैं। एक दिन मैंने किशोर पद्हानी से पूछा कि वह हर समय मोबाइल फोन में ही क्यों व्यस्त रहता है। उसने पलटकर सहजता से कहा, तो फिर मैं क्या करूँ? उसका यह उत्तर मुझे सोचने पर मजबूर कर गया। जब मैंने इस विषय पर गंभीरता से विचार किया, तो महसूस हुआ कि केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि बड़े-बूढ़े भी आज मोबाइल फोन के प्रति उतने ही आसक्त हो चुके हैं। फिर आखिर नई पीढ़ी के बच्चों और किशोरों के मोबाइल उपयोग को लेकर ही इतनी चिंता क्यों व्यक्त की जाती है? यदि मोबाइल फोन का यह अत्यधिक उपयोग वास्तव में अनुचित है, तो क्या हमारे पास इसका कोई व्यवहारिक समाधान भी है? देहरादून की शिक्षाविद् सुश्री सोनाली वर्मा का मानना है कि, मोबाइल फोन का बढ़ता हुआ अत्यधिक उपयोग परिवारों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। मेरी दृष्टि में इस समस्या का समाधान केवल प्रतिबंध लगाने से नहीं हो सकता। इसके लिए जागरूक प्रयासों की आवश्यकता है और सबसे महत्वपूर्ण है कि माता-पिता स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें। यही सिद्धांत मैं अपने जीवन और अपने बच्चों के साथ अपनाने का प्रयास करती हूँ। अपने विद्यालय के अभिभावकों तक भी यह संदेश पहुँचाना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण विषयों में से एक है। वे आगे कहती हैं कि बच्चे उपदेशों से अधिक अपने माता-पिता के व्यवहार से सीखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल फोन में व्यस्त रहेंगे, तो वे अपने बच्चों से स्वस्थ डिजिटल आदतों की अपेक्षा नहीं कर सकते। आत्म-अनुशासन की शुरूआत बड़ों से होती है। उन्हें भोजन के समय, पारिवारिक बातचीत और साथ बिताए जाने वाले समय में मोबाइल फोन को अलग रखना चाहिए तथा बच्चों को पूरा समय और ध्यान देना चाहिए। हालांकि, यह भी सच है कि व्यक्ति केवल अपने व्यवहार पर ही नियंत्रण रख सकता है। उत्तराखंड के एक सरकारी महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक डॉ. परितोष उप्रेती का कहना है, बच्चे ही नहीं, बल्कि वयस्क भी मोबाइल फोन पर अधिक समय बिताने के कई कारण हैं। मोबाइल फोन इस तरह बनाए गए हैं कि वे लगातार आकर्षित करते रहें। अंतहीन वीडियो, खेल और लगातार आने वाली सूचनाएँ लोगों को उनमें व्यस्त बनाए रखती हैं। वे बताते हैं कि आज वास्तविक दुनिया की अनेक गतिविधियाँ पहले की तुलना में कम सुलभ हो गई हैं। सुरक्षित खुले मैदानों की संख्या घट रही है, माता-पिता अधिक व्यस्त रहते हैं और मित्रों के साथ समय बिताने के अवसर भी कम हो गए हैं। उनके अनुसार, वयस्क स्वयं भी वही व्यवहार करते हैं। यदि माता-पिता लगातार मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं, तो बच्चों के लिए यह स्वाभाविक व्यवहार बन जाता है। इसलिए जब कोई बच्चा पूछता है, मैं इसके बजाय क्या करूँ?, तो सबसे ईमानदार उत्तर यही होगा–आओ, हम साथ मिलकर कुछ सार्थक करें। बच्चे केवल यह कह देने से स्क्रीन नहीं छोड़ते कि उन्हें ऐसा करना चाहिए, बल्कि तब छोड़ते हैं जब उन्हें उससे अधिक रोचक और सार्थक विकल्प मिलता है। इस दृष्टि से मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग केवल बच्चों की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या है। इसका समाधान नई पीढ़ी को दोष देने में नहीं, बल्कि अपनी जीवनशैली और सामाजिक वातावरण को बदलने में निहित है। श्री तुलाराम शर्मा का भी मानना है कि सबसे पहले माता-पिता को स्वयं मोबाइल फोन से दूरी बनानी चाहिए और जहाँ तक संभव हो, अपने बच्चों के साथ अधिक समय बिताना चाहिए। वास्तव में घर और मोहल्ले के बाहर उपलब्ध भौतिक तथा सामाजिक स्थानों के लगातार सिकुड़ने से आभासी दुनिया के विस्तार को बढ़ावा मिला है।

न्याय के मंदिर की गरिमा और नागरिक मर्यादा

इसलिए न्यायालय केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास का केंद्र भी है। ऐसे में यदि न्यायालय की कार्यवाही के दौरान अमर्यादित व्यवहार, आक्रोश, धमकी, अभद्र भाषा या अव्यवस्था का वातावरण बनता है, तो उसका प्रभाव केवल एक अदालत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोकतंत्र की संपूर्ण विश्वसनीयता पर पड़ता है। हाल के दिनों में सर्वोच्च न्यायालय में घटी एक घटना ने पूरे देश का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि न्यायालय की गरिमा और नागरिक आचरण के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है। किसी भी व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है, अपनी बात रखने का अधिकार है और न्यायिक निर्णयों की संवैधानिक सीमाओं के भीतर आलोचना करने का भी अधिकार है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अदालत की कार्यवाही बाधित की जाए, न्यायाधीशों के प्रति असम्मान प्रदर्शित किया जाए या न्यायालय को व्यक्तिगत आक्रोश व्यक्त करने का मंच बना दिया जाए। ऐसी घटनाएँ लोकतांत्रिक मयार्दाओं के विरुद्ध हैं और न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को प्रभावित करती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी नागरिक का ऐसा व्यवहार प्राय: एक दिन में उत्पन्न नहीं होता।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

भारतीय लोकतंत्र की संपूर्ण संरचना चार प्रमुख स्तंभों– विधायिका, र्यपालिका, न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया–पर आधारित है। इनमें न्यायपालिका वह संस्था है, जिसके समक्ष प्रत्येक नागरिक अंतिम उम्मीद लेकर पहुँचता है। जब प्रशासनिक तंत्र विफल हो जाता है, जब शासन से निराशा हाथ लगती है और जब अधिकारों का हनन होता है, तब नागरिक न्यायालय का दरवाजा खटखटाता है। इसलिए न्यायालय केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास का केंद्र भी है। ऐसे में यदि न्यायालय की कार्यवाही के दौरान अमर्यादित व्यवहार, आक्रोश, धमकी, अभद्र भाषा या अव्यवस्था का वातावरण बनता है, तो उसका प्रभाव केवल एक अदालत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोकतंत्र की संपूर्ण विश्वसनीयता पर पड़ता है। हाल के दिनों में सर्वोच्च न्यायालय में घटी एक घटना ने पूरे देश का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि न्यायालय की गरिमा और नागरिक आचरण के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है। किसी भी व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है, अपनी बात रखने का अधिकार है और न्यायिक निर्णयों की संवैधानिक सीमाओं के भीतर आलोचना करने का भी अधिकार है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अदालत की कार्यवाही बाधित की जाए, न्यायाधीशों के प्रति असम्मान प्रदर्शित किया जाए या न्यायालय को व्यक्तिगत आक्रोश व्यक्त करने का मंच बना दिया जाए। ऐसी घटनाएँ लोकतांत्रिक मयार्दाओं के विरुद्ध हैं और न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को प्रभावित करती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी नागरिक का ऐसा व्यवहार प्रायः एक दिन में उत्पन्न नहीं होता। कई बार वर्षों तक मुकदमेबाजी, आर्थिक बोझ, मानसिक तनाव, सामाजिक असुरक्षा और न्याय मिलने में अत्यधिक विलंब व्यक्ति को गहरी निराशा की स्थिति में पहुँचा देते हैं। इससे उसके भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष और आक्रोश जन्म ले सकता है। किंतु किसी भी परिस्थिति में यह आक्रोश अदालत की गरिमा भंग करने का औचित्य नहीं बन सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकारों के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी समान रूप से आवश्यक हैं। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। यह स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, क्योंकि विचारों की अभिव्यक्ति के बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती। परंतु संविधान ने इस स्वतंत्रता को निरपेक्ष अधिकार नहीं माना है। सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, मानहानि और न्यायालय की अवमानना जैसे विषयों पर उचित प्रतिबंधों की व्यवस्था भी की गई है। इसका उद्देश्य अभिव्यक्ति को दबाना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और समाज में संतुलन बनाए रखना है। न्यायालयों के निर्णयों की कानूनी आलोचना की जा सकती है, उन पर विद्वत्तापूर्ण विमर्श हो सकता है, पुनर्विचार याचिका दायर की जा सकती है, लेकिन व्यक्तिगत अपमान, अभद्र भाषा और न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकते। न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति उसके पास उपलब्ध पुलिस बल या दंडात्मक अधिकार नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है। यही विश्वास न्यायालय के प्रत्येक आदेश को प्रभावी बनाता है। यदि न्यायालय की गरिमा बार-बार चुनौती का विषय बनने लगे और उसके प्रति सम्मान कम होने लगे, तो कानून के शासन की मूल अवधारणा कमजोर पड़ने लगेगी। इसलिए न्यायपालिका की संस्थागत प्रतिष्ठा की रक्षा केवल न्यायाधीशों या अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक दायित्व भी है। दूसरी ओर यह भी स्वीकार करना होगा कि भारतीय न्याय व्यवस्था अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। देश की विभिन्न अदालतों में करोड़ों मुकदमे लंबित हैं। अनेक मामलों में निर्णय आने में वर्षों नहीं, बल्कि दशकों का समय लग जाता है। न्याय पाने की प्रक्रिया आम नागरिक के लिए आर्थिक और मानसिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत कठिन हो जाती है। मुकदमों की लंबी अवधि, बार-बार की तारीखें, बढ़ता हुआ खर्च और अनिश्चित परिणाम व्यक्ति को निराशा के गर्त में धकेल देते हैं। ऐसी परिस्थितियों में न्यायिक सुधारों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस होती है। न्यायिक सुधार केवल नए कानून बनाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। न्यायालयों में रिक्त पदों की शीघ्र नियुक्ति, आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग, ई-कोर्ट प्रणाली का विस्तार, डिजिटल रिकॉर्ड, समयबद्ध सुनवाई और वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र को मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। यदि मुकदमों का शीघ्र निपटारा होगा, तो नागरिकों में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और संतोष भी बढ़ेगा। साथ ही यह भी आवश्यक है कि न्यायालय आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को केवल एक मुकदमे के रूप में न देखा जाए। अनेक लोग वर्षों की सामाजिक, आर्थिक और मानसिक पीड़ा लेकर अदालत तक पहुँचते हैं। इसलिए जहाँ आवश्यक हो, वहाँ परामर्श सेवाओं और मनोसामाजिक सहायता की व्यवस्था भी विकसित की जानी चाहिए। इससे तनावग्रस्त पक्षकारों को भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिल सकती है और अनावश्यक टकराव की संभावना भी कम होगी। अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था भी समय की मांग है। न्यायालयों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पक्षकार, अधिवक्ता और आम नागरिक आते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था केवल औपचारिक न रहकर प्रभावी और प्रशिक्षित होनी चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तत्काल और गरिमापूर्ण ढंग से निपटा जा सके। न्यायालय का वातावरण भयमुक्त, अनुशासित और सम्मानजनक होना प्रत्येक लोकतांत्रिक समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि समाज में न्यायिक साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए। अधिकांश नागरिक अदालतों की प्रक्रिया, अधिकारों और दायित्वों से पूर्णतः परिचित नहीं होते। यदि विद्यालयों, महाविद्यालयों

अंत:करण, राजनीति, युद्ध और उम्मीद के बीच मनुष्य

हम में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर दो संसार लेकर चलता है। पहला संसार वह है जो दुनिया की नजरों में स्पष्ट दिखाई देता है। यही वह संसार है जहाँ हमारा नाम, काम, परिवार, सामाजिक पहचान, सफलता, असफलता, पद, प्रतिष्ठा और उपलब्धियाँ दर्ज होती है। लोग हमें इन्हीं मानकों से पहचानते हैं और हमारे व्यक्तित्व का मूल्यांकन भी प्राय: इन्हीं आधारों पर करते हैं। लेकिन इसके समानांतर एक दूसरा संसार भी होता है, जो पूरी तरह अदृश्य है। वहाँ कोई दर्शक नहीं होता है, कोई तालियाँ नहीं बजती, कोई आलोचना नहीं करता और कोई प्रशंसा भी नहीं करता। उस संसार में केवल हमारा अंत:करण, हमारे विचार, हमारे मौन, हमारे डर, हमारी उम्मीदें, हमारी असफलताओं का दर्द और भविष्य के प्रति हमारी बेचैनियाँ रहती हैं। यही वह संसार है जहाँ मनुष्य स्वयं से सबसे कठिन प्रश्न पूछता है और उन्हीं प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास भी करता है। जीवन की अधिकांश लड़ाइयाँ बाहर नहीं, भीतर लड़ी जाती हैं। परिस्थितियों के थपेड़े, रिश्तों की जटिलताएँ, आर्थिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और समय की कठोर परीक्षाएँ हमारे मन के भीतर अनेक भावों को दबा देती हैं। कई बार हम मुस्कुराते हुए दिखाई देते हैं, जबकि भीतर अनगिनत तूफान चल रहे होते हैं। यही वह अदृश्य संघर्ष है

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

मनुष्य का जीवन जितना बाहर दिखाई देता है, उससे कहीं अधिक भीतर घटित होता है। हम में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर दो संसार लेकर चलता है। पहला संसार वह है जो दुनिया की नजरों में स्पष्ट दिखाई देता है। यही वह संसार है जहाँ हमारा नाम, काम, परिवार, सामाजिक पहचान, सफलता, असफलता, पद, प्रतिष्ठा और उपलब्धियाँ दर्ज होती है। लोग हमें इन्हीं मानकों से पहचानते हैं और हमारे व्यक्तित्व का मूल्यांकन भी प्रायः इन्हीं आधारों पर करते हैं। लेकिन इसके समानांतर एक दूसरा संसार भी होता है, जो पूरी तरह अदृश्य है। वहाँ कोई दर्शक नहीं होता है, कोई तालियाँ नहीं बजती, कोई आलोचना नहीं करता और कोई प्रशंसा भी नहीं करता। उस संसार में केवल हमारा अंतःकरण, हमारे विचार, हमारे मौन, हमारे डर, हमारी उम्मीदें, हमारी असफलताओं का दर्द और भविष्य के प्रति हमारी बेचैनियाँ रहती हैं। यही वह संसार है जहाँ मनुष्य स्वयं से सबसे कठिन प्रश्न पूछता है और उन्हीं प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास भी करता है। जीवन की अधिकांश लड़ाइयाँ बाहर नहीं, भीतर लड़ी जाती हैं। परिस्थितियों के थपेड़े, रिश्तों की जटिलताएँ, आर्थिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और समय की कठोर परीक्षाएँ हमारे मन के भीतर अनेक भावों को दबा देती हैं। कई बार हम मुस्कुराते हुए दिखाई देते हैं, जबकि भीतर अनगिनत तूफान चल रहे होते हैं। यही वह अदृश्य संघर्ष है जिसे दुनिया शायद ही कभी देख पाती है। आज के समय में व्यक्ति के इस आंतरिक संसार और बाहरी दुनिया के बीच का विरोधाभास और भी स्पष्ट दिखाई देता है। एक ओर लोग अपने निजी जीवन की चुनौतियों से जूझ रहे हैं, तो दूसरी ओर देश और दुनिया की घटनाएँ उनकी चिंताओं को और गहरा कर रही हैं। ऐसा लगता है मानो हर दिशा से अनिश्चितताओं का एक नया दौर दस्तक दे रहा हो। मनुष्य का अंतःकरण सदैव सत्य की ओर संकेत करता है। यह वही शक्ति है जो कठिन परिस्थितियों में भी सही और गलत का अंतर बताती है। लेकिन आज का समय इतना तेज, प्रतिस्पर्धी और तनावपूर्ण हो गया है कि लोग अपने भीतर की आवाज को सुनने के लिए भी समय नहीं निकाल पा रहे हैं। सोशल मीडिया, तेज खबरों का दौर, चौबीस घंटे चलने वाले समाचार चैनल, राजनीतिक बहसें, आर्थिक असुरक्षा और भविष्य की अनिश्चितता व्यक्ति के भीतर लगातार मानसिक दबाव उत्पन्न कर रही हैं। ऐसे समय में व्यक्ति का दूसरा संसार और अधिक संवेदनशील हो जाता है। हर व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की चिंता लेकर चल रहा है। कोई रोजगार को लेकर परेशान है, कोई बच्चों के भविष्य को लेकर, कोई स्वास्थ्य को लेकर, तो कोई रिश्तों की टूटती गर्माहट को लेकर। बाहर से सब सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर हर व्यक्ति अपने-अपने संघर्षों से गुजर रहा होता है। वर्तमान समय व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियाँ ही नहीं है, बल्कि राजनीतिक हलचलों के कारण भी महत्वपूर्ण बन गया है। देश के तीन राज्यों में उपचुनाव की प्रक्रिया अपने निर्णायक चरण में पहुँच रही है। इन उपचुनावों में बिहार की एक सीट भी शामिल है, जिसने राजनीतिक वातावरण को असाधारण रूप से गर्म कर दिया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, लेकिन यह केवल मतों का संघर्ष नहीं होता है। इसके पीछे समाज की मनोदशा, जनभावनाएँ, स्थानीय समीकरण, विकास की अपेक्षाएँ और राजनीतिक विश्वास का पूरा इतिहास छिपा होता है। यही कारण है कि कई बार एक अकेली सीट भी पूरे प्रदेश की राजनीति का संकेत बन जाती है। बिहार की इस सीट को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक सक्रियता दिखाई दे रही है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र में कोई भी चुनाव छोटा नहीं होता है। राजनीतिक दल अपनी पूरी शक्ति झोंक रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि परिणाम केवल एक सीट का नहीं, बल्कि आने वाले व्यापक राजनीतिक संदेश का भी होगा। पटना की राजनीति हमेशा से बिहार की राजनीति का केंद्र रही है। राजधानी का राजनीतिक तापमान पूरे प्रदेश की दिशा का संकेत देता है। वर्तमान समय में बांकीपुर क्षेत्र की राजनीतिक गतिविधियाँ विशेष चर्चा का विषय बनी हुई हैं। ऐसा माना जाता रहा है कि यह क्षेत्र एक विशेष राजनीतिक दल का मजबूत आधार है। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि जनता का मन कभी पूरी तरह पढ़ा नहीं जा सकता। राजनीतिक दल चाहे जितने आश्वस्त दिखाई दें, अंतिम निर्णय मतदाता के अंतःकरण में ही सुरक्षित रहता है। बांकीपुर के मतदाताओं के भीतर भी अनेक प्रश्न चल रहे हैं। विकास, स्थानीय समस्याएँ, नेतृत्व की विश्वसनीयता, भविष्य की योजनाएँ और राजनीतिक विश्वास, इन सभी मुद्दों के बीच मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेने की तैयारी करता है। यही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है। मतदाता का मौन अक्सर राजनीतिक विश्लेषकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। चुनावी सभाएँ, सोशल मीडिया अभियान, सर्वेक्षण और राजनीतिक बयानबाजी अपनी जगह हैं, लेकिन मतदान केंद्र तक पहुँचने वाला मतदाता अंततः अपने अंतःकरण के अनुसार ही निर्णय करता है। यही कारण है कि लोकतंत्र में जनता को सर्वोच्च माना गया है। सत्ता बदल सकती है, चेहरे बदल सकते हैं, नारे बदल सकते हैं, लेकिन मतदाता का विवेक लोकतंत्र की आत्मा बना रहता है। जब देश के भीतर राजनीतिक हलचलें तेज हैं, उसी समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिडिल ईस्ट एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बना हुआ है।

विपक्ष को तोड़ने की भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक रणनीति घृणित

डॉ. ज्ञान पाठक

राज्यसभा में भाजपा की अपनी संख्या 114 है, जो भाजपा के टिकट पर दोबारा चुने जाने वाले पूर्व टीएमसी सांसदों के आने के बाद 117 हो जाएगी। हालांकि, इससे राज्यसभा में भाजपा की संख्या पार्टी के इतिहास में सबसे ज्यादा हो जाएगी, फिर भी यह बहुमत के आंकड़े से छह कम होगी, जिसकी उसे सख्त जरूरत है। भारत की संसद- राज्यसभा और लोकसभा दोनों- में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्ताधारी भाजपा ने विपक्षी राजनीतिक दलों को तोड़ने की राष्ट्रीय राजनीतिक रणनीति अपनाई है। 9 जुलाई 2026 को यह रणनीति बेशर्मी की हद तक पहुंच गई, जिससे लोकतंत्र और निष्पक्ष, नैतिक राजनीति को पसंद करने वालों में गहरी नाराजगी पैदा हुई है। पार्टी ने राज्यसभा के लिए तीन टीएमसी नेताओं को दोबारा नामांकित किया है, जिन्होंने 8 से 11 जून के बीच सदन से इस्तीफा दे दिया था। ये पूर्व टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रे, सुष्मिता देव और प्रकाश चिकबारिक हैं। भाजपा ने पिछले महीने ही उनसे राज्यसभा से इस्तीफा दिलवाया था, क्योंकि वह सदन में टीएमसी को तोड़ नहीं पा रही थी। राज्यसभा में टीएमसी के 13 सांसद थे, और किसी अन्य पार्टी (जैसे भाजपा) में विलय या अलग समूह बनाने के लिए 9 सांसदों की जरूरत थी। बिना सीट गंवाए कानूनी रूप से अलग होने के लिए, पार्टी के चुने हुए विधायकों/सांसदों में से दो-तिहाई का किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी में विलय करने या नई राजनीतिक इकाई बनाने पर सहमत होना जरूरी है। जब भाजपा ऐसा कानूनी रूप से नहीं कर पाई, तो उसने उन सांसदों से सदस्यता से इस्तीफा दिलवा दिया, जिससे राज्यसभा में सीटें खाली हो गईं। इसके बाद, खाली सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव की जरूरत पड़ी और चुनाव की तारीख 24 जुलाई घोषित की गई। फिर भाजपा ने उन्हीं तीन सांसदों को पार्टी का टिकट दिया, जब वे 9 जुलाई को औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने अभी मई में ही पश्चिम बंगाल का चुनाव जीता है और विधानसभा में उसके पास 208 सीटें हैं। इसलिए, भाजपा तीनों सांसदों को फिर से राज्यसभा भेजने की स्थिति में है, लेकिन अब भाजपा सांसद के तौर पर। हालांकि, लोकसभा में भाजपा 28 में से 20 टीएमसी लोकसभा सांसदों को एक अलग इकाई बनाने के लिए मनाने में सफल रही। इस तरह लोकसभा में टीएमसी टूट गई, और अलग हुए समूह का विलय एनसीपीआई में हो गया, जो पूर्वोत्तर की एक कम जानी-मानी पार्टी है, हालांकि मूल रूप से पश्चिम बंगाल में रजिस्टर्ड है। ध्यान देने वाली बात है कि एनसीपीआई, भाजपा का समर्थन करती है और एनडीए का हिस्सा है। लोकसभा स्पीकर ने अभी तक इस विलय को मंजूरी नहीं दी है, और टीएमसी इसका विरोध करते हुए मांग कर रही है कि बागी सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाए। वहीं कोलकाता में, टीएमसी के 80 में से 60 से ज्यादा विधायकों ने रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व में एक अलग गुट बना लिया है, जिन्हें विधानसभा स्पीकर ने विपक्ष का नेता माना है। स्पीकर के फैसले के आधार पर, इस अलग हुए गुट ने दावा किया है कि वे ही ह्यअसली टीएमसीह्न हैं और उन्होंने मान्यता के लिए भारत के चुनाव आयोग में आवेदन भी किया है। ममता बनर्जी को भाजपा की इस साजिश का मु$काबला करना होगा, ताकि पार्टी की संस्थापक होने के नाते वह पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न अपने पास बनाए रख सकें। फिर भी, महाराष्ट्र का अनुभव बताता है कि न तो शरद पवार अपनी पार्टी एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न बचा पाए और न ही उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न। यह सब भाजपा की उस पेंचीदा राजनीति की वजह से हुआ, जिस पर विपक्षी राजनीतिक दलों को तोड़ने और विपक्षी सरकारों को गिराने की रणनीति अपनाने का आरोप लगता रहा है। 2026 की शुरूआत में ही, भाजपा ने आप के 7 राज्यसभा सांसदों से अलग गुट बनवा कर उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया था। पार्टी के अहम पदों से हटाए जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसदों ने औपचारिक रूप से भाजपा का दामन थाम लिया। इन सांसदों में राघव चड्ढा, संदीप पाठक, डॉ. अशोक कुमार मित्तल, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। इस बदलाव से उच्च सदन में आप की संख्या 10 से घटकर सि$र्फ तीन रह गई, जबकि भाजपा की संख्या बढ़कर 113 हो गई।

सारण में बनेंगे 49,455 नए राशन कार्ड, डीएम ने तय किया प्रतिदिन 1,648 कार्ड बनाने का 13 अगस्त लक्ष्य निर्धारित

■ कोई भी पात्र परिवार न छूटे, महादलित टोलों से लेकर पंचायत स्तर तक चलेगा विशेष अभियान : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले में पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष अभियान शुरू किया है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि 13 अगस्त 2026 तक 49,455 नए राशन कार्ड तैयार किए जाएंगे। इसके लिए प्रतिदिन 1,648 राशन कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में अपर समाहर्ता (विधि-व्यवस्था)-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी, तीनों अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारी तथा जिला एवं प्रखंड स्तर के आपूर्ति विभाग के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र परिवार राशन कार्ड से वंचित नहीं रहना चाहिए। जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि राशन कार्ड से वंचित लाभुकों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। साथ ही विकास मित्रों के माध्यम से महादलित टोलों एवं अन्य छूटे हुए पात्र परिवारों से आवेदन प्राप्त करने का अभियान चलाया जाए। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों-मुखिया, वार्ड सदस्य, पंच-सरपंच, पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्यों के साथ बैठक कर पंचायतवार पात्र लेकिन वंचित परिवारों की सूची तैयार करें। इसके अलावा माइकिंग एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को आवेदन करने के लिए जागरूक किया जाए। जांच प्रक्रिया को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक पंचायत में नोडल पदाधिकारी नामित करने का निर्देश दिया गया है। पंचायत सचिव, विकास मित्र, पंचायत रोजगार सेवक, आवास सहायक, आवास पर्यवेक्षक तथा मनरेगा के पंचायत तकनीकी सहायक इस अभियान में शामिल रहेंगे। सभी आवेदनों एवं सत्यापन की प्रक्रिया एपी कलेक्ट के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी और लक्ष्य प्राप्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित पदाधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि खाद्य सुरक्षा योजना के सभी पात्र परिवारों को समयबद्ध तरीके से राशन कार्ड उपलब्ध कराया जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद सरकारी लाभ से वंचित न रहे।

हेली एवं एयर टूरिज्म सेवा से बिहार पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान, सारण सहित सभी जिलों को होगा लाभ

■ मुख्यमंत्री ने दी बिहार को नई उड़ान, हेली एवं एयर टूरिज्म सेवा से पर्यटन को मिलेगा वैश्विक विस्तार

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री हेली टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं सारण समाहरणालय से जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने अधिकारियों की टीम के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया के सामने नई पहचान दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हेली टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा शुरू होने से राजगीर, नालंदा, बोधगया, मां मुंडेश्वरी धाम, बाबा हरिहरनाथ मंदिर, वैशाली सहित राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच आसान होगी। इससे पर्यटन उद्योग को नई गति मिलेगी और बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पर्यटन विभाग को अगले कुछ वर्षों में राजस्व अर्जित करने वाला मजबूत विभाग बनाना है। इसके लिए निजी निवेश को प्रोत्साहन, होम-स्टे, इको-टूरिज्म, रिवर टूरिज्म, रोपवे और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर बिहारी को अपने राज्य का ‟ब्रांड एंबेसडर" बनकर बिहार की सकारात्मक छवि को देश और दुनिया तक पहुंचाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में सड़क, बिजली, हवाई संपर्क और आधारभूत संरचना के विस्तार से पर्यटन को नई मजबूती मिली है। बिहार संग्रहालय, नालंदा विश्वविद्यालय तथा अन्य ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का विकास राज्य की समृद्ध विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सारण जिले के लिए भी यह पहल बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हेली एवं एयर टूरिज्म सेवा के विस्तार से हरिहरनाथ मंदिर (सोनपुर), चिरांद पुरातात्विक स्थल, मां अंबिका भवानी मंदिर (आमी) समेत सारण के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच आसान होगी। इससे स्थानीय पर्यटन, होटल व्यवसाय, परिवहन, हस्तशिल्प, छोटे व्यापारियों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे तथा जिले की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। राज्यस्तरीय कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री के संबोधन को सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को पर्यटन से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय पर्यटन स्थलों के विकास तथा पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल का लाभ सारण जिले तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तत्परता से कार्य करेगा। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि मुख्यमंत्री हेली एवं एयर टूरिज्म सेवा बिहार के पर्यटन क्षेत्र में एक नया अध्याय साबित होगी, जिससे राज्य की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच मिलेगा और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमण का शिकार हुआ ग्रामीण नाला

दरियापुर।स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के विश्वंभरपुर पंचायत के वार्ड 8 में बना नाला अतिक्रमण का शिकार हो गया।जिससे नाला का पानी ग्रामीण सड़क पर बहने लगा है।जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पर रहा है।इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि उक्त नाला का निर्माण वर्ष 2001 में जिला पार्षद के विकास निधि से हुआ था।परन्तु विगत कुछ कुछ साल पूर्व गांव के ही एक भूमाफिया द्वारा गैरमजरूआ तालाब को अपना निजी बताते हुए उक्त नाला के निकास के रास्ते को बंद कर दिया।जिससे नाला का पानी सड़क पर ही बहने लगा है।इतना ही नहीं पूर्व में नल जल योजना के तहत पाइप लाइन के लिए भी सड़क को तोड़ा गया,परन्तु फिर मरम्मत नहीं की गई।जिससे सड़क टूटने लगा और स्थिति ऐसी हो गई है कि कई स्थानों पर इसकी चौड़ाई महज तीन से चार फीट ही रह गई है।ऐसे में राहगीरों एवं स्कूल जाने वाले बच्चों को कीचड़ और गंदा पानी से होकर गुजरना पड़ता है।जिससे ग्रामीणों में काफी नाराजगी व्याप्त है।

दो महिलाओं को मिला दो दो लाख का बीमा दवा राशि

बनियापुर। स्थानीय पंजाब नेशनल बैंक में मुजफ्फरपुर मंडल प्रमुख अभिमन्यु कुमार सिन्हा ने शाखा प्रबंधक विपिन कुमार की मौजूदगी में कैम्प लगाकर बैंक के माध्यम में ग्राहकों को मिलने वाली जीवन ज्योति बीमा योजना ,प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना ,अटल पेंशन योजना की जानकारी अपने ग्राहकों को दिया,वही कैम्प में प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना से दिवंगत सतेंद्र प्रसाद की पत्नी सुमन देवी,मनोज यादव की पत्नी बिजंती देवी को दो दो लाख रुपए बीमा और दवा राशि चेक के रूप में दिया,वही शिविर में मौजूद ग्राहकों को बैंक की अन्य सुविधाओं की जानकारी दिया।

पुलिस ने 150 लीटर देशी शराब किया जब्त

मढ़ौरा में 150 लीटर देशी शराब को पुलिस ने किया बरामद प्राप्त जानकारी के मुताबिक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने प्रखंड के लेरुआ में छापेमारी कर श्रवण मांझी के घर से करीब 150 लीटर शराब बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मढ़ौरा थानाध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद को उक्त शराब कारोबारी की गुप्त सूचना मिली थी ।जिसके बाद उन्होंने एक टीम बनाकर इस कारोबारी के घर छापेमारी की जहां से करीब डेढ़ सौ लीटर देशी शराब का पाउच बरामद किया गया। इस दौरान पुलिस को देख कारोबारी फरार होने में सफल हो गया

मशरक में बाइक की ठोकर से महिला समेत तीन घायल, दो रेफर

मशरक। डुमरसन मुख्य पथ एनएच 227ए राम जानकी पथ पर बंगरा काली स्थान के पास बाइक की ठोकर से एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची तथा सभी घायलों को मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ एसके विद्यार्थी द्वारा इलाज किया जा रहा है। गंभीर रूप से दो घायलों की स्थिति नाजुक देख बेहतर इलाज हेतु छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की पहचान मशरक थाना क्षेत्र के बंगरा गांव निवासी स्व वकील प्रसाद की पत्नी कलावती देवी 52 तथा बाइक चालक मशरक थाना क्षेत्र के कर्णकुदरिया पंचायत के शिवरी गांव निवासी नागेन्द्र राय के पुत्र अतुल कुमार राय 24 के रूप में हुई है। घायल महिला के परिजन ने बताया कि कलावती देवी घर से बंगरा बाजार आयी थी इसी बीच तेज रफ्तार बाइक चालक ने ठोकर मार दिया। जिससे गंभीर रूप से घायल हो गयी।

घोड़परास से टक्कर में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

सीवान/दारौंदा। प्रखंड के करसौत स्कूल के समीप घोड़परास से टकराकर गंभीर रूप से घायल हुए एक अधेड़ की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, बालबंगरा पंचायत के रामचंद्रापुर गांव निवासी अवधेश मांझी (50) गत 12 जुलाई को मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान करसौत स्कूल के समीप अचानक एक घोड़परास सड़क पर आ गया, जिससे उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अवधेश मांझी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल, सिवान रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में भी हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर भेजा गया। सोमवार की रात गोरखपुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान अवधेश मांझी की मौत हो गई। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं, गांव में मातम का माहौल है।

धारा प्रवाहित विद्युत तार की चपेट में आने से युवक की मौत, मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

तरैया,(सारण)। थाना क्षेत्र के भलुआ शंकरडीह गांव में मंगलवार की सुबह में धारा प्रवाहित विद्युत तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। मृतक भलुआ शंकरडीह गांव निवासी परशुराम पंडित का 35 वर्षीय पुत्र रमेश कुमार पंडित बताया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रमेश सुबह में अपने घर पर मोटर का तार जोड़ रहे थे इसी दौरान वह धारा प्रवाहित विद्युत तार की चपेट में आ गए और अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में परिजनों ने उन्हें उठाकर तत्काल रेफरेल अस्पताल तरैया में पहुंचा। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन स्थिति अत्यधिक गंभीर हो जाने के कारण परिजन उन्हें मढ़ौरा रेफरल अस्पताल में ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक की पत्नी राधा देवी, पुत्र ऋषव कुमार 5 वर्ष, अवरुद्ध कुमार 2 वर्ष, माता किशोरी देवी, पिता परशुराम पंडित, भाई मुसाफिर पंडित, समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो रोकर बुरा हाल है। रमेश हैदराबाद में किसी फैक्ट्री में इलेक्ट्रिक इंजीनियर के पद पर तैनात था वह तीन दिन पहले ही हैदराबाद से छुट्टी लेकर घर आया हुआ था। इधर घटना की सूचना मिलते ही तरैया थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया तथा आगें की कार्रवाई में जुट गई हैं।

टीबी मुक्त अभियान की सफलता को लेकर हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक। मशरक प्रखंड कार्यालय परिसर मे मंगलवार को टीबी मुक्त अभियान कार्यक्रम को लेकर बीडीओ पंकज कुमार ने स्वास्थ्य कर्मियो के साथ बैठक की। जिसमे बीसीएम लवकुश कुमार,सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह, सभी आशा फैसिलेटर के साथ अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए। बैठक मे टीबी हारेगा बिहार जीतेगा के संकल्प के साथ बिहार सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना को शत-प्रतिशत सफल बनाने पर जोर दिया गया। जिसके लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियो के साथ जन प्रतिनिधि से सहयोग की अपील की गयी। बीडीओ पंकज कुमार ने कहा कि टीबी स्क्रीनिंग का कार्य व्यापक स्तर पर मिशन मोड मे चलाया जा रहा है। इस अभियान की सफलता के लिए सबका साथ और सबके सहयोग की जरूरत है।

बाबा महेंद्रनाथ मंदिर से लौट रहे परिवार की टेंपो पलटी, एक की मौत, पांच घायल

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा। ऐतिहासिक बाबा महेंद्रनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर घर लौट रहे एक ही परिवार की खुशियां शनिवार को सड़क हादसे में मातम में बदल गईं। सारण जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र के माधवपुर गांव के समीप टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, दारौंदा थाना क्षेत्र के बाल बंगरा गांव के एक ही परिवार के कई सदस्य बाबा महेंद्रनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद टेंपो से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान माधवपुर गांव के समीप चालक का संतुलन बिगड़ने से टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार सभी लोग घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को वाहन से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल, सिवान भेजा गया। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान चिकित्सकों ने बाल बंगरा गांव निवासी *श्रीराम राम* को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में *प्रमिला देवी, नीतू देवी, सतीश कुमार, अभिषेक कुमार और कुंदन कुमार* घायल हो गए। चिकित्सकों के अनुसार इनमें दो घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज सदर अस्पताल में जारी है। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही श्रीराम राम का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव बाल बंगरा पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते रहे। इस हृदयविदारक हादसे से पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है।

सर्वोदय उच्च विद्यालय जीएस बंगरा में भारत स्काउट और गाइड के प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला शिक्षा पदाधिकारी,सारण के पत्र के आलोक में भारत स्काउट एवं गाइड,सारण द्वारा सर्वोदय उच्च विद्यालय जीएस बंगरा में प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया।इस प्रशिक्षण शिविर में सर्वोदय उच्च विद्यालय जीएस बंगरा के अलावे उच्च माध्यमिक विद्यालय धूपनगर धोबवल एवं मध्य विद्यालय धूपनगर धोबवल के स्काउट एवं गाइड उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सेवा भावना, टीम भावना तथा राष्ट्रप्रेम जैसे जीवनोपयोगी गुणों का विकास करना है। मंगलवार को आयोजित उद्घाटन समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य जगलाल राय एवं शिविर प्रधान प्रणव सिंह ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर किया। इस अवसर पर स्काउट-गाइड की परंपरा के अनुरूप ध्वज सम्मान, प्रतिज्ञा एवं प्रेरक संदेश के साथ प्रशिक्षण शिविर का विधिवत आरंभ हुआ। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को स्काउट-गाइड की प्रतिज्ञा एवं नियम,ध्वज शिष्टाचार, गांठें एवं बंधन,प्राथमिक उपचार,आपदा प्रबंधन,कैंप क्राफ्ट,मानचित्र एवं दिशा ज्ञान, टोली प्रणाली,अनुशासन, नेतृत्व विकास,पर्यावरण संरक्षण,स्वच्छता अभियान,सामुदायिक सेवा, योग एवं व्यायाम, खेल-कूद, सांस्कृतिक गतिविधियाँ तथा व्यक्तित्व विकास जैसे विविध विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षक विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, जिम्मेदार एवं समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम में शिक्षक जितेंद्र कुमार, माधुरी सिंह, हरेंद्र सिंह, अजय कुमार सिंह, विनय कुमार, राजीव कुमार, ब्रजेंद्र कुमार, रमेंद्र सिंह, रीता कुमारी, चंदा कुमार एवं वर्षा कुमारी उपस्थित रहे। वहीं प्रशिक्षण के संचालन में स्काउट मास्टर सनोज कुमार राम,गाइड कैप्टन सलमा खातून,माधुरी सिंह एवं जितेंद्र कुमार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। शिविर प्रधान प्रणव सिंह ने कहा कि स्काउट-गाइड का प्रशिक्षण केवल गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने, समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने तथा एक आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। वहीं विद्यालय के प्राचार्य जगलाल राय ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें अनुशासित, सक्षम एवं सेवा-भाव से ओतप्रोत नागरिक बनने का अवसर प्रदान करते हैं।

मनरेगा में गड़बड़ी पर सारण प्रशासन का बड़ा एक्शन, पांच योजनाओं की जांच में वित्तीय अनियमितता उजागर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा।सारण जिले में मनरेगा योजनाओं में अनियमितताओं के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। उप विकास आयुक्त लक्ष्मण तिवारी (भा.प्र.से.) ने सोमवार को मांझी प्रखंड की ग्राम पंचायत राज लेजुआर में मनरेगा के तहत संचालित पांच योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। जांच के दौरान वित्तीय अनियमितता, घटिया सामग्री के उपयोग और कार्यों में गंभीर लापरवाही सामने आने पर संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। निरीक्षण के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचायत समिति सदस्य द्वारा कराई जा रही तीन पईन उड़ाही योजनाओं के क्रियान्वयन में वित्तीय अनियमितता पाई गई। वहीं पंचायत के माध्यम से संचालित दो निजी वृक्षारोपण योजनाओं में घटिया सामग्री का इस्तेमाल पाया गया। मामले को गंभीर मानते हुए योजना से जुड़े कनीय अभियंता, पंचायत तकनीकी सहायक, पंचायत रोजगार सेवक, मेट, ग्राम पंचायत राज लेजुआर की मुखिया श्रीमती माधुरी देवी तथा पंचायत समिति सदस्य श्रीमती बबीता देवी के विरुद्ध दाउदपुर थाना में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि मनरेगा योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार अथवा सरकारी राशि के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच में दोषी पाए गए कनीय अभियंता, पंचायत तकनीकी सहायक, पंचायत रोजगार सेवक एवं मेट को संविदामुक्त करने की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है। जिला प्रशासन ने कहा है कि विकास योजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिले में लगातार निरीक्षण अभियान जारी रहेगा तथा सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएलएसए सारण की पहल पर मंडल कारा में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर

■ मोतियाबिंद रोगियों का होगा निःशुल्क ऑपरेशन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), सारण के तत्वावधान में तथा अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल, परसा (सारण) के सौजन्य से मंगलवार को मंडल कारा, छपरा में बंदियों के लिए निःशुल्क नेत्र जाँच एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य बंदियों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना तथा दृष्टि संबंधी समस्याओं का समय पर उपचार सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में सारण की माननीय मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) श्रीमती स्वाति सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सारण के सचिव श्री राजीव कुमार, अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल के प्रबंधक श्री अमित कुमार, मंडल कारा, छपरा के अधीक्षक श्री अमरजीत सिंह, मुख्य एलएडीसी श्री पूर्णेन्दु सिंह तथा डीएलएसए सदस्य डॉ. हरेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर में नेत्र विशेषज्ञों द्वारा बंदियों की आँखों की विस्तृत जाँच की गई। जिन बंदियों में दृष्टिदोष पाया गया, उन्हें निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए। वहीं, जिन बंदियों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई, उनका पंजीकरण कर अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल, परसा (सारण) में पूर्णतः निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया जाएगा।

इसुआपुर में खरीफ महोत्सव सह किसान सम्मान समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड में मंगलवार को खरीफ महोत्सव सह किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो महिला किसानों समेत आठ कृषकों को किसान श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक जनक सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने तथा सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

सम्मानित किसानों के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इनके कार्यों से अन्य किसान भी प्रेरणा लेकर उन्नत खेती की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनीश कुमार ने किसानों से वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीक आधारित खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर किसान उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने खरीफ फसलों की उन्नत खेती, संतुलित उर्वरक के प्रयोग, गुणवत्तापूर्ण बीज के उपयोग तथा समय पर फसल प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। वहीं किसानों से विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी मधुरेंद्र कुमार सिंह, डिप्टी जनरल रविंद्र कुमार, पूर्व जिला पार्षद पुष्पा सिंह, रामाशंकर मिश्र शांडिल्य, विजय राय, हरेंद्र राय, बद्री नारायण सिंह, शारदानंद सोनी सरपंच जवाहिर सिंह, पूर्व मुखिया नागेंद्र तिवारी, कृषि विशेषज्ञ समेत सैकड़ों किसान थे।

सारण समाहरणालय पर कांग्रेस का प्रदर्शन कल

■ राम मंदिर चंदा मामले में कार्रवाई की उठेगी मांग

■ धार्मिक संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग, जिले भर से जुटेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर सारण जिला कांग्रेस कमेटी 16 जुलाई को सारण समाहरणालय परिसर में विशाल प्रदर्शन करेगी। इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. शंकर चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह प्रदर्शन राम मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक संस्थानों में कथित चंदा अनियमितताओं तथा धार्मिक आस्थाओं से जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर आयोजित किया जा रहा है। डॉ. शंकर चौधरी ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। ऐसे धार्मिक स्थलों से जुड़े किसी भी प्रकार के आर्थिक अनियमितता या चंदे के दुरुपयोग के आरोपों की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा आस्था के नाम पर दिए गए प्रत्येक रुपये का स्पष्ट और सार्वजनिक हिसाब होना चाहिए, ताकि लोगों का विश्वास बना रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक संस्थानों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता की कमी और अनियमितताओं के आरोप गंभीर चिंता का विषय हैं। कांग्रेस पार्टी धार्मिक संस्थानों की गरिमा बनाए रखने तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने कहा कि दोषी व्यक्ति चाहे किसी भी पद या प्रभाव का हो, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रदर्शन में सारण जिले के सभी प्रखंडों से कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा, जिसमें धार्मिक संस्थानों में पारदर्शिता, जवाबदेही और श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। कांग्रेस ने सभी कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

10 लाख रुपए की संपत्ति बंद घर का ताला तोड़ कर चोरी कर ली गई

मढ़ौरा। स्थानीय गौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सलीमापुर नेथुआ निवासी शैलेंद्र उपाध्याय के घर रविवार की बीती रात चोरों ने ताला तोड़कर कपड़ा, जेवर नकदी सहित करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति चोरी कर ली। गृहस्वामी शैलेंद्र उपाध्याय अपने घर में ताला बंद कर छपरा में रह रहे थे। इसी बात का फायदा उठाकर चोरों ने हाथ साफ कर लिया। इस बात की जानकारी ग्रामीणों से मिलने के बाद गृह स्वामी मंगलवार की सुबह घर आए और गौरा पुलिस को इस चोरी की सूचना दी। इसके बाद पुलिस जरूरी कार्रवाई में जुट गई है। गृहस्वामी ने इस मामले में ग्रामीण नरेंद्र उपाध्याय व धीरेंद्र उपाध्याय सहित कुल 5 लोगों पर उक्त चोरी में शामिल होने का संदेह जताते हुए एक प्राथमिक की दर्ज कराई है ।जिसकी पुलिस जांच कर रही है पीड़ित शैलेंद्र उपाध्याय का कहना है कि पूर्व में भी आरोपियों के द्वारा उनके खेत का फसल जबरन काट लिया गया था। पुलिस मामले को दर्ज कर जरूरी करवाई शुरू कर दी है।

सारण में मृत जन वितरण विक्रेताओं के आश्रितों को मिलेगी राहत

■ 13 मामलों में नई अनुज्ञप्ति को मंजूरी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिले में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेताओं के आश्रितों को समयबद्ध अनुकम्पा लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला आपूर्ति शाखा से संबंधित मृत जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नई अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए जिलास्तरीय अनुकम्पा चयन समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सदर अनुमंडल के 9, मढ़ौरा अनुमंडल के 9 तथा सोनपुर अनुमंडल के 4 सहित कुल 22 प्रस्तावित मामलों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समिति ने सभी अभिलेखों एवं पात्रता की जांच के उपरांत 13 मामलों को स्वीकृति प्रदान करते हुए संबंधित आश्रितों को नई अनुज्ञप्ति जारी करने की अनुशंसा की। वहीं 5 मामलों को अपात्र पाए जाने के कारण अस्वीकृत कर दिया गया, जबकि 4 मामलों में आवश्यक अभिलेख पूर्ण कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि मृत जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के परिवारों को अनुकम्पा का लाभ समय पर मिलना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि कई मामले लंबे समय से लंबित हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी जन वितरण प्रणाली विक्रेता की मृत्यु होने पर उसके परिजनों से तत्काल संपर्क स्थापित कर आवश्यक आवेदन एवं दस्तावेज शीघ्र प्राप्त किए जाएं तथा अनुकम्पा के आधार पर नई अनुज्ञप्ति प्रदान करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पात्र आश्रितों को अनावश्यक विलंब का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि चयन समिति की नियमित बैठक आयोजित कर योग्य आश्रितों को शीघ्र अनुकम्पा का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन नया सवेरा 3.0 के तहत 4 बाल श्रमिकों को कराया गया मुक्त

आरा। भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र में भोजपुर पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा ह्यऑपरेशन नया सवेरा 3.0ह्व के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 बाल श्रमिकों को सुरक्षित मुक्त कराया गया। प्रशासन ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि बच्चों का असली स्थान काम के मोर्चे पर नहीं, बल्कि स्कूल की बेंच पर है। बाल श्रम एक सामाजिक अभिशाप है। यदि आपके पास भी ऐसी कोई जानकारी हो, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) या स्थानीय प्रशासन को सूचित करें।

दारौंदा में आज लगेगा विशेष शिविर

सीवान/दारौंदा। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों की सुविधा एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से दारौंदा प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार, 15 जुलाई को एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने आदेश जारी कर सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। जिला पदाधिकारी, सिवान के निर्देश के आलोक में आयोजित इस शिविर में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों का जीवन प्रमाणीकरण (लाइफ सर्टिफिकेट) किया जाएगा। इसके अलावा पेंशन से संबंधित शिकायतों का मौके पर निस्तारण भी किया जाएगा। शिविर के दौरान *कबीर अंत्येष्टि अनुदान योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना तथा बिहार शताब्दी कुष्ठ कल्याण योजना* के पात्र लाभुकों से आवेदन भी प्राप्त किए जाएंगे। प्रखंड प्रशासन ने सभी पात्र लाभुकों से निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

पितृपक्ष मेला दुनिया की आस्था का केन्द्र, श्रद्धालुओं को न हो किसी प्रकार से परेशानी : मेयर

गयाजी। विश्वविख्यात पितृपक्ष मेला-2026 को इस बार पहले से अधिक भव्य, हाईटेक और विश्वस्तरीय स्वरूप देने की दिशा में गया नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को नगर निगम सभागार में मेयर डॉ. वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान की अध्यक्षता में स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई है। बैठक का संचालन समिति सदस्य डॉ. अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने किया है। इस बैठक में आगामी 26 सितंबर से प्रारंभ होने वाले पितृपक्ष मेला-2026 की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई और तीर्थयात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। मेयर गणेश पासवान ने स्पष्ट किया कि इस बार मेले की व्यवस्थाओं में आधुनिक तकनीक, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। पितृपक्ष मेला दुनिया की आस्था का केंद्र, श्रद्धालुओं को न हो किसी प्रकार से परेशानी : मेयर इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए मेयर डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि पितृपक्ष मेला केवल गयाजी की पहचान नहीं, बल्कि पूरे विश्व के सनातन श्रद्धालुओं की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र है। हर वर्ष देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अपने पूर्वजों के पिंडदान के लिए गयाजी पहुंचते हैं। ऐसे में नगर निगम की जिम्मेदारी है कि उन्हें बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी निर्माण एवं विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं, ताकि मेले के दौरान किसी भी श्रद्धालु को पेयजल, सफाई, प्रकाश या अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े। 15 वाटर स्टैंड पोस्ट, सोलर वाटर एटीएम और चार्जिंग प्वाइंट की होगी व्यवस्था इस बैठक में निर्णय लिया गया कि मेला क्षेत्र के 15 प्रमुख स्थानों पर वाटर स्टैंड पोस्ट स्थापित किए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं को चौबीसों घंटे स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा मेला क्षेत्र में सोलर वाटर एटीएम, आधुनिक मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके। पितृपक्ष मेले की व्यवस्था वर्ल्ड क्लास और हाईटेक होनी चाहिए : नगर आयुक्त नगर आयुक्त डॉ. गगन कुमार ने कहा कि नगर निगम की पहली और सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता पितृपक्ष मेला है। एक पखवाड़े तक चलने वाले इस विश्वप्रसिद्ध मेले में लाखों श्रद्धालु गयाजी पहुंचते हैं। इसलिए इस बार नगर निगम का लक्ष्य मेला व्यवस्था को वर्ल्ड क्लास बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

चरपोखरी प्रखंड मुख्यालय के नए भवन निर्माण का शुभारंभ, विधायक व एसडीओ ने किया भूमि पूजन

प्रात: किरण संवाददाता

पीरो (आरा)। पीरो अनुमंडल स्थित चरपोखरी प्रखंड मुख्यालय के नए भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन के साथ किया गया। अगिआंव विधायक महेश पासवान एवं पीरो अनुमंडल पदाधिकारी कृष्णकांत उपाध्याय ने विधिवत पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़ा और निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इसके साथ ही भवन की नींव खोदने का कार्य भी शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार, नए प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय तथा अधिकारियों के आवास के निर्माण के लिए करीब छह माह पूर्व ही करोड़ों रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी थी। हालांकि, स्थानीय ग्रामीणों के धरना-प्रदर्शन के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका था। पश्चिम स्थित खेल मैदान के निर्माण के बाद विवाद समाप्त होने पर अब भवन निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इस अवसर पर विधायक महेश पासवान ने कहा कि नए भवन के निर्माण से प्रखंडवासियों को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं मिलेंगी और सरकारी कार्यों के निष्पादन में भी तेजी आएगी। वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी कृष्णकांत उपाध्याय ने गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से निर्माण कार्य पूरा कराने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया। भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार विमलादित्य, थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास कुमार विक्की, जदयू प्रखंड अध्यक्ष अशोक पांडेय उर्फ चिंटू बाबा, मुन्ना बाबा, बैजनाथ सिंह, भाजपा नेता विनय सिंह, संतोष पांडेय समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

राजधानी पटना में भोजपुरी चित्रकला पर हुई चर्चा पिड़िया कला के संरक्षण और विकास पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राजधानी पटना में रविवार को भोजपुरी चित्रकला और बिहार की पारंपरिक लोककलाओं को केंद्र में रखकर दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अवसर था नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस का। इस अवसर पर बिहार की उन तीन पारंपरिक कलाओं पर विशेष चर्चा हुई, जिन्हें नाबार्ड के सहयोग से जीआई टैग प्राप्त हुआ है। इनमें भोजपुरी अंचल की पिड़िया कला, नालंदा की बावन बूटी तथा गया की पत्थरकट्टी शिल्पकला शामिल हैं। कार्यक्रम में सबसे अधिक चर्चा भोजपुरी क्षेत्र की पिड़िया कला को लेकर हुई। सर्जना न्यास के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ चित्रकार संजीव सिन्हा ने पिड़िया कला के इतिहास से लेकर जीआई टैग मिलने तक की पूरी यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला, उन्होंने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेष रूप से नाबार्ड के तत्कालीन जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) रणजीत सिन्हा तथा नाबार्ड के अन्य अधिकारियों के सहयोग, मार्गदर्शन और संवेदनशील पहल के कारण आज यह ऐतिहासिक उपलब्धि संभव हो सकी। नाबार्ड के पूर्व डीडीएम रणजीत सिन्हा ने कहा कि जीआई टैग केवल किसी कला की पहचान नहीं, बल्कि उसे कानूनी संरक्षण और आर्थिक अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने भोजपुरी चित्रकला से जुड़े कलाकारों और संस्थाओं से अपील की कि वे सर्जना न्यास के साथ संगठित होकर कार्य करें, ताकि उन्हें जीआई टैग से मिलने वाले संरक्षण और अन्य लाभों का पूरा फायदा मिल सके। शाम के सत्र में फोकटोपीडिया फाउंडेशन द्वारा ह्लटिकुली और भोजपुरी पेंटिंग की चुनौतियांह्व विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। पद्मश्री अशोक कुमार विश्वास ने टिकुली पेंटिंग की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि व्यापक प्रचार-प्रसार के बावजूद गांवों में कलाकारों के प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त सरकारी सहयोग नहीं मिल पा रहा है। प्रशिक्षण के अभाव में इस कला के माध्यम से रोजगार सृजन की संभावनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। वहीं वरिष्ठ चित्रकार संजीव सिन्हा ने कहा कि भोजपुरी पेंटिंग पर अभी और व्यापक शोध तथा गंभीर कार्य की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती इसके मूल स्वरूप और सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए समकालीन विषयों को इससे जोड़ना है, ताकि यह कला आने वाली पीढ़ियों के बीच भी प्रासंगिक बनी रहे। संचालन प्रसिद्ध कला लेखक एवं नाटककार अनीश अंकुर ने किया।

मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि, दो गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर): शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए बड़हरा थाना पुलिस ने मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने पर दो लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया। गिरफ्तार आरोपितों में मुन्ना पांडेय, पिता गोरखनाथ पांडेय, निवासी गुलाब छपरा तथा सुनील चौधरी, पिता जगनाथ चौधरी, निवासी मटुकपुर, दोनों थाना बड़हरा, जिला भोजपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों की मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। इसके बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया।

बड़की खड़ाव के समीप तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से दो सगे भाई झखमी, गंभीर हालत में रेफर

प्रात: किरण संवाददाता

सहार। सहार थाना क्षेत्र के बड़की खड़ाव गांव के समीप सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार दो सगे भाइयों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों को तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उच्चतर चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार दस बजे बडकी खडाव गांव निवासी गुड्डू सिंह के पुत्र प्रिंस कुमार और रीतीक कुमार दोनों भाई मोटरसाइकिल से बडकी खडाव से खैरा बाजार किसी कार्यवश जा रहे थे। इसी दौरान बड़की खड़ाव के समीप विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सड़क पर दूर जा गिरी और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों जख्मी को समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहार लाया गया। जहाँ प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर ईलाज के लिए दोनों को अरवल सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।वहीं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार होने में सफल रहा। पुलिस उसकी पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस ने बताया कि घायल युवकों का इलाज किया जा रहा है। ट्रक की पहचान की जा रही है।

मेरा युवा भारत के तहत युवाओं का रजिस्ट्रेशन शुरू, खेल और प्रतिभा को निखारेगी सरकार

प्रात: किरण संवाददाता

सहार (भोजपुर): स्थानीय सहार प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा संचालित ह्यमेरा युवा भारतह्व (ट इँ१३) अभियान के तहत युवा क्लबों और युवाओं का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अधिक से अधिक खेल और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। प्रतिभा को निखारने का मंचः अधिकारी अभियान की जानकारी देते हुए सहार प्रखंड के ह्यमेरा युवा भारतह्व के अधिकारी व वॉलिंटियर चंदन कुमार और तरारी के वॉलिंटियर आकाश शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा: ह्लभारत सरकार की यह एक बेहद महत्वाकांक्षी योजना है। सरकार चाहती है कि जो युवा समाज के बीच अपनी बात रखने में झिझकते हैं या जिनके अंदर कोई न कोई हुनर छुपा हुआ है, वे आगे आएं। इस मंच और खेल के माध्यम से हम उनकी छुपी हुई प्रतिभा को बाहर लाने और उसे निखारने का काम कर रहे हैं। एक माह तक चलेगा विशेष अभियान अधिकारियों ने बताया कि यह विशेष रजिस्ट्रेशन अभियान पूरे एक महीने तक चलाया जाएगा, ताकि कोई भी योग्य युवा इस लाभ से वंचित न रह जाए। इस अभियान से प्रेरित होकर सहार के ग्रामीण युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इसी कड़ी में पहले चरण में रितेश केशरी, हिमांशु केशरी, दिव्यांशु कुमार, गोलू ठाकुर, मनीष कुमार सहित दर्जनों युवाओं ने पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराया और इस मुहिम का हिस्सा बने।

हजारों लीटर अवैध देसी शराब बरामद तीन शराब कारोबारियों पर केस

● गुप्त सूचना पर चांदी थाने की पुलिस की बड़ी कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता

कोइलवर। भोजपुर जिले की चांदी थाना पुलिस ने मंगलवार की भोर में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खनगांव सोन नदी बांध के समीप एक ट्रैक्टर से हजारों लीटर देसी महुआ शराब बरामद की। पुलिस ने शराब से लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। मामले में शराब तस्करी के आरोप में तीन लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक शराब कारोबारी ट्रैक्टर के डाले में बड़ी मात्रा में देसी महुआ शराब लादकर आरा की ओर सप्लाई करने की तैयारी में है। सूचना मिलते ही उनके नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया और खनगांव सोन नदी बांध के समीप घेराबंदी कर छापेमारी की गई। पुलिस की गाड़ी देखते ही ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेकर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान ट्रैक्टर के डाले में बोरे में बंद बड़ी मात्रा में देसी महुआ शराब बरामद हुई। सभी बोरों में महुआ शराब भरी हुई थी। पुलिस ने शराब और ट्रैक्टर दोनों को जब्त कर थाना लाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अनुसंधान के दौरान मुख्य आरोपी की पहचान खनगांव गांव निवासी रामबाबू यादव के पुत्र विकास यादव के रूप में हुई है। वहीं उसका भाई रितेश यादव ट्रैक्टर चला रहा था, जो पुलिस को देखकर फरार हो गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि रामबाबू यादव भी अपने दोनों पुत्रों के साथ इस अवैध कारोबार में सक्रिय रूप से शामिल था। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी विकास यादव का आपराधिक इतिहास भी रहा है। वह पूर्व में आर्म्स एक्ट, मारपीट तथा शराब तस्करी से जुड़े कई मामलों में जेल जा चुका है। तीनों आरोपितों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। इस तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

स्वास्थ्य मेला में की गयी लोगों की जांच

●सीएचओ-पीएसपी के सदस्यों द्वारा लोगों को किया गया जागरूक

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर। जिला के आरा सदर के धमार आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं शाहपुर प्रखंड के झौआ आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया. धमार आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अंतर्गत महादलित टोला में सीएचओ-पीएसपी के सदस्यों खुश्बू कुमारी जीविका, एएनएम सविता कुमारी ,माधुरी सिन्हा और आशा कार्यकताओं के साथ सीएचओ ममता कुमारी के द्वारा महादलित टोला में घर घर जा कर समुदाय में टीबी की जांच की गई जिसमे 100 लोगो की स्क्रीनिंग की गई तथा डेंगू से बचाव करने के लिए घर में साफ सफाई और जमे हुए पानी को साफ कराया गयो समुदाय के लोगो को मच्छरदानी का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई.वहीँ जिला के प्रखंड शाहपुर के झौआ आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्र पर सीएचओ-पीएसपी के सदस्यों के सहयोग से समुदाय के लोगो को बुलाया गया और सीएचओ रमेश कुमार की अध्यक्षता में स्वास्थय मेला का आयोजन किया गया जिसमे एंटी डेंगू माह के अनुसार डेंगू से बचाव और लक्षण बताए गए साथ टीबी और गैर संचारी रोगों की जांच की गई. आए हुए लोगो को अपने घर के आस पास साफ सफाई रखने के लिए कहा गया और आस पास के लोगो को बताने के लिए कहा गया.साथ ही आरा सदर प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अलीपुर में सीएच ओ-पीएसपी की मासिक बैठक सह रिवाइज्ड गाइड लाइन के तहत कार्यक्रम में सीएचओ-पीएसपी का प्रशिक्षण सीएचओ रौनीका की अध्यक्षता में किया गया जिसमे मुख्यतः सीएचओ-पीएसपी ग्रुप बनाने के महत्व और हितधारकों की जिम्मेदारियों को बताया गया. साथ ही फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी दी गई और कालाजार एवं डेंगू की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गईं ये रोग कैसे होता इसके कारक कौन कौन है, इसके बचाव तथा इनका इलाज कहा उपलब्ध है और कौन कौन से लक्षण से इन्हे पहचान कर इनका जांच कराना चाहिए. फाईलेरिया मरीजों को वायायाम और एमएमडीपी और सेल्फ केयर कैसे करना है किन किन बातों का ध्यान रखना है ये सारी जानकारी दी गई और अंत में निक्षय दिवस तथा हेपेटाइटिस दिवस कार्यकम करने की योजना बनाई गई।

एकमा के परसागढ में नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालय का शुभारंभ आज

●आरएन इंटर कॉलेज परसागढ़ कैंपस में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों को दिया गया आमंत्रण

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा (सारण)। सारण जिले के एकमा प्रखंड के परसागढ़ स्थित आरएन उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज परिसर में संचालित होने जा रहे नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालय का विधिवत शुभारंभ 15 जुलाई को सुबह 10:30 बजे होगा। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा बिहार के भागलपुर में आयोजित एक समारोह स्थल से सुबह के परसागढ सहित सूबे के 211 नवस्थापित डिग्री महाविद्यालयों का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस संबंध में एकमा के प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार द्वारा जारी आमंत्रण पत्र के अनुसार उद्घाटन समारोह में महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद, एकमा विधानसभा क्षेत्र के विधायक, विधान परिषद सदस्य, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख एवं उपप्रमुख, प्रखंड कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति के सदस्य, पंचायतों के मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद् तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। आमंत्रण पत्र में बताया गया है कि नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालय (आरएन उच्च विद्यालय, परसागढ़ कैंपस) का उद्घाटन 15 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके लिए सभी आमंत्रित अतिथियों से निर्धारित तिथि को कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया गया है। हीं स्थानीय लोगों का मानना है कि राजकीय डिग्री महाविद्यालय की स्थापना से एकमा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए जिला मुख्यालय सहित दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर एवं छात्र-छात्राओं को काफी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र में उच्च शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम को सफल एवं गरिमामय बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां मंगलवार देर शाम तक पूरी की जाती रहीं। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, छात्रों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति रहने की संभावना है।

शहीद कामेश्वर पासवान को नमन 34वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, उनके संघर्षों को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास। जिले के परसथुआ बाजार स्थित शहीद कामेश्वर पासवान स्मारक स्थल पर उनकी 34वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। शहीद कामेश्वर पासवान स्मृति मंच के तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करगहर विधायक वशिष्ठ सिंह तथा विशिष्ट अतिथि भीम आर्मी के पूर्व जिला प्रभारी एवं चेनारी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अमित पासवान ने शहीद कामेश्वर पासवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक वशिष्ठ सिंह ने कहा कि शहीद कामेश्वर पासवान इस क्षेत्र में दलित,शोषित और वंचिता समाज की बुलंद आवाज थे। उन्होंने अन्याय और शोषण के खिलाफ पूरी मजबूती से संघर्ष किया। इसी कारण 14 जुलाई 1992 को उनकी साजिश के तहत हत्या कर दी गई। लेकिन उनके विचार आज भी समाज को प्रेरित कर रहे हैं। वहीं अमित पासवान ने कहा कि शहीद कामेश्वर पासवान केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा थे। शाहिद कामेश्वर पासवान रोहतास ही नहीं बल्कि पूरे शाहाबाद क्षेत्र के दलित, अति पिछड़े, गरीब और मजदूर वर्ग के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने लोगों से शहीद कामेश्वर पासवान के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मजदूर नेता अशोक बैठा, राजकुमार पासवान विकास पासवान ने भी शहीद कामेश्वर पासवान के जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की आवाज बुलंद करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके अधूरे सपनों को पूरा करने और उनके संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प सभी को लेना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद कामेश्वर पासवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पुण्यतिथि सामारोह मे पूर्व प्रमुख रामाशीष पासवान,केशव पासवान,शशांक शिवशेखर पासवान,दारा पासवान, अशोक बैठा, अमित पासवान लाल बाबू पासवान, देवकुंड पासवान, राजकुमार पासवान अधिवक्ता गोपाल पासवान, विकास पासवान विपिन पासवान सुनील पासवान कचहरी पासवान,चंद्रभान पासवान सहित बड़ी संख्या में सामाजिक और राजनीतिक से जुड़े लोग उपस्थित थे।

रोहतास में आयुष्मान अस्पतालों का निरीक्षण तेज मरीजों को बेहतर इलाज से जोड़ने की तैयारी

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास। जिले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निरीक्षण अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को सासाराम के अस्पताल रोड स्थित आर्ट मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सासाराम के सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने अस्पताल की आधारभूत सुविधाओं, चिकित्सकीय व्यवस्था, आवश्यक संसाधनों तथा आयुष्मान भारत योजना के मानकों का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सक डॉ.आलोक तिवारी भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग उन निजी अस्पतालों का भी निरीक्षण कर रहा है। जिन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध (एम्पैनलमेंट) होने के लिए आवेदन किया है। वहीं जिन अस्पतालों में अभी तक योजना का लाभ मरीजों को नहीं मिल रहा है उन्हें भी निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने बताया कि सरकार की गाइडलाइन के अनुसार विशेष टीम सभी आवेदित अस्पतालों का निरीक्षण कर रही है। मानकों पर खरे उतरने वाले अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा। ताकि पात्र मरीजों को कैशलेस और बेहतर उपचार की सुविधा अधिक से अधिक अस्पतालों में उपलब्ध हो सके।

ट्यूशन से लौटते समय लापता नाबालिग छात्रा बरामद, अपहरण का आरोपित गिरफ्तार

●गुप्त सूचना पर आरोपी के घर छापेमारी, छात्रा को सकुशल बरामद कर आरोपी को भेजा गया जेल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। ट्यूशन से घर लौटने के दौरान लापता हुई नाबालिग छात्रा को सिकरहटा थाना की पुलिस ने सकुशल बारामद कर लिया। इस मामले में नामजद आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। सिकरहटा थानाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि 11 जून को छात्रा नोनाडीह मोड़ स्थित ट्यूशन के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद छात्रा के पिता ने सहार प्रखंड के चौरी थाना क्षेत्र के धनछुहां गांव निवासी सोमनाथ राम के पुत्र पंचरत्न के खिलाफ बहला-फुसलाकर अपनी पुत्री को ले जाने का आरोप लगाते हुए सिकरहटा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की जांच के दौरान मिली गुप्त सूचना पर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने धनछुहां गांव में आरोपी के घर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान नाबालिग छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया गया तथा आरोपित पंचरत्न को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वहीं, बरामद छात्रा को मेडिकल जांच एवं न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया के लिए आरा भेजा गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

सड़क हादसे में अरवल निवासी युवक समेत दो जख्मी

आरा। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में घटित सड़क हादसे में अरवल निवासी युवक समेत दो लोग जख्मी हो गए। जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। पहली घटना शहर के नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा मोड़ के समीप की है। जहां मंगलवार की सुबह बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे अरवल निवासी युवक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक अरवल जिले के वंशी थाना क्षेत्र के तुर्क तेलपा गांव निवासी उतारी चौधरी का 28 वर्षीय पुत्र सत्येंद्र चौधरी है। वह चंदवा स्थित होटल में बावर्ची का काम करता है। इधर, सत्येंद्र चौधरी ने बताया कि सोमवार की सुबह चंदवा मोड पर सामान खरीदने के लिए आया था। उस जब वह सड़क पार कर रहा था। तभी तेज रफ्तार में आ रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। जबकि दूसरी घटना टाउन थाना क्षेत्र के गांगी पुल के समीप की है। जहां मंगलवार की दोपहर ऑटो व बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी शमीम खान का 18 वर्षीय पुत्र सोहेब खान है। इधर, जख्मी युवक के परिजन ने बताया कि सोमवार की दोपहर वह बाइक द्वारा आरा से गांव वापस लौट रहा था। उसी दौरान गांगी पुल के समीप विपरीत दिशा से आ रही ऑटो से टक्कर हो गयी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, बुधवार, 15 जुलाई 2026

संक्षिप्त खबरें

यूरिया खाद प्रयाप्त मात्रा में उपलब्ध, जरूरत के अनुसार ही उर्वरक खरीद करे:कुन्दन कुमार

अरवल। प्रखंड कृषि पदाधिकारी अरवल कुन्दन कुमार के द्वारा इफको उर्वरक दुकान का निरीक्षण किया गया, इस दौरान कुन्दन कुमार ने कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है, उन्होंने कहा कि किसानों को भीड़ को देखते हुए महिलाओं और पुरुषो के लिए अलग-अलग काउंटर की व्यवस्था किया गया है जिसे सभी किसानों को ससमय उर्वरक प्रादान किया जा रहा है, प्रखंड कृषि पदाधिकारी कुन्दन कुमार के द्वार उर्वरक विक्रेताओं की दुकान पर किसान सलाहकार का भी प्रतिनियुक्ति किया गया है जिसे किसानों को उचित सलाह और असानी से सभी किसान ताक उर्वरक का वितरण कराया जा सके, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी कुन्दन कुमार के द्वारा बताया गया गया की अरवल प्रखण्ड अन्तर्गत प्रयाप्त मात्रा में इफको मे उर्वरक का उपलब्धता है किसान भाईयों को बताया गया की अपने जरुरत के अनुसार ही उर्वरक का खरीद करे, कुन्दन कुमार ने कहा कि अगर किसी भी उर्वरक विक्रेताओं के द्वारा कालाबाजारी या अनमिकता किये जाते है तो कठोरात्मक कानूनी करवाई किया जाएगा।

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर एक दिवसीय कार्यशाला आज

औरंगाबाद। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय द्वारा प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके अंतर्गत प्रखंड स्तर पर विद्यालय प्रधानों एवं विज्ञान व गणित शिक्षकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशालाझसहझसमीक्षा बैठक का आयोजन 15 जुलाई को केशव उच्च विद्यालय, सोननगर में आयोजित की जाएगी।प्रखंड शिक्षा कार्यालय ने सभी संबंधित प्रधानाध्यापकों, प्रभारी प्रधानाध्यापकों और विज्ञान/गणित शिक्षकों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जिन विद्यालयों में विज्ञान या गणित के शिक्षक पदस्थापित नहीं हैं, वहाँ के प्रधानाध्यापक किसी अन्य शिक्षक को नामित कर प्रशिक्षण में भेजेंगे, ताकि कार्यशाला का लाभ हर विद्यालय तक पहुँच सके। इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए पंकज कुमार, खुशबू कुमारी, जागृति पाण्डेय, मुन्नी प्रकाश और सुधीर कुमार को मास्टर ट्रेनर के रूप में नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष के निधन पर शोक

गोह (औरंगाबाद)(सं.)। गोह प्रखंड के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष शंभु शरण सिंह के निधन पर विभिन्न राजनीतिक दल के कार्यकताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उनका निधन मंगलवार की सुबह पूंदौल आवास पर हो गया। शोक व्यक्त करने वालो में कांग्रेस के पूर्व विधायक आनंद शंकर, कांग्रेस नेता संजय सिंह, भाजपा नेता भोला यादव, चुन्नू सिंह, कुंदन सिंह, बबलू सिंह, जेपी सेनानी अरविंद पांडेय, शत्रुघ्न सिंह, अजय सिंह, राजद नेता ललन चौरसिया, नंदलाल यादव सहित कई लोग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

खाना बनाने के क्रम में झुलसी महिला की मौत

गोह(औरंगाबाद)(सं.)। गोह थाने के जमुआइन गांव के निवासी शैलेंद्र वर्मा की पत्नी बबिता देवी को इलाज के दौरान मौत हो गई है। वे पिछले माह खाना बनाने के क्रम में गैस सिलेंडरों से आग पकड़ लेने के बाद वह गंभीर रूप से झुलस गई थी। जिसका इलाज दिल्ली में चल रहा था। परिजनों ने बताया कि 9 जून को सुबह वह गैस चूल्हा पर खाना बना रही थी। उसी क्रम में सिलेंडर से गैस लीकेज हुआ और आग पकड़ लिया। घटना के बाद मृतका के घर मे मातम पसर गया है और पूरा गांव शोक में डूब गया है।

रोटरी क्लब ऑफ गया युवा द्वारा रक्तदान शिविर का हुआ सफल आयोजन

गया,रोटरी क्लब ऑफ गया युवा द्वारा आज अर्श सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, गया में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लगभग 25 यूनिट रक्तदान किया है।रोटरी क्लब ऑफ गया युवा की अध्यक्षा रोटेरियन स्मिता पोद्दार ने कहा ,इस रक्तदान अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना तथा यह संदेश देना था कि रक्तदान एक ऐसा महादान है जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। क्लब के सदस्यों ने लोगों से नियमित रूप से स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील की और बताया कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होने के साथ-साथ कई लोगों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।रक्तदान करने वाले प्रमुख सदस्यों में डॉ. सुरभि कुमारी, प्रभात कुमार, दिव्य गोयनका, अर्चना गोयनका, अनुराग पोद्दार, सुमित मोरे, विवेक अग्रवाल, राजश्री, आदित्य गोयनका आदि थे।

डीएम ने दिग्घी तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

तालाब के जमीन में जहां कही भी अतिक्रमण है, उसको चिन्हित कर अतिक्रमण हटवाए: जिलाधिकारी

प्रातः किरण संवाददाता

गया, ।दिग्घी तालाब को सौंदर्यकरण कराने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर, बिहार विधान परिषद कुमुद वर्मा, उप नगर आयुक्त गया नगर निगम,लालजी प्रसाद,सहित अन्य पदाधिकारियों ने कल संध्या में दिग्घी तालाब के संपूर्ण क्षेत्र का घूम घूम कर निरीक्षण किया। गया है

इस तालाब का सौंदर्यकरण नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम फंड से किया जा रहा है। तालाब से चारो ओर अच्छे से साफ सफाई करवाने का निर्देश उप नगर आयुक्त को दिया गया हू। तालाब के बीच बने में बने गोलंबर तक आने जाने एवं घूमने के लिये ब्रिज बनाया जाना है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि ब्रिज की चौड़ाई पर्याप्त रखी जाए। तालाब के जमीन में जहां कही भी अतिक्रमण है, उसको चिन्हित कर अतिक्रमण हटवाए।

तालाब के किनारे जहां से भी नाला का पानी तालाब में प्रवाहित हो रहा है, उसको चिन्हित कर, नाला के पानी को डाइवर्ट करवाते हुए बड़े नालो से जोड़ने का निर्देश दिए हैं, ताकि तालाब का पानी प्रदूषित नही हो सके।

उन्होंने नगर निगम के अभियंता को निर्देश दिए हैं कि तालाब के साइड वॉल को ऊँचा करवाये। साथ ही तालाब से सटे परिधि में बने दुकानों का भौतिक जांच करवाएं, किनके नाम पर दुकान आवंटित है और कौन संचालित कर रहे हैं।

तालाब से चारो ओर लगे लाइट को पूरी तरह चालू करवाये, ताकि आम जनता तालाब में सुबह और शाम को टहल सके। जो भी लाइट बंद है या डार्क स्पॉट है, उन स्थानों पर अतिरिक्त रौशनी की व्यवस्था करवाये।जिला पदाधिकारी ने बताया कि आज दिग्घी तालाब के पूरे परिसर का घूम कर निरीक्षण किया गया है, दिग्घी तालाब का सौन्दर्यकरण एन सी ए पी फण्ड से करवाया जा रहा है। जल्द ही कार्य पूर्ण कर ली जाएगी। नगर निगम के पदाधिकारियों एवं संवेदक को निर्देश दिए गए हैं कि जो भी कमियां है, उसको तत्काल समाधान करते हुए तेजी से

ओबरा के युवा खिलाड़ी ने किया शानदार प्रदर्शन , गोल्ड मेडल से हुए सम्मानित

शानदार प्रदर्शन पर ओबरा के ग्रामीणों ने दी बधाई

प्रातः किरण संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। जिले के ओबरा व्यवसायिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घनश्याम लाल अग्रवाल पौत्र आदविक अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल की है। ओबरा के लाल युवा खिलाड़ी आदविक अग्रवाल ने आर बी ए इंटर बैडमिनटल लीग मे शानदार प्रदर्शन की है। बताया गया कि,इसके पिता अतुल अग्रवाल उप महाप्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक हैदराबाद एवम माता मनीषा अग्रवाल मुख्य प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक हैदराबाद मे दोनों चार्टेड अकाउंट पद स्थापित है। जो व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम लाल अग्रवाल पुत्र एवम पुत्र वधू है। खेल विशेषज्ञों के माने तो कम आयु मे हासिल की गई सफलता युवा खिलाड़ी आदविक की सफलता के उज्जवल भविष्य की ओर प्रकट करती है।

जिसे यह स्पष्ट लगता है कि,निरंतर अभ्यास और समर्थन के साथ वे भविष्य मे राज्य एवम राष्ट्रीय स्तर पर भी उपलब्धि हासिल कर सकते है। आदविक की इस सफलता मे न केवल ओबरा बल्कि हैदराबाद के खेल जगत मे हर्ष का वातावरण बाना है। आदविक ने बताया कि,हमारी प्रेरणा युवा उपलब्धि युवा खिलाड़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। और यह सिद्ध करती है कि,मेहनत लगन और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। गोल्ड मेडल पर सम्मानित होने कर ओबरा मे हर्ष व्याप्त है। ओबरा के मुखिया सीमा अग्रवाल, समाजसेवी गोबिंद अग्रवाल, पूर्व मुखिया शंभू प्रसाद, विजय कुमार शौंडिक, विनोद अग्रवाल, विनय जायसवाल, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णकांत शर्मा, पूर्व प्रबंधक अरविंद कुमार ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

चिह्नित पंचायतों के टीवी मुक्त बनाने का है लक्ष्य

आशा एएनएम को लक्ष्य को शत प्रतिशत सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जम्होर मे मंगलवार को 100 दिन टीबी मुक्त फाइलेरिया एवं परिवार नियोजन पखवारा कार्यक्रम को सफलता को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित की गई। कार्यक्रम अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्याम किशोर ने किया । इस मौके पर प्रशिक्षक के रूप स्वास्थ्य प्रबंधक मोहम्मद आसीन अख्तर आशा मैनेजर राजेश कुमार ने सभी आशा एवम एएनएम को प्रशिक्षण के माध्यम से विस्तार पूर्वक बताया कहा कि आप सबों के सहयोग से ही यह कार्यक्रम सफल होगा। इसके लिए सभी बीमारियों के प्रति सजग रहे और लक्षण की जैसे जानकारी ही फौरन उन्हें अपने केंद्र लाए और उन्हें दवा उपलब्ध कराए , आप सबों को भी दवा उपलब्ध कराया गया है। सूचना मिलते ही उन्हें दवा दे। साथ ही कुष्ठ अभियान को सफल बनाने को लेकर आहवान किया । कहा कि घर घर जाए और उसे उत्पन होने वाले लक्षणों के अनुसार उन्हें दवा उपलब्ध कराए। गर्भवती महिला के प्रति विशेष सावधानी रखे। महिलाओं को घर घर जाकर उसे रु ब रु होकर जानकारी प्राप्त करे और एक नियमित समय के तहत अस्पताल लाए ताकि उन्हें बेहतर चिकित्सा उपरांत डिलेवरी आसानी से कराया जा सके। साथ ही उन्होंने मस्तिक के ज्वर के लक्षण के बारे मे बताया।

कहा कि चमकी बुखार की उपचार एवम लक्षणों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। कहा कि शरीर चमकी होना अथवा हाथ पैर मे कांपना हाथ पैरों मे ऐंठना आना के साथ कई लक्षणों के बारे जानकारी देते हुए हिदायत किया कि जैसे ही कोई लक्षणों का प्राप्ति हो उसे अपने निकटम स्वास्थ्य केंद्र मे लाए ताकि उसका चिकित्सा बेहतर तरीके से हो सके। आप सभी शुरूवाती दौर मे जो निर्देश दी गई है। इसे शुरूवात दौर मे चिकित्सा करे और अस्पताल लाए ताकि उसे बेहतर चिकित्सा करने मे आसानी हो सके।

औरंगाबाद शहर में फ्लाई ओवर बनाने की जरूरत : रामानुज

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। चाणक्य परिषद के अध्यक्ष व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामानुज पांडेय ने कहा कि एनएच 139 फोरलेन अंततः डीपीआर बनाने की प्रक्रिया के अधीन आ गया है। इसमें अंबा, औरंगाबाद, ओबरा, दाउदनगर, अरवल कई बाईपास के साथ पूरी तरह हरिहरगंज से पटना तक फोरलेन बनाने के लिए कंप्लीट डीपीआर बनाने की स्वीकृति सरकार ने दिया है। उन्होंने बताया कि विभाग इसके लिए तत्पर है। लगातार कई महीनो से विभाग के इंजीनियरों से एवं पटना के उच्च अधिकारियों से बात होती रही है। जिले के कई वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधिगण भी इसके लिए प्रत्याशील रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं सबके प्रयासों का सराहना करता हूँ और आभार व्यक्त करता हूँ। लेकिन इसके साथ ही जो एक मुख्य समस्या अभी भी बनी हुई है। बाईपास के दोनों तरफ औरंगाबाद शहर बसा हुआ है और दोनों तरफ लोगों के आने-जाने की कठिनाइयों और बाईपास से अंबा रोड में लगातार लगने वाले जाम से निजात के लिए फ्लाई ओवर बनाने की जरूरत है। यह समस्या एनएच 139 फोरलेन से अलग का विषय हो चुका है। इस संबंध में विभाग के अधिकारियों से वार्ता के बाद अधिकारियों ने इस बात का सुझाव दिया गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधि इस विषय पर अपने अनुमोदन प्रदान करें। उसके उपरांत हम लोग इस विषय पर अपना प्रस्ताव बना कर सरकार को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में स्थानीय विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह से हम लोगों की बात हुई और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया और कहा कि मैं भी इसके लिए पूर्व से प्रयत्न शील हूँ और आपके सुझाव के अनुसार इस विषय को मैं विभाग को लिखूंगा। मेरा एक प्रयास है मैं दलगत भावना से ऊपर जनसमस्या को प्राथमिकता देता हूँ। इसलिए सभी का सहयोग, सभी का समर्थन जनहित में होना चाहिए। मैं इसकी अपेक्षा भी है कि औरंगाबाद के लोगों को जो समस्याएं आ रही है और कठिनाइयां हो रही हैं उससे सभी को राहत मिले। हम लोगों का बस यह छोटा प्रयास है और सभी को इसके लिए अपने-अपने क्षमता के अनुसार कार्य करना चाहिए।स्थानीय विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह जी की सराहन करता हूँ। उन्होंने सहृदयता के साथ इसे स्वीकार किया और इस विषय को तत्परता के साथ लेने का कार्य किया है। एनएच 139 फोर लेन संघर्ष समिति निविदा प्रकाशन तक इस मुद्दे पर सरकार पर अपना दबाव बनाए रखने एवं जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाने का कार्य करते रहेगी और उसके बाद भी जैसे दुमुहान डायवर्सन के निर्माण के लिए तत्पर है। वैसे ही सड़क के पूर्ण निर्माण तक तत्पर रहेगी हम सभी जनहित और जिले हित के प्रति समर्पित हैं।

संगीत शिक्षा साधना का महत्व : प्रधानाध्यापक

30 दिवसीय प्रशिक्षण के सातवें दिन छात्रों को गायन एवम सुरो के बारे मे बताया गया

प्रात : किरण संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। उच्चतर कन्या माध्यमिक विद्यालय ओबरा मे 30 दिवसीय प्रशिक्षण के सातवें दिन विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रवीण कुमार सिन्हा के नेतृत्व मे प्रशिक्षक मालती कुमारी एवम चित्रकला शिक्षक संध्या कुमारी ने विद्यालय के छात्राओं को संगीत के व्यवहारिक कौशल सिद्धांत और मानसिक विकास से जुड़ी संपूर्ण बातों की जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को स्वर लय ताल और विभिन्न वाद यंत्रों को बजाने की तकनीकी जानकारी के साथ साथ संगीत रचना और आवाजों की पहचान के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने छात्राओं को संगीत गीत को प्रशिक्षण के माध्यम से गाने के बाद उसके सुरों के बारे मे विस्तार पूर्वक लय के साथ जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रवीण कुमार सिन्हा ने छात्रों को कहा कि संगीत केवल मनोरंजन की साधना नही बल्कि यह आत्मा को तृप्त करने वाली शक्ति है।

प्रशिक्षण के माध्यम से सबों को वाद तंत्र बजाने का सही तरीका जैसे शरीर का मुद्रा सांस लेने का नियंत्रण अंगुलियों का संचालन के बारे मे जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण से गणित भाषा और यादाश्त की मजबूती प्राप्त होती है। और नियमित अभ्यास के माध्यम से छात्रों को एकाग्रता लगन और समय जैसे जीवन कौशल विकसित होते है। जिसकी जानकारी लगंता पूर्वक प्राप्त करे। मौके पर शिक्षक विजय यादव, शशि कुमार, सुबोध कुमार, विनोद पाण्डेय, मोहम्मद जियाउद्दीन समेत बड़ी संख्या में छात्राओं के साथ शिक्षक भी उपस्थित रहे।

नगर निगम आयुक्त ने पदभार ग्रहण करते ही आम जनता एवं कर्मचारियों के सुविधा को लिय संज्ञान

शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा: नगर आयुक्त डॉ. गगन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गया जी को और सुंदर एवं बिहार में एक नं पर लाने के लिए नव नियुक्त नगर निगम आयुक्त डॉ गगन अपना पदभार संभालते हुए काम करना शुरू किया सबसे पहले विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया,जहा कमियां दिखी उसे सुधार करने सख़्त निर्देश दिए हैं।मुलभुत सुविधाएं को प्राथमिकता लेते हुए इसपर कड़ा एक्शन लिए है। गंदगी देखकर भिखरे पुरे नगर निगम आफिस के हर शाखा को सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र शाखा का निरीक्षण करते हुए वहा खड़े लोगों को दो दो लाईन लगाने के लिए निर्देश दिया गया है। महिला पुरुष की अलग अलग लाईन लगाए। नगर निगम कि राजस्व की वृद्धि के लिए राजस्व अधिकारी को निर्देश दिए जिससे नगर निगम का राजस्व कि वृद्धि हो सके, कर्मचारियों को मुलभूत सुविधा पर ज्यादा फोकस किए है।

नगर आयुक्त ने कहा कि आगामी पितृपक्ष मेला का सफल आयोजन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मेला के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

पदभार ग्रहण करने के बाद नगर आयुक्त ने संबंधित एजेंसी और लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी को तत्काल सिल्ट हटाने एवं नियमित सफाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलजमाव रोकने के लिए नालों की समय पर सफाई और सिल्ट का तत्काल उठाव आवश्यक है।नगर निगम कार्यालय में उप नगर आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों, नगर निगम पी आरो एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नए नगर आयुक्त का स्वागत किया है। अधिकारियों ने उन्हें निगम की वर्तमान योजनाओं और चल रहे विकास कार्यों की भी जानकारी दी गई है।

उत्पाद थाने की हाजत में कैदी की मौत, परिजनों का हंगामा

अरवल। अरवल उत्पाद थाना के हाजत में बंद कैदी अनिल कुमार उर्फ टुनटुन महतो की मौत हो गई, मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा, मृतक कैदी पर आरोप है कि सोमवार को शाम के समय में शराब पीने के आरोप में उत्पाद थाना द्वारा पकड़कर हाजत में बंद किया गया था, मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि हाजत में पुलिसकर्मियों द्वारा अनिल कुमार के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। जिसे हालत बिगड़ने पर उन्हें सदर अस्पताल अरवल उपचार के लिए भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, मृतक कैदी थाना रामपुर चौरम की क्षेत्र हैबतपुर गांव के निवासी हैं, वह इस घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है, वही इस घटना से अरवल के पूर्व विधायक महानंद सिंह और अरवल विकास मंच अध्यक्ष रेल आंदोलन के सूत्रधार मनोज सिंह यादव एवं पूर्व सैनिक अरवल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अरुण कुमार यादव ने जांच कर दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की ।

प्रखंड प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समिति की आमसभा आयोजित

करपी। बिहार राज्य जैविक सब्जी उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड वेजफेड के तत्वावधान में मंगलवार को करपी प्रखंड प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा का आयोजन प्रखंड कार्यालय शहर तेलपा में किया गया।सभा की अध्यक्षता नरेश प्रसाद ने की।

इस दौरान नरेश प्रसाद ने उपस्थित लोगों के बीच वेजफेड के उद्देश्य कार्यशैली एवं जैविक खेती के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जैविक खेती अपनाकर किसान कम लागत में अच्छी पैदावार ले सकते हैं और बाजार में बेहतर दाम भी पा सकते हैं।इस अवसर पर ढश्उर अध्यक्ष,नरेश प्रसाद, उपाध्यक्ष विजय कुमार सुमन, सचिव विष्णु कांत पंडित, प्रबंधक दीपक कुमार सहित सदस्य राजेश कुमार, सुधीर कुमार, सुषमा कुमारी, इंदु देवी, कौशल्या देवी, पूजा देवी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मुखिया दिनानाथ पासवान, सरपंच छठू कुमार कुशवाहा, किसान उमेश कुमार, कृष्णा कुमार, सुधीर कुमार,एवं अन्य किसान व ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गया में कांग्रेस के लिए शुभ संकेत, संगठन में बढ़ता उत्साह

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।गया जिला कांग्रेस कमेटी के राजेन्द्र आश्रम स्थित कार्यालय में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नव-नियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. मोहन श्रीवास्तव एवं सत्येन्द्र नारायण सिंह के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकताओं का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। लंबे समय बाद राजेन्द्र आश्रम का सभागार पूरी तरह कार्यकताओं से खचाखच भरा हुआ था, जबकि अनेक कार्यकताओं को खड़े होकर कार्यक्रम में भाग लेना पड़ा है।कार्यकताओं का कहना था कि गया जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रजनीश कुमार के नेतृत्व में संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। यह भी चर्चा का विषय रहा कि पहली बार गया जिले से एक साथ दो नेताओं को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष बनने का अवसर मिला है, जिसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

कार्यकताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि रजनीश कुमार के नेतृत्व में गया जिले में कांग्रेस संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा आने वाले समय में पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहले राजेन्द्र आश्रम स्थित कांग्रेस कार्यालय कभी-कभार ही खुलता था, जबकि अब जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार प्रतिदिन कार्यालय में बैठकर कार्यकताओं की समस्याएँ सुनते हैं और संगठनात्मक गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित कर रहे हैं। इससे कार्यकताओं में नया उत्साह और विश्वास पैदा हुआ है।

कार्यकताओं ने यह भी उल्लेख किया कि रजनीश कुमार एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके बड़े भाई अरुण कुमार पूर्व सांसद रह चुके हैं।

आठ लोगों ने उपलब्ध कराई पांडुलियां, जिले में 26158 पांडुलियां मौजूद

दाउदनगर (औरंगाबाद)। ज्ञान भारतम् मिशन के तहत 15 मार्च से 15 जून तक हुए सर्वेक्षण में बिहार में छठे स्थान पर औरंगाबाद रहा। सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय के एक सभागार में उन आठ लोगों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सर्वाधिक महत्वपूर्ण, गुणवत्तापूर्ण और संख्या में पांडुलिपियां उपलब्ध कराई थी। जिला पदाधिकारी अभिलाष शर्मा ने कहा कि एक ऐसा गुलदस्ता औरंगाबाद के लोगों ने सजाया जिसमें पारसी, अरबी, उर्दू, संस्कृत, तमिल, उड़िया भाषा में लिखी पांडुलिपि शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण पांडुलिपियां उपलब्ध कराई गई। जिससे जिले का मान बढ़ा। सभागार में अधिकारियों ने यह भी स्वीकार किया कि आरंभिक समय में तो यह लगा के जिला में शायद ही कोई महत्वपूर्ण अभिलेख उपलब्ध हो लेकिन अधिकारियों ने श्रम किया और लोगों ने सहयोग किया, नतीजा काफी प्राचीन प्राचीन पांडुलिपियां उपलब्ध हुई। डीडीसी कुमारी अनुपम सिंह ने काफी प्रशंषा की। जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तिखार अहमद ने कहा कि एक से बढ़कर एक पांडुलिपि लोगों ने उपलब्ध कराया है जिसके लिए किसी भी तरह की परेशानी का सामना किया जा सकता है। जिले से कुल 26158 पांडुलिपि उपलब्ध हुई है। इसमें 26086 पांडुलिपि सिर्फ आठ व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराई गई है, जिनको सम्मानित किया गया। इसमें दाउदनगर अनुमण्डल के सात व्यक्तियों द्वारा 8865 और मदनपुर के दो व्यक्ति द्वारा 17221 पांडुलिपि उपलब्ध कराया गया है। इस अवसर जिन आठ लोगों को सम्मानित किया गया उन्होंने काफी महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराया है। जिला कला संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार अमझर शरीफ से कुल 7195 पांडुलिपियां प्राप्त हुई है। जिसमें दाउदनगर शरीफ से मोहम्मद शबा कादरी द्वारा 142, मनोरा शरीफ खानकाह से पीर सैयद शाह मंजर अली कादरी द्वारा 2062 एवं शहीद सैयद मसूद कादरी द्वारा 1182 अमझर शरीफ खानकाह के अब्दुल कादिर जिलानी से 309 और सैयद हसनैन कादरी से 3500 पांडुलिपि उपलब्ध कराए गए हैं। बताया गया कि 1200 वर्ष पुरानी अब्दुल कादिर जिलानी द्वारा हस्तलिखित कुरान, पैगंबर मोहम्मद साहब का पद चिन्ह, दाढ़ी का बाल एवं ताड़ पत्र, भोजपत्र, कपड़ा, धातु पर लिखा कुरान, इस्लामी ग्रंथ, जादू टोना टोटके बीमारी का उपचार से संबंधित दस्तावेज एवं इस्लामी आयतें उपलब्ध कराई गई हैं। जिनकी भाषा अरबी, फारसी एवं उर्दू है। दाउदनगर के गुरुद्वारा बाबा बिहारी दास संगत में रखे हुए गुरु ग्रंथ साहिब उपलब्ध कराया गया। यह लगभग 1402 पांडुलिपि है।

जिलाधिकारी ने विडियो कॉनफ्रेसिंग के जरीए नये राशनकार्ड के लिए दिए दिशा निर्देश

नये राशन कार्ड के लिए जिले में लक्ष्य 38400 तय किए गए

प्रात : किरण संवाददाता

गया।, नया राशन कार्ड निर्गत करने के संबंध में मुख्यमंत्री, बिहार सरकार के घोषणा के आलोक में आज जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुमण्डल पदाधिकारी, सभी एमओ एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी के साथ बैठक किया गया है। इस बैठक में नये राशन कार्ड का निर्माण कैम्प मोड में करने हेतु लक्ष्य एवं निर्देश दिया गया है। मालुम है कि विभाग द्वारा पूर्व में संचालित आर.सी. ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पोर्टल को बंद कर भारत सरकार के स्मार्ट - पी डीएस के आर सी एम्एस मोडुल को लागू कर दिया गया है। अब राशन कार्ड से संबंधित सभी नए आवेदन एवं उनका निष्पादन इसी पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

इस बैठक में गया जिला को नया राशन कार्ड निर्गमन हेतु कुल लक्ष्य 38400 तथा प्रत्येक दिन का लक्ष्य 1280 निर्धारित किया गया है। कुल लक्ष्य को दिनांक 13.08.2026 तक पूरा करने का निदेश दिया गया हू।

सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को कैम्प मोड में काम करते हुए इस कार्य को ससमय पूर्ण करने हेतु विस्तृत निदेश दिया गया हू। सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर पात्र परिवारों से आवेदन प्राप्त करेंगे तथा आवेदनों का नियमानुसार जाँच कर निष्पादन करते हुए निर्धारित दैनिक लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करेंगे। इस अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लक्ष्य के अनुरूप कार्य सुनिश्चित कराने हेतु अनुमण्डल पदाधिकारियों को भी निदेशित किया गया।

इसके साथ ही जिला पदाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील किया है कि जो पात्र परिवार अभी तक राशन कार्ड से वंचित हैं, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ इस शिविर में अथवा अपने प्रखण्ड कार्यालय में आवेदन दे सकते है अथवा ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते है।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था रहे चाक-चौबंद: जिला पदाधिकारी

- अवैध गतिविधियों पर लगे प्रभावी अंकुश
- जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में NCORD से संबंधित जिलास्तरीय समिति एवं भारत-नेपाल सीमा से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में ठउडफ्ळ से संबंधित जिलास्तरीय समिति एवं भारत-नेपाल सीमा से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नो-मेन्स लैंड पर अतिक्रमण, फर्जी आधार कार्ड से संबंधित मामलों की रोकथाम, भारतीय नागरिकता एवं दोहरी नागरिकता के प्रकरण, वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम, जाली भारतीय मुद्रा की तस्करी, साइबर फ्रॉड एवं अवैध दूरसंचार गतिविधियां, म्यूल अकाउंट एवं संदिग्ध बैंक खातों की निगरानी, भारत-नेपाल सीमा पर स्थित क्षतिग्रस्त सीमा स्तंभों की मरम्मत, गायब एवं छूटे हुए सीमा स्तंभों के पुनर्स्थापन, संदिग्ध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच तथा आर्थिक एवं वित्तीय गतिविधियों की निगरानी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा, सतर्कता एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, तस्करी, फर्जी दस्तावेजों के उपयोग, जाली भारतीय मुद्रा, साइबर अपराध तथा अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ सक्रिय एवं सतत कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीमा से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखी जाए तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। साथ ही वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत सीमा से सटे गांवों में विकास कार्यों को गति देने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नो-मेन्स लैंड पर अतिक्रमण के मामलों की नियमित समीक्षा की जाए, फर्जी आधार कार्ड एवं संदिग्ध नागरिकता संबंधी मामलों की गहन जांच सुनिश्चित की जाए तथा साइबर फ्रॉड, म्यूल अकाउंट, जाली भारतीय मुद्रा, अवैध दूरसंचार गतिविधियों एवं संदिग्ध वित्तीय लेन-देन पर कड़ी निगरानी रखते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक, बेतिया श्री कुमार गौतम, वन प्रमंडल पदाधिकारी-सह-उप निदेशक, वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष्य प्रमंडल-01 एवं 02, समादेष्टा 21वीं, 44वीं, 65वीं एवं 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, निदेशक, डीआरडीए, सिविल सर्जन, ऑपरेशनल एरिया हेड, बीएसएनएल, अनुमंडल पदाधिकारी बेतिया एवं नरकटियागंज सहित विभिन्न विभागों के प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं पुलिस अधीक्षक, बगहा राजेश कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

आज से पश्चिम चम्पारण के 8 नए डिग्री कॉलेजों में शुरू होगी पढ़ाई

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा आज राज्य के 211 नवस्थापित डिग्री महाविद्यालयों में पठन-पाठन कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर पश्चिम चम्पारण के जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने मंगलवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षा बैठक की। बैठक में शिक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी ने कार्यक्रम की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि जिले के सभी नवस्थापित डिग्री महाविद्यालयों में कार्यक्रम का सफल, गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, बैठक व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र, इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की समुचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करें। जिला पदाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम है। इससे विद्यार्थियों को अपने ही प्रखंड एवं आसपास के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध होगी। इससे उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन कम होगा तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन पूरी गरिमा एवं व्यवस्थित ढंग से किया जाए ताकि यह अवसर जिले के लिए यादगार बने।

उन्होंने बताया कि पश्चिम चम्पारण जिले में भी आठ नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में पठन-पाठन कार्य का शुभारंभ किया जा रहा है। इनमें राजकीय डिग्री महाविद्यालय, मझौलिया; राजकीय डिग्री महाविद्यालय, चनपटिया; राजकीय डिग्री महाविद्यालय, योगापट्टी; राजकीय डिग्री महाविद्यालय, बैरिया; राजकीय डिग्री महाविद्यालय, ठकराहां; राजकीय डिग्री महाविद्यालय, सिकटा; राजकीय डिग्री महाविद्यालय, भितहा तथा राजकीय डिग्री महाविद्यालय, पिपरासी शामिल हैं। इन महाविद्यालयों में पठन-पाठन प्रारंभ होने से जिले के हजारों छात्र-छात्राओं को अपने क्षेत्र में ही स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा तथा उच्च शिक्षा की पहुंच और अधिक सुदृढ़ होगी।

संक्षिप्त खबरें

साठी थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर मार पीट

बेतिया।साठी थाना के गोपालपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर मां बेटी से मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पीड़िता फुलनेशा खातून के द्वारा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन्होंने दर्ज एफआईआर में बताया है कि मेरे गांव के ही कुछ लोग मेरे ही जमीन के बगल में जबरन मुन्ना यादव, विजय यादव, छोटेलाल यादव, गौतम यादव सभी मेरे जमीन पर 6 आम का पेड़ लगा दिए थे। मैं उनको नापीकर रोपने की बात कही तो सभी लोग गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान मेरा कपड़ा फट गया। तभी मेरे चिलाने पर मेरी बेटी आई जो 4 माह की गर्भवती हैं उसे भी उन लोगों ने जमीन पर पटक कर पेट पर लात मुका मारने लगे जिससे उसके पेट में दर्द हो गया। मारपीट के दौरान सोने की सीकरी भी खींच ले गए। आसपास के लोग आए तब हम लोगों की जान बची। जाते समय उन लोगों ने धमकी दिया कि पुलिस के पास जाओगी तो जान से मार देंगे। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष राजन कुमार ने बताया कि पीड़िता के द्वारा दिए गए आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ऑडिटोरियम में सजीव होगी क्रांतिकारियों की गाथा

बेतिया। चंपारण के लोगों के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि यह क्रांतिकारी की धरती रही है। अंग्रेजों से लोहा लेने में चंपारण के लोग हमेशा आगे रहे। यहां के कई क्रांतिकारियों को काला पानी की सजा हुई थी। यह सब हमारा गौरवशाली इतिहास है। हमें आने वाली पीढ़ी को इस इतिहास से अवगत कराना चाहिए ताकि हमारे वास्तविक नायक इतिहास के पन्नों में कहीं दफन ना हो जाएं। उपरोक्त बातें जिला कला एवं सांस्कृतिक पदाधिकारी श्री राकेश कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि चंपारण के क्रांतिकारी आंदोलन को लेकर चंपारण के प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ दिवाकर राय के द्वारा लिखित नाटक फनिया वध का मंचन 15 जुलाई को स्थानीय ऑडिटोरियम में होगा। इस क्रम में नाटक के निर्देशक हरिशंकर रवि उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि संगीत नाटक अकादमी और बिहार कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में यह नाटक आयोजित है। वंदे मातरम् की सार्द्धशती के अवसर पर पूरे देश में डेढ़ सौ स्थानों पर एक ही दिन एक ही समय पर नाटकों का मंचन किया जा रहा है। चंपारण में स्थानीय कलाकारों को लेकर इस फनिया वध नाटक की तैयारी की गई है। उन्होंने लोगों से इस नाटक को देखने की अपील की। सह निर्देशक कालिका और संगीत निर्देशक मोहम्मद आसिफ ने बताया कि नाटक सायं 6:00 बजे से होगा और इसमें प्रवेश पूर्णतः निशुल्क है।

त्रिवेणी नहर प्रमंडल क्षेत्र का भ्रमण कर डीएम ने लिया जायजा

रक्सौल। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल के साथ नेपाल के अधिग्रहण क्षेत्र तथा रक्सौल अनुमंडल के अंतर्गत त्रिवेणी नहर प्रमंडल क्षेत्र का भ्रमण कर जायजा लिया गया। विगत 3-4 दिनों से हो रही बारिश के कारण नेपाल के सीमावर्ती तिलावे नदी के जल स्तर में वृद्धि देखी गई। जिसके कारण त्रिवेणी नहर शाखा के बाये बॉध में कई जगह कटाव के बिंदुओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में सभी बाँधों पर कड़ी नजर बनाये रखने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया की बाढ़ प्रमंडल के अभियंता लगातार सभी बांधों पर नजर बनाए रखें एवं नाइट पेट्रोलिंग सहित लगातार चौकसी रखने के लिए समुचित व्यवस्था करें।

थाड़ी के किसानों के समर्थन में भाकपा का प्रदर्शन, मुकदमे वापस लेने की मांग

- पूर्व विधायक वीरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन, वन विभाग की कार्रवाई को बताया किसान विरोधी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। थाड़ी गांव में वन विभाग की कार्रवाई के बाद किसानों पर दर्ज मुकदमों के विरोध में सोमवार को भाकपा (माले) ने बगहा में जोरदार प्रदर्शन किया। पूर्व सिकटा विधायक वीरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकताओं ने वन विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किसानों पर दर्ज सभी मुकदमे तत्काल वापस लेने और प्रभावित परिवारों को राहत देने की मांग की। प्रदर्शन के बाद माले नेताओं ने अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि थाड़ी गांव में वन विभाग और किसानों के बीच हुए विवाद के बाद बड़ी संख्या में किसानों पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जो किसानों का उत्पीड़न है। पार्टी ने सरकार से सभी मुकदमे वापस लेने तथा किसानों के साथ न्याय करने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्षों से खेती कर रहे किसानों को अपराधी की तरह मुकदमों में फंसाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान बातचीत के माध्यम से होना चाहिए, न कि दमनात्मक कार्रवाई से। सभा को संबोधित करते हुए माले नेता पशुराम यादव, कमलेश राम, पलट राय, सुमित्रा देवी और भिखारी प्रसाद ने कहा कि किसान वर्षों से जिस भूमि पर खेती कर रहे हैं, उस पर उनके वैधानिक अधिकार सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने थाड़ी और नौरंगिया की बंदोबस्त भूमि पर किसानों को मालिकाना हक देने तथा कैलाशनगर और वाल्मीकिनगर क्षेत्र में गंडक नदी की भूमि पर लंबे समय से बसे परिवारों को वासभूमि का पर्चा उपलब्ध कराने की मांग उठाई।

स्कूल की छुट्टी के समय मुख्य सड़क पर निकला भालुओं का जोड़ा, बच्चों में मची भगदड़

- छाता चौक से गोल चौक तक अफरा-तफरी
- शोर सुनकर पोस्ट ऑफिस मार्ग से वीटीआर के जंगल में लौटे भालू
- आम के मौसम में रिहायशी इलाकों में बढ़ी वन्यजीवों की आवाजाही

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर पर्यटन नगरी में मंगलवार को स्कूलों की छुट्टी के समय उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब भालुओं का एक जोड़ा अचानक मुख्य सड़क पर निकल आया। घटना छाता चौक और गोल चौक के बीच की है, जहां एक ही समय सेंट जेवियर्स स्कूल, नदी घाटी योजना हाई स्कूल और लोवर प्राइमरी स्कूल के बच्चों की छुट्टी हो रही थी।मुख्य मार्ग पर भालुओं को देखते ही बच्चों और अभिभावकों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कई बच्चे डर के मारे शोर मचाते हुए इधर-उधर भागने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने भी सतर्कता बरतते हुए बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शोरगुल के कारण भालुओं का जोड़ा कुछ देर तक इधर-उधर भागता रहा और जंगल की ओर लौटने का रास्ता तलाशता रहा। इसके बाद दोनों भालू पोस्ट ऑफिस तथा काली की चाय दुकान के बगल वाले रास्ते से होकर सुरक्षित रूप से वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के जंगल में वापस चले गए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों आम का मौसम होने के कारण जंगल से भालू अक्सर भोजन की तलाश में रिहायशी क्षेत्रों तक पहुंच जा रहे हैं। इससे वन क्षेत्र से सटे इलाकों में वन्यजीवों की आवाजाही बढ़ गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग से स्कूलों और आबादी वाले क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने तथा वन्यजीवों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने की मांग की है।

पटना से वाल्मीकिनगर के लिए हेली सेवा शुरू, वीटीआर पर्यटन को मिलेगा नया पंख

- मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया शुभारंभ, 15 जुलाई से नियमित उड़ानें, कम समय में पहुंच सकेंगे पर्यटक

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री बिहार हेली टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना के तहत पटना से वाल्मीकिनगर (वाल्मीकि टाइगर रिजर्व) के लिए नियमित हेलीकॉप्टर सेवा की शुरूआत कर दी गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस सेवा का शुभारंभ करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य ह्यबिहार दर्शनह्न की अवधारणा को साकार करना और राज्य के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को देश-दुनिया के पर्यटकों से जोड़ना है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकिनगर बिहार की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। माता सीता के वनवास, लव-कुश की जन्मस्थली, महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि, वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के घने जंगल और थारू जनजाति की समृद्ध संस्कृति इसे देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करती है। बतादें,योजना के तहत 13 जुलाई 2026 से ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो चुकी है, जबकि 15 से 18 जुलाई से नियमित हेलीकॉप्टर उड़ानें संचालित की जाएंगी। पहले चरण में यह सेवा 15 जुलाई 2026 से 15 जनवरी 2027 तक उपलब्ध रहेगी। पटना से वाल्मीकिनगर तक प्रति यात्री किराया 5,000 से 8,000 रुपये निर्धारित किया गया है, जिस पर राज्य सरकार सब्सिडी भी उपलब्ध करा रही है। सरकार की योजना के अनुसार यह सेवा मुख्य रूप से सप्ताहांत पर संचालित होगी, जबकि पटना-वाल्मीकिनगर मार्ग पर प्रतिदिन दो उड़ानों के संचालन की भी तैयारी की गई है। भविष्य में इस हेली सेवा का विस्तार करते हुए वाल्मीकिनगर को राजगीर और कैमूर स्थित मां मुंडेश्वरी मंदिर से भी जोड़ने की योजना है।

बारिश से मुग्लिंग-नारायणगढ़ सड़क खंड अनिश्चितकाल के लिए बंद

- मलबा हटाने का कार्य जारी, बीच रास्ते में फंसे दर्जनों वाहन, जान जोखिम में डालकर पैदल आवागमन को मजबूर लोग

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मुग्लिंगझनारायणगढ़ सड़क खंड पर कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर भूस्खलन (लैंड स्लाइड) होने से मार्ग को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। सड़क पर भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें गिरने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। सड़क विभाग और संबंधित एजेंसियों की टीमें जेसीबी एवं अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने के कार्य में जुटी हुई हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहा है और दोबारा भूस्खलन की आशंका बनी हुई है। इसी वजह से प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर मार्ग को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्णय लिया है। मार्ग बंद होने से दोनों ओर कई यात्री बसें, ट्रक, मालवाहक वाहन और निजी गाड़ियां फंस गई हैं। यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि कई लोग जोखिम उठाकर भूस्खलन प्रभावित हिस्सों को पैदल पार कर अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। पहाड़ से लगातार पत्थर और मलबा गिरने की आशंका के बावजूद लोगों का इस तरह आवागमन करना हादसे का कारण बन सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि सड़क पूरी तरह सुरक्षित घोषित होने तक इस मार्ग पर यात्रा करने से बचें तथा वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। अधिकारियों के अनुसार मौसम सामान्य होने और मलबा पूरी तरह हटने के बाद ही सड़क पर यातायात बहाल करने का निर्णय लिया जाएगा।

लगातार बारिश में इंदिरा आवास की गिरा छत, पति-पत्नी समेत तीन घायल

बेतिया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालगढ़ पंचायत के वार्ड संख्या 4 में मंगलवार की सुबह लगातार हो रही बारिश के बीच एक पुराने इंदिरा आवास योजना से बने मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में पति-पत्नी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से सभी घायलों को मलबे से निकालकर इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच), बेतिया में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों की पहचान भरत पासवान (45 वर्ष), पिताझ जमाल हाजरा, उनकी पत्नी प्रभावती देवी (44 वर्ष) तथा पुत्री रोशनी कुमारी (14 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि परिवार मकान के अंदर मौजूद था, तभी जर्जर हो चुकी छत अचानक गिर पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। घटनास्थल पर पहुंचे पंचायत समिति सदस्य मुस्तफा ने पीड़ित परिवार का हालचाल जाना तथा सरकार द्वारा संचालित आवास एवं अन्य राहत योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया।

पंचायती राज विभाग के कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में पंचायती राज विभाग के कार्यों की प्रखंड द्वारा समीक्षा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला पंचयात राज पदाधिकारी राम जनम पासवान एवं सभी प्रखंड पंचयात राज पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण उपस्थित थे। जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंडो में स्थापित होने वाले सोलर स्ट्रीट लाइट के लक्ष्य के विरुद्ध शेष बचे सोलर स्ट्रीट लाइट का अधिष्ठापन कार्य कार्यकारी एजेंसी के माध्यम से शीघ्र पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अक्रियाशील लाइट को चिन्हित करते हुए उसकी सूची जिला पंचयात राज कार्यलय में उपलब्ध कराएं ताकि अक्रियाशील लाइट को क्रियाशील किया जा सके। भवन निर्माण विभाग एवं स्थनीय संगठन अभियंत्रण विभाग द्वारा ग्राम पंचयातों में पूर्ण कराये गए पंचयात सरकार भवन को शत प्रतिशत क्रियाशील रखने का निर्देश दिया गया एवं सप्ताह में 02 दिन एक-एक पंचयात सरकार भवन का निरीक्षण करने तथा यह भी सुनिश्चत कराने का निर्देश दिया गया कि पंचयात स्तर के सभी कर्मचारी यथा विकास मित्र, कृषि सलाहकार, आवास सहायक और राजस्व कर्मचारी अपने कार्यो का निष्पादन पंचायत सरकार पंचायत सरकार भवन से ही करें।

सभी प्रखंड पंचयात राज पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण को निदेशित किया गया है कि पंचयात स्तर के कर्मी पंचयात सरकार भवन पर उपस्थित होकर काम कर रहे है या नहीं, इससे संबधी प्रतिवेदन जिला पंचयात राज कार्यालय पूर्वी चम्पारण में भेजना सुनिश्चत करेंगे।

भेड़िहारी थारू टोला में 50 महिलाओं को रेजिन आर्ट का प्रशिक्षण शुरू, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

- भारतीय वन्यजीव संस्थान की एनएमसी जलज परियोजना के तहत पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ
- स्थानीय संसाधनों से हस्तशिल्प उत्पाद बनाकर आजीविका बढ़ाने पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भारतीय वन्यजीव संस्थान की एनएमसी जलज परियोजना के तहत सतपुर सोहरिया पंचायत के भेड़िहारी थारू टोला गांव में पांच दिवसीय रेजिन आर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय मुखिया रमेश महतो ने फीता काटकर किया। प्रशिक्षण में गांव की कुल 50 महिलाओं को शामिल किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य अर्थ गंगाह्न की अवधारणा को साकार करते हुए नदी और स्थानीय समुदाय के बीच आजीविका आधारित संबंध को मजबूत करना तथा महिलाओं को स्वरोजगार के लिए कौशल विकास से जोड़ना है। प्रशिक्षक प्रियंका कुमारी ने प्रशिक्षण के पहले दिन प्रतिभागियों को रेजिन आर्ट की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने महिलाओं को रेजिन का उपयोग कर कंगन, चाबी रिंग, माला, नथिया, हार सहित कई आकर्षक हस्तशिल्प उत्पाद बनाने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना शुरू किया। प्रशिक्षण के दौरान उत्पादों की गुणवत्ता, डिजाइन और बाजार की मांग के अनुरूप निर्माण की जानकारी भी दी गई। परियोजना के दौरान एनएमसी जलज परियोजना की परियोजना समन्वयक मौसमी मजूमदार तथा परियोजना सहायक मुकेश कुमार भी मौजूद रहे। परियोजना सहायक मुकेश कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण एवं थारू समुदाय की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। रेजिन आर्ट के माध्यम से तैयार किए गए उत्पादों का विपणन कर महिलाएं अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि भारतीय वन्यजीव संस्थान की जलज परियोजना केवल नदी और जैव विविधता संरक्षण तक सीमित नहीं है।

नारायणी गंडक नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी, 2.16 लाख क्यूसेक पहुंचा डिस्चार्ज

बगहा। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब नारायणी (गंडक) नदी पर साफ दिखाई देने लगा है। मंगलवार को दोपहर तक नदी के जलस्तर और डिस्चार्ज में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। बढ़ते जलप्रवाह को देखते हुए वाल्मीकिनगर गंडक बराज का कंट्रोल रूम हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है। बराज के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। दोपहर 2 बजे जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार गंडक बराज के अपस्ट्रीम में 2,16,400 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया, जो सुबह की तुलना में करीब 28 हजार क्यूसेक अधिक है। अपस्ट्रीम जलस्तर 362.00 फीट पर स्थिर रहा, जबकि डाउनस्ट्रीम जलस्तर बढ़कर 354.40 फीट पहुंच गया। वहीं डाउनस्ट्रीम से 2,00,600 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा ईएमसी नहर में 7,300 क्यूसेक तथा एमडब्ल्यूसी नहर में 8,500 क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया।

विशेष लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु चार प्रचार रथ रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। विशेष लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु चार प्रचार रथ एवं एक स्थायी लोक अदालत वाहन को दिखाई गई हरी झंडी आगामी विशेष लोक अदालत दिनांक 18 जुलाई 2026 में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 (चेक बाउंस मामलों) के अधिकाधिक निष्पादन एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से 14 जुलाई 2026 को जिला न्यायालय परिसर, मोतिहारी से चार प्रचार-प्रसार रथ तथा स्थायी लोक अदालत के लिए एक जागरूकता वाहन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्वी चंपारण श्री अभिषेक कुमार दास द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर आम नागरिकों को विशेष लोक अदालत के लाभ, चेक बाउंस मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण तथा न्यायालय के बाहर समझौते के माध्यम से समय, धन एवं श्रम की बचत के संबंध में जागरूक करेंगे। इस अवसर पर माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुरेंद्र प्रसाद, श्री राजविजय सिंह, श्री रमेश रंजन सिंह, श्री अभिषेक आनंद एवं श्री विद्या प्रसाद, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री नितिन त्रिपाठी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री पुनीत कुमार तिवारी, एसीजेएम श्रीमती श्वेता सिंह, एसीजेएम श्री प्रसेनजीत सिंह सहित न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्तागण एवं न्यायालयकर्मी उपस्थित रहे। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी श्री नितिन त्रिपाठी ने कहा कि, विशेष लोक अदालत न्याय पाने का एक सरल, त्वरित एवं प्रभावी माध्यम है। चेक बाउंस से संबंधित मामलों में यदि दोनों पक्ष आपसी सहमति से समझौता करते हैं, तो उनका विवाद शीघ्र समाप्त हो जाता है और अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचाव होता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार का प्रयास है कि अधिक से अधिक वादकारी इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान करें। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बेगमपुर मुसहरी से देसी मास्केट व कट्टा बरामद, एक गिरफ्तार

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। खड़गपुर थाना पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार देर रात बेगमपुर मुसहरी गांव में छापेमारी कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देसी मास्केट और एक देसी कट्टा बरामद किया गया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बेगमपुर मुसहरी गांव के एक घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान बेगमपुर मुसहरी निवासी निरंजन सिंह के पुत्र राकेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके कब्जे से एक देसी मास्केट और एक देसी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। सोमवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में मुंगेर जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध हथियार रखने और कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोतिहारी में पकड़ा गया फर्जी पुलिस, वर्दी पहनकर कर रहा था ड्यूटी

मोतिहारी। मोतिहारी में एक फर्जी सिपाही पकड़ा गया है। आश्चर्य की बात तो यह है कि पकड़े गए आरोपी पिछले दस दिनों से बापूधाम रेलवे स्टेशन पर पुलिस की वर्दी पहनकर ड्यूटी भी कर रहा था। पुलिस को जब इसकी सूचना मिली तो नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया। आरोपी की पहचान राजेपुर थाना क्षेत्र के इस्माइल गांव निवासी शंभू राम के पुत्र पवन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि पवन खुद भी नौकरी के नाम पर ठगी का शिकार हुआ था।पवन कुमार ने पुलिस को बताया कि वह पहले महाराष्ट्र में मजदूरी करता था। इसी दौरान उसकी मां की मुलाकात पताही निवासी हरेंद्र राम से हुई थी। हरेंद्र ने उसकी मां को भरोसा दिलाया कि उसके पटना सचिवालय में संपर्क हैं और वह सिपाही की नौकरी लगवा सकता है। इस झांसे में आकर पवन की मां ने उसे घर बुला लिया। इसके बाद पवन अपनी बहन के साथ मुजफ्फरपुर में रहकर तैयारी करने लगा। कुछ समय बाद हरेंद्र राम उसे पटना ले गया, जहां उसकी मुलाकात बासुदेव राम और उसकी पत्नी से कराई गई। यहां उससे सिपाही की नौकरी के लिए चार लाख रुपये की मांग की गई।पवन ने बताया कि उसने एक लाख रुपये फोन के माध्यम से और बाकी नकद राशि देकर कुल चार लाख रुपये का भुगतान किया था।लगभग 15 दिन पहले उसे बताया गया कि उसकी नौकरी लग गई है और उसे मोतिहारी के बापूधाम रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी करने के लिए भेज दिया गया। इसके बाद वह प्रतिदिन मुजफ्फरपुर से मोतिहारी आकर ड्यूटी करता और वापस लौट जाता था। पवन का कहना है कि उसे पूरा विश्वास हो गया था कि वह सच में पुलिसकर्मी बन चुका है और गांव में भी इसकी चर्चा होने लगी थी।

अब्जुगंज में काली मंदिर का नवनिर्माण पर प्रण प्रतिष्ठा

भागलपुर ,सुलतानगंज *अब्जूगंज काली मंदिर का नवनिर्माण कराया गया. मंदिर का नवनिर्माण के मौके पर काली मां का प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया. इस मौके पर मंदिर के पुजारी शंकर ने बताया कि मंदिर काफी पुराना था. मंदिर को नए सिरे से भव्य तरीका से नवनिर्माण कराया गया. मंदिर के नवनिर्माण के मौके पर काली प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा मंदिर में स्थापित कराया गया. इस मौके पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था.भव्य तरीके से पूजा अर्चना का आयोजन स्थानीय श्रद्धालुओं ने किया. मंदिर का नव निर्माण होने से ग्रामीणों में काफी खुशी का माहौल देखा गया. काफी संख्या में ग्रामीण मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर मां काली का आशीर्वाद प्राप्त किया.

3,792 करोड़ की फोरलेन में उद्घाटन से पहले दरार

सुल्तानगंज। हजारों करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे मुंगेर-मिजाचौकी फोरलेन की निर्माण गुणवत्ता पर उद्घाटन से पहले ही सवाल उठने लगे हैं। भागलपुर जिले सुल्तानगंज प्रखंड के गनगनिया के सामीप निमार्णाधीन डाउन लाइन (मुंगेर-भागलपुर लेन) में करीब 40 मीटर लंबी और लगभग दो इंच चौड़ी दरार मिलने से लोगों में चिंता बढ़ गई है। इतना ही नहीं, सड़क का एक हिस्सा धंस भी गया है, जिससे भविष्य में दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो दरार सामने आने के बाद उसे स्थायी रूप से ठीक करने के बजाय सीमेंट और बालू डालकर केवल ढंकने की कोशिश की गई।

लेकिन ठीक उसी के सामने सड़क फिर से फटने लगी, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। यह फोरलेन करीब 125 किलोमीटर लंबा है।

विकसित भारत समृद्ध बिहार की परिकल्पना को साकार करने हेतु मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम का किया शुभारंभ

डीएम ने अपने वरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज किया

प्रातः किरण संवाददाता

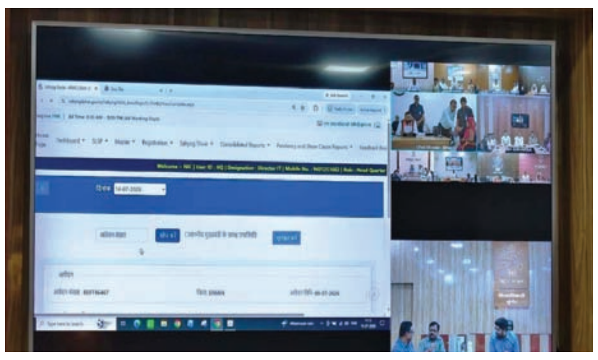

मुंगेर। विकसित भारत - समृद्ध बिहार की परिकल्पना को साकार करने तथा आम नागरिकों की शिकायतों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को मुख्यमंत्री, बिहार सम्राट चौधरी द्वारा पटना स्थित संवाद, मुख्यमंत्री सचिवालय से राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी एवं बिजेन्द्र प्रसाद यादव भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाहरणालय, मुंगेर से जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने वरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की तथा मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निदेशों का गंभीरतापूर्वक अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिया। मौके पर अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य मंत्री द्वारा बताया गया कि राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को पटना में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वैसे आवेदकों की शिकायतों की सुनवाई की जाएगी, जिनकी समस्याओं का अपेक्षित समाधान जिला स्तर पर आयोजित सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से नहीं हो सका है। ऐसे मामलों की सुनवाई सीधे सरकार द्वारा राज्य स्तर पर की जाएगी, जिससे शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में एक मजबूत व्यवस्था स्थापित हो सके। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि आवेदक सहयोग पोर्टल पर जाकर ह्यराज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रमह्ण का चयन कर अपने पूर्व में दर्ज आवेदन के रेफरेंस नंबर एवं मोबाइल नंबर के माध्यम से ह्यलॉग इनह्ण कर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

सत्यापन के उपरांत आवेदन का विवरण स्वतः उपलब्ध हो जाएगा तथा चयनित आवेदकों को कार्यक्रम की तिथि, समय एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जाएंगी।

आज के इस कार्यक्रम में सैकड़ों आवेदकों ने माननीय मुख्य मंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा जिसका उनके द्वारा त्वरित निष्पादन की कार्रवाई करायी गई। मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर प्रखंड के उत्तम कुमार भी वहां अपनी समस्या लेकर पहुँचे थे, जिनकी शिकायत पर मुख्य द्वारा त्वरित कार्रवाई के निदेश दिए गए। इधर मुख्य मंत्री के निर्देश के आलोक में जिलाधिकारी द्वारा सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनशिकायतों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा लंबित मामलों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर ही अधिकतम शिकायतों का समाधान किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से उच्च स्तर तक जाने की आवश्यकता न पड़े।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील किया है कि वे अपनी शिकायतों के निस्तारण हेतु सहयोग पोर्टल का अधिकाधिक उपयोग करें तथा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई इस जनोन्मुखी व्यवस्था का लाभ उठाएं। राज्य सरकार का यह प्रयास जनशिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नाबार्ड अधिकारी ने किया पैक्स का निरीक्षण

किसानों को योजनाओं से जोड़ने का दिया निर्देश

केसीसी और सहकारिता योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने पर दिया जोर

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेरः। नाबार्ड के अधिकारी ने रविवार को प्रखंड क्षेत्र के पैक्स का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पैक्स अध्यक्ष शाहिद मुन्ना सहित उपस्थित पदाधिकारियों को किसानों के हित में कई अहम आवश्यक निर्देश दिए। नाबार्ड अधिकारी ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि हर किसान सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो। इसके लिए पैक्स के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को सहकारिता विभाग और नाबार्ड द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से जोड़ा जाए। केसीसी को लेकर दी विस्तारपूर्वक जानकारी निरीक्षण के दौरान अधिकारी ने केसीसी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए किसानों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पैक्स अध्यक्ष को निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र के सभी किसानों को शत-प्रतिशत सहकारिता विभाग की योजनाओं से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने किसानों को जागरूक कर योजनाओं का लाभ दिलाने और लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करने को कहा। मौके पर नाबार्ड अधिकारी आलोक रंजन वरीय प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी विद्यासागर, पैक्स अध्यक्ष शाहिद मुन्ना प्रबंधक सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे।

कैलाश झा किंकर की पुण्यतिथि के अवसर पर हुआ विचार गोष्ठी सह कवि सम्मेलन

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर / खगड़िया । हिन्दी भाषा साहित्य परिषद, खगड़िया के बैनर तले स्मृति शेष कवि कैलाश झा किंकर की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विचार गोष्ठी सह कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में खगड़िया नगर परिषद की चेयरमैन अर्चना कुमारी उपस्थित थीं जबकि विशिष्ट अतिथि थे प्रभाकर प्रभात एवं दरभंगा से पधारे कवि विनोद कुमार हंसौड़ा।इस कार्यक्रम का संचालन शंकरानन्द ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्रो अनिल ठाकुर ने कहा कि खगड़िया के साहित्य को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का जैसा काम कैलाश झा किंकर ने किया वह ऐतिहासिक है।राजेन्द्र राजेश ने कहा कैलाश झा किंकर ने पत्थर में भी जीवन भरने जैसा काम किया। डॉ सुनील कुमार मिश्र ने कहा कि कैलाश झा किंकर के नहीं होने पर भी गूंजती है उनकी आवाज हवा और पानी में भी। रामकृष्ण आनंद ने कहा कि कैलाश झा किंकर ने कविता को जन जन तक पहुंचाने का काम किया।

अंगिका के माध्यम से वे लोक की भावना तक आसानी से पहुंच पाए। प्रभाकर प्रभात ने कहा कि कैलाश झा किंकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यह होगी कि खगड़िया में साहित्य की धारा अनवरत बहती रहे। विनोद कुमार हंसौड़ा ने कविता में स्मरण करते हुए कहा-सदा ही कर्मयोगी का प्रखर आदित्य होता है।कपिलेश्वर कपिल ने कहा कि कैलाश झा किंकर की उपस्थिति खगड़िया के कण कण में है। चैयरमेन अर्चना कुमारी ने कहा कि कैलाश झा किंकर की रचनाओं से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।उन्होंने जो लोगों को साहित्य से जोड़ा वह प्रेरणादायक है। शंकरानन्द ने ह्यपिता का होनाह्ण शीर्षक कविता में कहा - किसी अधलिखी चिट्ठी की तरह चाले गए पिता जिसका पूरा होना अब कभी संभव नहीं हो पाएगा।इस अवसर पर अमिराज कुमार आनंद, शशि शेखर,पूजा श्रीवास्तव,स्वराक्षी स्वरा, कंचन नंदन हर्ष,राम कुमार,ललिता कुमारी, अशोक कुमार चौधरी,संध्या किंकर,दुर्गेश नंदन,धर्मेश कुमार,मंजू देवी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर साहित्यकारों को कैलाश झा किंकर स्मृति सम्मान से सम्मानित भी किया गया। धन्यवाद ज्ञापन संध्या किंकर ने किया।

नाले के पानी का निकास नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

बीमारी का खतरा, नहीं हुआ समाधान तो चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। सदर प्रखंड के नौवागढ़ी उत्तरी पंचायत के वार्ड संख्या 17 में नाले के पानी का निकास नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है। गंदा पानी घरों में भरने और दुर्गंध फैलने से लोग परेशान हैं। ग्रामीण अरविंद कुमार शर्मा, गोपाल कुमार, सर्वेश कुमार, रूपेश कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि नाले का पानी सड़कों और घरों के आंगन में बह रहा है। इससे पूरे इलाके में गंदगी और बदबू फैल गई है। कई बार इसकी शिकायत स्थानीय मुखिया से की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रशासन पहल नहीं करेगी तो होगा आंदोलन

:ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि प्रशासन ने समस्या का समाधान नहीं किया तो वे विवश होकर चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। मौके पर दर्जनों महिला-पुरुष उपस्थित थे और सभी ने जल्द कार्रवाई की मांग की।

मामला संज्ञान में आया, जांच कर कार्रवाई होगी :

वहीं इस संबंध में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, सदर मुंगेर कुमार सौरभ ने बताया कि इसकी जानकारी हमें पहले नहीं थी। अब मामला संज्ञान में आया है। इसकी जांच कराकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विनीत सिन्हा बने नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य, मिला दो राज्यों का प्रभार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना / नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता के निर्देश पर संगठन को नया विस्तार दिया गया है। इसके तहत वरिष्ठ पत्रकार विनीत सिन्हा जो दैनिक सोनभद्र एक्सप्रेस में बिहार स्टेट ब्यूरो हेड के पद पर कार्यरत हैं, को राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य मनोनीत करते हुए उन्हें झारखंड का प्रभारी व मुंबई का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं मुंबई व हरियाणा प्रभारी धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने इस नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा कि विनीत सिन्हा लंबे समय से संगठन से जुड़े एक निष्ठावान सिपाही हैं। पूरा भरोसा है कि वे अपनी नई भूमिका से संगठन को और अधिक गतिशील व मजबूत बनाएंगे। वहीं राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य मनोनीत होने एवं झारखंड प्रभारी व मुंबई के सह प्रभारी बनने पर उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा पत्रकारों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण के लिए कार्य करना मेरी प्राथमिकता होगी। पत्रकारिता में नैतिक मूल्यों और निष्पक्ष रिपोर्टिंग को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि समाज में मीडिया की विश्वसनीयता बनी रहे। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब/डिजिटल मीडिया से जुड़े सभी पत्रकारों को समान मान्यता दिलाने के साथ-साथ पेंशन योजनाओं के सरलीकरण के लिए प्रयास किए जाएंगे। संकट के समय पीड़ित पत्रकारों को कानूनी सहायता और उनके परिवारों को आर्थिक या चिकित्सा सहयोग सुनिश्चित करवाने के लिए विशेष पहल की जाएगी। पत्रकारों पर हो रहे हमलों को रोकने और उन्हें सुरक्षित माहौल देने के लिए कड़े कानून की मांग को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही साथ संगठन का विस्तार किया जाएगा।

हवेली खड़गपुर अनुमंडल कार्यालय में विदाई व स्वागत समारोह आयोजित, स्थानांतरित कर्मियों को किया गया सम्मानित

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। अनुमंडल कार्यालय परिसर में मंगलवार को विदाई एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में स्थानांतरित अधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई, वहीं नवपदस्थापित अधिकारियों और कर्मियों का स्वागत किया गया। लव कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) राजीव रोशन ने की। इस अवसर पर उन्होंने स्थानांतरित कर्मियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में एसडीओ ने कहा कि स्थानांतरण सरकारी सेवा का एक सामान्य और सतत हिस्सा है। सभी कर्मियों ने अपने कार्यकाल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन किया है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

उन्होंने नवपदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मियों का स्वागत करते हुए उनसे जनहित से जुड़े कार्यों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील तारीके से निष्पादन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

विदाई प्राप्त करने वाले कर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और अनुमंडल कार्यालय के अधिकारियों तथा सहकर्मियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह का माहौल भावुक होने के साथ-साथ आत्मीयता से भी भरपूर रहा। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्थानांतरित कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

राधा कृष्ण मंदिर विकास समिति की बैठक संपन्न ,श्रावणी मेला को लेकर पीएचडी विभाग के एसडीओ ने किया स्थल निरीक्षण

भागलपुर सुल्तानगंज *विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला में महज 18 दिन शेष होने पर पीएचडी विभाग के एसडीओ रुही कुमारी एवं कार्यपालक सहायक नमामि गंगा घाट, अजगैबीनाथ गंगा घाट, प्रखंड मुख्यालय परिसर, कृष्णगढ़, कांवड़िया धर्मशाला सहित अन्य जगहों पर जाकर पीएचडी विभाग द्वारा बनायें गये स्थाई शौचालय, चापानल व्यवस्था का निरीक्षण कर जायजा लेते हुए संवेदक को डाट फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द मरम्मती कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिये/इस दौरान पीएचडी विभाग के एसडीओ रुही कुमारी ने बताया कि श्रावणी मेला से पुर्व सारी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएगी/कांवड़ियों को शौचालय, पानी की प्रायाप्त सुविधाएं दी जाएंगी की बात कही/इस मौके पर दर्जनों कर्मी मौजूद थे।

टेटिया बंबर में आज मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी ममता कुमारी करेंगी दो डिग्री कॉलेजों के शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

हवेली खड़गपुर/ टेटिया बंबर (मुंगेर)।टेटियां बंबर प्रखंड में आज एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी ममता कुमारी दो नव स्थापित डिग्री कॉलेजों के शैक्षणिक सत्र का विधिवत शुभारंभ करेंगी। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।जानकारी के अनुसार, जगन्नाथ डिग्री कॉलेज, बनहरा तथा रंगनाथ डिग्री कॉलेज में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ ममता कुमारी के कर-कमलों से किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्राचार्य, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंच व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। स्थानीय लोगों का मानना है कि इन दोनों डिग्री कॉलेजों में नियमित शैक्षणिक सत्र शुरू होने से टेटियां बंबर एवं आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे क्षेत्र में उच्च शिक्षा को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

सुल्तानगंज के मुख्य चौक बाजार में भीषण जाम, एक घंटे तक थमी रफ्तार; धूप में राहगीर और स्कूली बच्चे बेहाल

भागलपुर जिले के सुल्तानगंज शहर के एनएच-80 स्थित मुख्य चौक बाजार में मंगलवार दोपहर करीब एक बजे भीषण जाम लगने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। चारों दिशाओं से वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण छोटी-बड़ी गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। जाम के कारण बाजार आने वाले लोगों के साथ-साथ अपने गंतव्य की ओर जाने वाले राहगीर भी घंटों फंसे रहे। चिलचिलाती धूप में स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। मुख्य चौक से घाट रोड, स्टेशन रोड, अपर रोड और थाना रोड तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे पूरे शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई।स्थानीय लोगों का आरोप है कि ऑटो और टोटो चालकों की मनमानी जाम का प्रमुख कारण बनी।

पुलिस आवासन पर तैयारी नदारद, पुलिसकर्मी को ठहरने में परेशानी की आशंका

भागलपुर सुल्तानगंज। श्रावणी मेला में सुरक्षा व्यवस्था में तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों के लिए मेला क्षेत्र में कई जगहों पर आवासन की व्यवस्था किया गया है. पुलिस कर्मियों के अवसान स्थल पर बिजली पानी शौचालय के साथ साफ सफाई का बेहतर इंतजाम करने का निर्देश वरीय अधिकारियों द्वारा दिया गया है.

मेला शुरू होने में महज 16 दिन शेष बचे है.मंगलवार को बीडीओ संजीव कुमार और थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने संयुक्त रूप से पुलिस आवासन केंद्र का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने ने बताया कि पुलिस आवासन केंद्र पर जो व्यवस्था किया जाना है उसमें कमी पाई गई है संबंधित एजेंसी को अभिलंब पुलिस अवसान पर बेहतर व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है. लगभग 8 से 10 स्थान पर अवसान केंद्र बनाया गया है. मालूम हो कि इस बार बड़े पैमाने पर सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम मेला क्षेत्र में रहेगा ।

नपं अकबरनगर में 2.49 करोड़ रुपये से बनेगा प्रशासनिक भवन गंगापुर गांव के पास जमीन चिन्हित, निर्माण के लिए आमसभा

प्रातः किरण संवाददाता

भागलपुर अकबरनगर। नपं अकबरनगर को गठन के चार वर्ष बाद नपं प्रशासन को प्रशासनिक भवन निर्माण का याद आया.भवन निर्माण के लिये जमीन चिन्हित करने मे दो वर्ष गुजार दिये. स्थायी प्रशासनिक भवन निर्माण के लिये चिन्हित जमीन का एनओसी के लिये सीओ कार्यालय का चक्कर लगा रहे है.इस साफ जाहिर होता है कि प्रशासनिक भवन निर्माण मे अधिकारी और जनप्रतिनिधियों का कितना रुचि है.जब भवन निर्माण का रास्ता साफ हो गया तब एनओसी लेने का याद आया. नगर पंचायत मे आमसभा कर अधिकारी ने इसकी जानकारी आम लोगों को दिया है.

बताया गया कि सर्वसम्मति से गंगापुर गांव के पास स्थित 35 डिसमिल जमीन प्रशासनिक भवन निर्माण के लिये चिन्हित किया गया है. एनओसी मिलने के बाद भवन निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू होगी.नपं के प्रशासनिक भवन निर्माण के लिए 2 करोड़ 49 लाख 85 हजार रुपये फंड स्वीकृत किया गया है. 25 लाख रुपये की पहली किस्त विभाग ने जारी किया है. उपयुक्त जमीन के चयन में विलंब होने के कारण भवन निर्माण कार्य लपका था. मालूम हो कि वर्तमान में नपं कार्यालय पुस्तकालय भवन के दो छोटे कमरों चल रहा है. बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी निशांत कुमार, चेयरमैन प्रतिनिधि अंजीत कुमार, उपाध्यक्ष अनिल कुमार, वार्ड पार्षद एवं नगरवासी मौजूद रहे।

पैक्स अध्यक्षों ने बीसीओ विद्यासागर को दी भावभीनी विदाई

भाई बनकर जोड़ा, ईमानदारी से काम करने की दी प्रेरणा : पैक्स अध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। सदर प्रखंड के श्रीमतपुर पंचायत स्थित मनरेगा भवन में मंगलवार को प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी विद्यासागर के स्थानांतरण के बाद भव्य विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद शाहिद आलम ने की जबकि संचालन सुधीर सिंह ने किया। इस दौरान विभिन्न पैक्स अध्यक्षों ने बीसीओ को माला पहनाकर, अंगवस्त्र एवं अन्य सामग्री देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी।

एक धागे में मोतियों की तरह पिरोकर आगे बढ़ाया :

समारोह में उपस्थित पैक्स अध्यक्षों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे पदाधिकारी संयोग से ही मिलते हैं। उन्होंने कहा सर ने कभी खुद को पदाधिकारी नहीं बल्कि एक भाई समझकर हम सभी पैक्स अध्यक्षों को एक धागे में मोतियों की तरह पिरोकर आगे बढ़ाया है। पैक्स अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद ने कहा कि आज मैं पटना से दिल्ली तक जो सफर कर पाया हूं वह सिर्फ मिजार्पुर वरदह पैक्स और बीसीओ सर की वजह से है। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। जहां भी रहें खुशहाल रहें। वहीं पैक्स अध्यक्ष फैजी अली ने कहा कि कम समय में ही सर से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला।अपने विदाई संबोधन में बीसीओ विद्यासागर ने कहा कि आप लोगों ने जो सम्मान दिया उसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। आप लोग ईमानदारी से आगे बढ़ें। जब भी मेरी जरूरत पड़ेगी मुझे याद करें, मैं हमेशा सहयोग करूंगा। मौके पर पैक्स अध्यक्ष मोहम्मद फैज अली पिंकू, सुमित कुमार, रंजीत राय, पैक्स प्रबंधक जियाउल रहमान, परवेज हयात पूर्व पैक्स अध्यक्ष गणेश सिंह, विवेक यादव सहित बड़ी संख्या में पैक्स प्रबंधक एवं अध्यक्ष उपस्थित थे।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमंडल संख्या–02, पटना का कार्यालय
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या– 22 वर्ष 2026–27
(विशेष शर्त्त मद एवं मात्रा के लिए वेबसाईट State.bihar.gov.in/prdbihar देखें)

समुचित श्रेणी मे निबंधित संवेदको / ख्याति प्राप्त फर्मों / कम्पनियों से दिनांक **24.07.2026** के अपराह्न 1.00 बजे तक निर्देशानुसार निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद कोटेशन अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, पटना का कार्यालय एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा और उसी दिन 3.00 बजे अपराह्न मे कोटेशनदात्ताओं या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा।

कोटेशन का मुल्य (रुपये में) – प्रत्येक कार्य क्रमांक के कोटेशन–पत्र के साथ कोटेशन मूल्य ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (O-GRAS) के माध्यम से (कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल संख्या–02, पटना) के पदनाम से जमा करना अनिवार्य होगा, जो कोटेशन प्रकाशन की तिथि के बाद का होना चाहिए। कोटेशन प्रकाशन के पूर्व के निर्गत ओ–ग्रास (O-GRAS) का कम्पयूटराईज्ड प्राप्ति रसीद पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। कोटेशन मूल्य संवेदक के द्वारा कुल कोटेड राशि के अनुसार होगा, जो निम्न प्रकार है :– रू0 0 से रू0 50,000 तक– रू0 250 /–, रू0 50,001 से रू0 2,50,000 तक– रू0 500 /–, रू0 2,50,001 से रू0 5,00,000 तक– रू0 750 /–, रू0 5,00,001 से रू0 10,00,000 तक– रू0 1,250 /–, रू0 10,00,001 से रू0 15,00,000 तक– रू0 2,500 /– कोटेशन कागजात के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

कार्य का विवरणी :–

Sl No.	Name of Work/Specifiation
01-	Supply of Kitchen Appliances and (All Type Crockery and Another Material) in 01 Anney Marg, Patna for the Year 2026-27.
02-	Supply of Home Furniture and Furnishing and Other Goods Material in Main Building at 01 Anney Marg, Patna for the Year 2026-27.
03-	Emergent Work in Residence No.- 01 Anney Marg (Lok Sewak Awas) Under Central Building Division No.-02, Patna for the Year 2026-27.

PR. No. 007740 (BCD) 2026-27

कार्यपालक अभियंता,
केन्द्रीय भवन प्रमण्डल संख्या– 02, पटना

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

सुरक्षित जीवन अपनाओ, अपनी नियमित एच.आई.वी. जाँच कराओ।

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से किशोर की मौत मुआवजे की मांग, सड़क जाम

दरभंगा। मब्बी थाना क्षेत्र के हरपुर चौक पर मंगलवार सुबह करंट लगने से 15 वर्षीय किशोर सुजीत कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक गांव निवासी भट्टू मांझी का पुत्र था। बताया जाता है कि वह सुबह शौच से लौटने के दौरान एक कैफे के बाहर पहुंचा, जहां झालर के लिए बिछाई गई बिजली की तार टूटकर लोहे के ढांचे से सट गई थी। लोहे में करंट प्रवाहित होने के कारण उसके संपर्क में आते ही किशोर की मौत हो गई।घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शव को दरभंगा-कमतौल मुख्य मार्ग पर रखकर बांस-बल्ला लगाते हुए सड़क जाम कर दिया और कैफे संचालक से मुआवजे की मांग की। सूचना पर पहुंचे मब्बी थाना अध्यक्ष रौशन कुमार ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। बाद में कैफे संचालक एवं जमीन मालिक द्वारा पीड़ित परिवार को मुआवजा देने का आश्वासन मिलने के बाद जाम समाप्त हुआ।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। बताया गया कि कैफे पिछले दो दिनों से बंद था और संचालक को करंट प्रवाहित होने की जानकारी नहीं थी। थाना अध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है तथा मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था, जिसकी असामयिक मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई, अंग्रेजी बीयर के साथ तस्कर गिरफ्तार

शेरघाटी। शेरघाटी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के खिलाफ अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के लिए गंज चट्टी से एक व्यक्ति को 24 लीटर अंग्रेजी बीयर के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजय चौधरी, पिता कैलाश चौधरी, निवासी लिए गंज चट्टी के रूप में हुई है। गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध रूप से अंग्रेजी बीयर का भंडारण एवं बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की, जहां से विभिन्न ब्रांड की कुल 24 लीटर अंग्रेजी बीयर बरामद की गई। बरामद शराब में गॉड फादर), ऑफिसर्स चॉइस तथा रॉयल स्टैग ब्रांड की बीयर शामिल है। पुलिस ने मौके से शराब जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून प्रभावी है। ऐसे में अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध शराब के निर्माण, भंडारण या बिक्री की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें।

चाकूबाजी मामले में नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

शेरघाटी। शेरघाटी थाना क्षेत्र के चेरकी मुख्य मार्ग स्थित दरियापुर के पास हुए चाकूबाजी मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत बाल सुधार गृह भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुरमामा गांव निवासी शनि कुमार के रूप में की गई है।जानकारी के अनुसार कुछ दिनों पूर्व दरियापुर के समीप एक छात्र पर चाकू से हमला किया गया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद घायल छात्र को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए शेरघाटी पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की।जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके आधार पर नाबालिग आरोपी शनि कुमार को हिरासत में लिया गया। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसकी संलिप्तता सामने आने के बाद उसे किशोर न्याय अधिनियम के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिव्या अपहरण कांड के मुख्य आरोपी राहुल को मिली जमानत

शेरघाटी।दिव्या अपहरण कांड के मुख्य आरोपित राहुल कुमार को शेरघाटी की एसीजेएम-1 अदालत से जमानत मिलने के बाद मृतका के परिजनों में नाराजगी व्यक्त किया है. एसीजेएम-1 राजेश कुमार सिंह की अदालत ने राहुल कुमार की जमानत याचिका स्वीकार कर उसे राहत प्रदान की गई है. जमानत की जानकारी मिलने के बाद दिव्या के परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए वरीय अधिकारियों को शिकायत भेजी है.

बढ़ते जलस्तर से कुशेश्वरस्थान पूर्वी में जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त, स्कूल बंद होने के कगार पर

प्रातः किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा) ।नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार बारिश और कोसी बैराज से छोड़े गए पानी का असर अब कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड में दिखने लगा है. कोसी और कमला बलान नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि से बाढ़ का पानी निचले इलाकों में फैल रहा है. इससे जनजीवन प्रभावित हो गया है और ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर आवागमन पर पड़ा है. इटहर पंचायत के इटहर, चौकिया और लक्ष्मीनिया गांवों का प्रखंड मुख्यालय से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है. इन गांवों के लोगों के लिए अब नाव ही आने-जाने का एकमात्र साधन बची है. जरूरी सामान लाने, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और बच्चों को स्कूल भेजने में भी लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। बाढ़ का असर शिक्षा पर भी दिख रहा है. प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीनिया के परिसर में बाढ़ का पानी घुस गया है. जिससे वहां पढ़ाई बाधित हो गई है. वहीं प्राथमिक विद्यालय इटहर पोखर चारों तरफ से पानी से घिर गया है. बच्चों और शिक्षकों के लिए स्कूल तक पहुंचना जोखिम भरा हो गया है. प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सबसे जरूरी है. यदि जलस्तर और बढ़ता है तो प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीनिया और प्राथमिक विद्यालय इटहर पोखर को एहतियातन बंद कर दिया जाएगा। कमला बलान के पश्चिमी तटबंध के पूर्व स्थित इटहर, उसरी, उजुआ सिमरटोका और तिलकेश्वर पंचायतों के निचले इलाकों में पानी तेजी से फैल रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि अगर नदी का जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ा तो कई और गांवों का संपर्क भी टूट सकता है. इससे बड़ी आबादी प्रभावित होगी। लोगों ने प्रशासन से राहत और बचाव कार्य तेज करने की मांग की है. साथ ही पर्याप्त नावों की व्यवस्था, प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, पेयजल, दवा और अन्य जरूरी सुविधाएं देने की मांग की गई है. प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. राजस्व कर्मियों को क्षेत्र में तैनात किया गया है. जरूरत पड़ने पर राहत सामग्री और नाव भेजी जाएगी. फिलहाल बढ़ते जलस्तर को लेकर इलाके में चिंता और अनिश्चितता का माहौल है. इस संबंध में सीओ राकेश रोशन भारती ने बताया कि क्षेत्र से नाव की मांग जैसे ही आता है वहा नाव दिया जयगा साथ ही उन्होंने कहा कि बाढ़ की जलस्तर में बृद्धि हो रही है नजर बनाए हुए है . लोग नदी किनारे बच्चे को नही जाने दे शौच के लिए या नहाने के दौरान भी घटना हो सकती है इसीलिए लोग सतर्क रहें।

शेरघाटी में 2700 बोरी यूरिया और 1300 बोरी एनपीके खाद का वितरण, बीएओ बोले- पर्याप्त आपूर्ति की जा रही

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटीः प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित बिस्कोमान कृषक सेवा केंद्र में मंगलवार को किसानों के बीच बड़े पैमाने पर उर्वरक का वितरण किया गया। खेती के मौसम को देखते हुए बड़ी संख्या में किसान खाद लेने पहुंचे, जहां प्रशासन की निगरानी में व्यवस्थित तरीके से वितरण कराया गया।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीएओ) अम्बुज कुमार सिंह ने बताया कि अब तक किसानों के बीच 2700 बोरी यूरिया तथा 1300 बोरी एनपीके खाद का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किसानों को निर्धारित नियमों के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जा रही है और वितरण प्रक्रिया लगातार जारी है।बीएओ ने बताया कि खेती के मौसम में उर्वरक की मांग बढ़ना स्वाभाविक है। इसी कारण केंद्र पर किसानों की भीड़ अधिक देखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने और वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन का सहयोग लिया जा रहा है, ताकि सभी किसानों को बिना किसी परेशानी के खाद उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धैर्य बनाए रखें और अपनी बारी आने पर ही खाद प्राप्त करें। साथ ही कहा कि विभाग की ओर से उर्वरक की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी किसान को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन ने भी किसानों से व्यवस्था बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को मिलेगा आर्थिक मदद

औरंगाबाद। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस की अध्यक्षता में मंगलवार को सामाजिक पुनर्वास प्रबंधन गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास एवं सहायता से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में वन स्टॉप सेंटर, औरंगाबाद की केंद्र प्रशासक ने जानकारी दी कि घरेलू हिंसा से पीड़ित वे महिलाएं, जिनका मामला वन स्टॉप सेंटर में दर्ज है, उन्हें रोजगार एवं चिकित्सा सहायता के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी 27 आवेदिकाओं को अगली बैठक की तिथि पर वन स्टॉप सेंटर, औरंगाबाद में उपस्थित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी आवेदिकाएं अपने आधार कार्ड के साथ बैठक में आएंगी, ताकि सहायता प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके ।बैठक में जिला अभियोजन पदाधिकारी, अमला सिंह, जिला परियोजना प्रबंधक विनय प्रताप सिंह, केंद्र प्रशासक कांति कुमारी तथा कमिटी सदस्य किरण कुमारी (पथ प्रदर्शक एनजीओ, औरंगाबाद) सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समारोह पूर्वक मनाया गया मालती धारी कॉलेज का 70वाँ स्थापना दिवस

क्षेत्र में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जाना जाता है एमडी कॉलेज : मंत्री

प्रातः किरण संवाददाता

नौबतपुर :- गोपाल विद्यार्थी. स्थानीय मालती धारी कॉलेज में प्राचार्य डॉ अखिलेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को महाविद्यालय का 70वाँ स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। मौके पर आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार के उच्च शिक्षा मंत्री संजय कुमार सिंह समेत विशिष्ट अतिथि पटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अबू बकर, सुदर्शनाचार्य जी महाराज, मोहन सिंह, डॉ. राजीव कुमार सिंह, प्रो. सीता सिन्हा एवं प्रो. कन्हैया प्रसाद ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किए ।प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुमार ने अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय की 70 वर्षों की यात्रा, शैक्षणिक उपलब्धियों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य अतिथि संजय कुमार सिंह ने कहा कि मालती धारी कॉलेज ने क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन एवं नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। समारोह के दौरान महाविद्यालय की विभिन्न इकाइयों एवं गतिविधियों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया।

मौके पर छात्र संसद के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजीव कुमार रंजन, राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. कुमारी भारती, राष्ट्रीय कैडेट कोर की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. श्वेता बाला तथा स्पोर्ट्स प्रभारी डॉ. गोरख राम के नेतृत्व में संचालित गतिविधियों की अतिथियों ने सराहना की। इस दौरान डॉ. कुमारी भारती द्वारा लिखित पुस्तक विकसित भारत 2047 और भारतीय ज्ञान परंपरा का अंतसर्बंध का अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया। अतिथियों ने पुस्तक को विकसित भारत की संकल्पना एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित एक महत्वपूर्ण अकादमिक कृति बताया।

मौके पर कुलसचिव प्रो. अबू बकर सहित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता बाला व धन्यावाद ज्ञापन डॉ. विकास कुमार ने किया।समारोह में डॉ. राजीव कुमार रंजन, डॉ. गोरख राम, डॉ. संयुक्ता मयूरी, डॉ. ऋषिकेश, डॉ. कुमारी भारती, डॉ. अंकित एवं डॉ. अभय झा सहित अन्य शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

शैक्षणिक मजबूती के लिए विद्वत परिषद ने लिए कई निर्णय

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. के अध्यादेश एवं विनियमावली को विद्वत्परिषद् की हरी झंडी

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा।कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक दरबार हॉल में मंगलवार को कुलपति प्रो. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित विद्वत्परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों के बाद कई पाठ्यक्रमों के अध्यादेश व विनिमावली में साफ बदलाव दिखेंगे। लोकभवन, पटना से समय समय पर जारी आदेशों- निदेर्शों के आलोक में शास्त्री व आचार्य पाठ्यक्रमों में लाये जाने वाले संशोधनों पर बैठक में परिषद की मुहर लग गई। इस तरह अब नए स्वरूप में कार्यों का निपटारा होगा।उक्त जानकारी देते हुए पीआरओ डॉ निशिकांत ने बताया कि मूलरूप से करीब 20 एजेंडों को परिषद के पटल पर रखा गया था जिसमें अधिकांश प्रस्ताव लोकभवन के आदेश निर्देश से ही सम्बन्धित थे।कुलसचिव सह सचिव डॉ. दिनेश झा द्वारा गणपूर्ति की सूचना देने के बाद वैदिक मंगलाचरण एवं सरस्वती पूजन से कार्यक्रम की शुरूआत की गई।बैठक में सर्वप्रथम विद्वत्परिषद् की 03 अगस्त 2024 दिवसीय कार्यवाही एवं कार्यान्वयन प्रतिवेदन की सम्पुष्ट किया गया। इसी तरह लोकभवन पटना द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम सम्बन्धी आवश्यक दिशानिर्देश तथा प्रवेश अध्यादेश आदि अधिसूचना को सदस्यों द्वारा पारित कर दिया गया। वहीं, दो वर्षीय (4-सेमेस्टर) तथा एक वर्षीय (2-सेमेस्टर)स्नातकोत्तर (पी.जी.) पाठ्यक्रमों के प्रारूप अध्यादेश एवं विनियमों पर भी सदस्यों की स्वीकृति मिल गई।इसी तरह एकीकृत अध्यादेश एवं विनियम पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया, 2026 को भी अनुमोदित कर दिया गया। 2026-27 से समर्थ पोर्टल के माध्यम से संस्कृत विश्वविद्यालय में सभी शैक्षणिक कार्यों के संपादन पर आम सहमति रही। महत्वपूर्ण कदम यह रहा कि समर्थ पोर्टल हेतु विभाग,महाविद्यालय-वार (विषयवार स्थान,सीट) छात्रों के सीटों को निर्धारित किया गया। साथ ही दो वर्षीय उपशास्त्री के संशोधित पाठ्यक्रम को अनुमोदित करते हुए क्रियान्वयन पर भी स्वीकृति प्रदान की गई। शिक्षाशास्त्र विभाग में आईटीईपी पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने पर भी आमसहमति रही। पदोन्नति हेतु संकायाध्यक्षों द्वारा निर्मित विषय विशेषज्ञों की सूची को अनुमोदित करते हुए अग्रिम कार्यवाही के लिये सदस्यों द्वारा कुलपति को ही अधिकृत कर दिया गया। द्विवर्षीय संशोधित शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम को भी परिषद की हरी झंडी मिल गयी। बैठक में धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष सह शोध प्रभारी प्रो. दिलीप कुमार झा ने अध्यक्षानुमत्या विश्वविद्यालय में ललित कला एवं संगीत विभाग को जागृत करने का मुद्दा उठाया।

पूर्व मंत्री राजकुमार महासेठ की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा हुई आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय वैश्य महासभा की ओर से स्काडा बिजनेस सेंटर सभागार में पूर्व मंत्री स्व. राजकुमार महासेठ की आठवीं पुण्यतिथि के मौके पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्य सरकार के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि स्व. राजकुमार महासेठ एक विशाल व्यक्तित्व के धनी थे। वे अपने विरोधियों के साथ भी सम्मान और प्यार और सहयोग का भाव रखते थे। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री समीर महासेठ ने कहा कि राजकुमार महासेठ मेरे पिता ही नहीं बल्कि हमारे गुरु भी थे। उन्होंने हमेशा ही परोपकार और जनहित को आगे रखकर बिना किसी समझौते के समाज के अंतिम व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्य करते रहने की शिक्षा और प्रेरणा दी।

वहीं पूर्व मंत्री समाजवादी नेता रामचंद्र पूर्वे ने स्व. महासेठ के जीवन वृत पर रौशनी डालते हुए कहा कि वे राज्य सरकार में मंत्री बनकर भी उन्होंने समाज की सेवा की। वहीं महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जगन्नाथ गुप्ता ने कहा कि राजकुमार महासेठ संकल्प साधना और समाज सेवा व समर्पण के विचार पुंज थे। बनारस हिन्दू जैसे विश्वविद्यालय से पढ़ाई करने के बाद समाज, शिक्षा और व्यवसाय सबको आगे बढाने का जो कार्य किया है, वह हम सबके लिए प्रेरणा का विषय है।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पीके चौधरी, ई. सुंदर साहू, प्रदेश युवा अध्यक्ष मंजीत आनन्द साहू, विधायक डॉ. प्रकाश चंद्रा, राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता, स्मिता पूर्वे, कमल नोपानी, हाकिम प्रसाद, अरविंद कुमार निराला, अनन्त कुमार गुप्ता, भूपाल भारती, अमृतेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में वैश्य समाज के पदाधिकारी एवं बुद्धिजीवी मौजूद रहे।

राजद युवा राज्य कार्यकारिणी की बैठक संपन्न, पार्टी नेताओं ने भरी हुंकार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजद प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को राजद युवा राज्य कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने युवा साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा संगठन को जनउद्देश्य और जन सरोकार दोनों को आत्मसात करते हुए संगठन को धारदार और मजबूत बनानी है। हमें गर्व है कि बिहार प्रदेश राष्ट्रजीय जनता दल को तेजस्वी प्रसाद यादव जैसा उजार्वान नेता मिला है जो विलक्षित प्रतिभा के हैं सो पार्टी को प्राप्त है। राजद सदैव वंचित, उपेक्षित, लांक्षित वर्गो का प्रतिनिधित्व किया है। हमसभी जाति, धर्म को लेकर चलते भी हैं और जो मुख्य धारा से कटे हुए लोग हैं, शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं उन्हें मुख्य धारा में लाना हमारी पहली प्राथमिकता है। युवा संगठन हमारी रीढ हैं, और रीढ़ जितना मजबूत होगा दल जनउदेश्यों को लेकर के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। युवा राजद ने कार्यकारिणी की बैठक में कई प्रस्ताव रखे हैं। प्रस्ताव में कहा कि प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढावे की चोरी से पूरा देश मर्माहत है। बिहार की भाजपा सरकार बिहार के हर तबके के लोगों को झूठे वादे और हसीन सपने दिखाकर जो धोखा दिया है। इस कृत की युवा राजद निंदा करती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय कुशवाहा ने कहा कि भाजपा ने युवाओं को धोखा दिया। न दो करोड़ नौकरी मिली न 15 लाख रूपया। बैठक को उदय नारायण चौधरी, एमएलसी डॉ सुनील सिंह, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, विधायक रणविजय साहू, अमरेन्द्र कुमार कुशवाहा, गौतम कृष्ण, मो आसिफ, कारी सोहैब सहित अन्य ने संबोधित कियाकार्यक्रम की अध्यक्षता युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव ने की। इस अवसर पर तमाम नेताओं को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष, प्रधान महासचिव, पार्टी के प्रदेश पाधिकारी उपस्थित थे।

पिछड़ा-अतिपिछड़ा समुदाय के हित को लेकर लोजपा आर संवेदनशील : सत्यानंद

खगड़िया। अतिपिछड़ों की गोलबंदी राष्ट्रीय स्तर पर करने का अभियान लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने शुरू किया है। उक्त बातें मंगलवार को लोजपा-(रा) पिछड़ा-अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ द्वारा खगड़िया के महेशकूट के राज मानस हॉल के सभागार में समीक्षा कार्यक्रम में बोलते हुए लोजपा-(रा) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ सत्यानंद शर्मा, युवा लोजपा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान, पिछड़ा- अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव मनोज कुमार, पिछड़ा-अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव मो अफरोज आलम, पिछड़ा-अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शंकर शर्मा ने कहा कि हमारे नेता और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का अभियान शुरू हुआ है।

सदस्यता अभियान शुरू करके संगठन को बढ़ाना। पिछड़ा-अतिपिछड़ा दलित और गरीबों के लिए जो नारा दिया गया है उसे मूर्त रूप में उतारा जा रहा है। पार्टी का मजबूत आधार तैयार किया जा रहा है। अतिपिछड़ा समाज का 36 फीसदी के साथ पिछड़ा, दलित, गरीबों का 85 फीसदी वोट बैंक पर पार्टी काम कर रही है।

नीतीश कुमार ने जदयू जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार की दिवंगत धर्मपत्नी को दी श्रद्धांजलि

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को नालंदा जिले के हिलसा प्रखंड अंतर्गत केसोपुर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के पुराने साथी एवं जिला उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार की दिवंगत धर्मपत्नी एवं पूर्व मुखिया स्वर्गीय लालती देवी के बरखी कार्यक्रम में शामिल होकर उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी, उनका ढांढस बंधाया तथा दिवंगत पुण्यात्मा की शांति एवं शोक-संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी तथा विधायक कृष्ण कुमार सिंह उर्फ प्रेम मुखिया भी उपस्थित रहे।

पीएचडी को अनिवार्य योग्यता बनाने की मांग, सहायक प्राध्यापक अभ्यर्थियों का कैंडल मार्च

दरभंगा। सहायक प्राध्यापक बहाली में न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के रूप में पीएचडी अनिवार्य करने तथा बहाली प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर बिहार राज्य सहायक प्राध्यापक अभ्यर्थी संघ के बैनर तले मंगलवार की संध्या ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर स्थित चौरंगी से आयकर चौराहा तक कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में पैट अभ्यर्थी, पीएचडी धारक, शोधार्थी और सहायक प्राध्यापक पद के अभ्यर्थी शामिल हुए। हाथों में मोमबत्तियां और तख्तियां लेकर प्रदर्शनकारियों ने सरकार की उच्च शिक्षा बहाली नीति के विरोध में नारेबाजी की।अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि वर्तमान बहाली नियमावली से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। उनका कहना था कि यूजीसी रेगुलेशन-2018 के अनुरूप सहायक प्राध्यापक नियुक्ति के लिए पीएचडी को अनिवार्य योग्यता बनाया जाए तथा रेगुलेशन के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 10वीं और 12वीं के अंकों को बहाली में शामिल किए जाने का भी विरोध किया और इसे उच्च शिक्षा के मानकों के विपरीत बताया।प्रदर्शनकारियों ने आठ सूत्री मांगपत्र में सहायक प्राध्यापक नियमावली-2026 को रद्द करने, वर्तमान बहाली प्रक्रिया पर रोक लगाने, डोमिसाइल नीति लागू करने, स्थायी नियुक्तियां शीघ्र शुरू करने, अधिकतम आयु सीमा 55 वर्ष निर्धारित करने तथा विश्वविद्यालय स्तर पर पैट परीक्षा के माध्यम से पीएचडी नामांकन की व्यवस्था लागू करने की मांग की। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

टिकट चेकिंग अभियान में आरा स्टेशन पर 678 बिना टिकट व अनियमित टिकट यात्री धराए, वसूला गया जुर्माना

दानापुर। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल उचित टिकट/प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर निरंतर सजग व कार्यरत है। इस संबंध में बिना टिकट/उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने के विरुद्ध दानापुर मंडल में निरंतर टिकट चेकिंग कार्य सघनतापूर्वक कराया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 14.07.2026 (मंगलवार) को वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक दानापुर के निर्देशनुसार दानापुर मंडल के पटना-पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड के आरा स्टेशन पर वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ की एक विशेष टिकट चेकिंग टीम बनाकर एक विशेष टिकट चेकिंग स्पेशल ट्रेन (लाल गाड़ी) के साथ एक सघन टिकट जाँच अभियान चलाया गया। इस दौरान इस स्टेशन से गुजरने वाली लगभग सभी ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव लेकर प्रमुखता से चेक किया गया। इस विशेष लाल गाड़ी टिकट चेकिंग अभियान में 678 बिना टिकट/अनियमित टिकट वाले यात्रियों से जुमार्ने के रूप में 389035/- रुपए रेल राजस्व अर्जित किया गया । इस विशेष टिकट चेकिंग अभियान के परिणामस्वरूप पटना-पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड के सभी स्टेशनो के टिकट काउंटरों पर यात्रियों की बढी हुई भीड़ देखी गई और यात्री उचित टिकट लेकर रेल यात्रा करने के प्रति जागरूक हुए हैं ।

जगन्नाथ महाकथा के प्रथम दिन भक्तों को सुनाई गयी भगवान की प्रकट लीला

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आयोजित होनेवाले भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा महोत्सव के पहले दिन भगवान जगन्नाथ महाकथा के पहले दिन परम भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज ने मंगलवार की कथा में भगवान जगन्नाथ की प्रकट लीला सुनाई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन ने किया। इस मौके पर प्रो नंदन ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कथा सुनने से मनुष्य को जन्म मृत्यु के पाप से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि हिन्दु धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा व उनकी महाकथा का बहुत ही महत्व है। और कहा जाता है कि रथयात्रा में रथ पर भगवान को देखने और रथ का रस्सी स्पर्श करने से मनोकामना की पूर्ति होती है। जगन्नाथ महाकथा के प्रथम दिन भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज ने बताया कि राजा इंद्रद्युम्न और भगवान जगन्नाथ के प्राकट्य की लीला अत्यंत मधुर और प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि राजा इंद्रद्युम्न, जो एक महान वैष्णव राजा थे, ने एक दिन नीलमाधव नाम से भगवान विष्णु की अद्भुत मूर्ति के बारे में सुना। कहा जाता था कि भगवान नीलमाधव घने वन में शबर (सवरा) जाति के प्रमुख विश्वावसु द्वारा गुप्त रूप से पूजे जाते थे। राजा के मन में भगवान के दर्शन की तीव्र इच्छा जागी। उन्होंने अपने ब्राह्मण मंत्री के भाई विद्यापति को नीलमाधव की खोज के लिए भेजा। बहुत खोजने के बाद विद्यापति विश्वावसु के घर पहुँचे। विश्वावसु अपनी पुत्री ललिता के आग्रह पर विद्यापति को अपने साथ ले जाने के लिए तैयार हुए, लेकिन उनकी आँखों पर पट्टी बाँध दी ताकि कोई उस स्थान का पता न लगा सके। चतुर विद्यापति ने रास्ते में सरसों के दाने गिरा दिए। बाद में उन दानों से पौधे उग आए और मार्ग का पता चल गया। उन्होंने गुफा में भगवान नीलमाधव के दिव्य दर्शन किए और लौटकर राजा इंद्रद्युम्न को सारी बात बताई।राजा स्वयं विशाल सेना और भक्तों के साथ उस स्थान पर पहुँचे। लेकिन वहाँ पहुँचने पर भगवान नीलमाधव अंतर्ध्यान हो चुके थे। राजा अत्यंत दुखी हुए। उसी समय आकाशवाणी हुई। > ह्लहे राजन्! शोक मत करो। मैं नीलमाधव के रूप में अब दर्शन नहीं दूँगा। समय आने पर मैं दारु-ब्रह्म (दिव्य काष्ठ, लकड़ी) के रूप में प्रकट होकर तुम्हारी पूजा स्वीकार करूँगा।ह्रराजा इंद्रद्युम्न ने वहीं रहकर कठोर तपस्या और यज्ञ किया। कुछ समय बाद समुद्र तट पर एक दिव्य काष्ठ (लकड़ी) बहकर आया, जिस पर शंख, चक्र, गदा और पद्म के दिव्य चिह्न थे। यह साधारण लकड़ी नहीं, बल्कि स्वयं भगवान का दारु-ब्रह्म स्वरूप था। तब एक वृद्ध बढ़ई के रूप में स्वयं भगवान के शिल्पी विश्वकर्मा प्रकट हुए। उन्होंने कहा, ह्लमैं इस लकड़ी से विग्रह बनाऊँगा, लेकिन एक शर्त है, जब तक मैं भीतर काम करूँ, कोई भी दरवाजा नहीं खोलेगा।ह्रराजा ने यह शर्त स्वीकार कर ली। कई दिनों तक भीतर से काम की आवाज आती रही, फिर अचानक सब शांत हो गया। रानी गुंडिचा को चिंता हुई कि कहीं बढ़ई के साथ कुछ अनहोनी न हो गई हो। उनके आग्रह पर राजा ने समय पूरा होने से पहले ही द्वार खुलवा दिया। जैसे ही द्वार खुला, वृद्ध बढ़ई अदृश्य हो चुके थे। वहाँ भगवान जगन्नाथ, बालभद्र और सुभद्रा के विग्रह विराजमान थे, लेकिन उनके हाथ-पैर पूर्ण रूप से निर्मित नहीं थे। इसके बाद ब्रह्माजी को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य आनंद कुमार, रक्षक गिरिधारी दास, इश्वरनाथ प्रभु, सनातन कृष्ण दास अधिकारी, अभय सुन्दर दास, सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496